E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -165 | प्रयागराज, गुरुवार 18 सितम्बर, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

मोदी के 75वें जन्मदिन पर सबसे पहले ट्रम्प की बधाई,फोन कर कहा- आप अद्भुत काम कर रहे,पीएम बोले- थैंक यू, मेरे दोस्त

वॉशिंगटन डीसी/नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को प्रधानमंत्री मोदी को फोन पर सबसे पहले जन्मदिन की बधाई दी। पीएम मोदी आज 75 साल के हो गए हैं। उन्होंने मंगलवार रात 10:53 बजे बताया कि ट्रम्प ने उन्हें फोन किया। ट्रम्प ने रात 11:30 बजे अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर पीएम से बातचीत की जानकारी दी। ट्रम्प ने लिखा, 'अभी-अभी मेरे दोस्त, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बहुत अच्छी बातचीत हुई। मैंने उन्हें जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं दीं। वे अद्भुत काम कर रहे हैं। नरेंद्र, रूस और यूक्रेन के बीच जंग खत्म करने में आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।' पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, 'थैंक यू, मेरे दोस्त, प्रेसिडेंट ट्रम्प, मेरे 75वें जन्मदिन पर आपके फोन कॉल और बधाई के लिए धन्यवाद। आपकी तरह, मैं भी भारत-अमेरिका के बीच व्यापक और वैश्विक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं। हम यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में आपकी पहल का समर्थन करते हैं। भारत पर अमेरिका की तरफ से 50फीसदी टैरिफ लगाए जाने के बाद मोदी और ट्रम्प के बीच यह पहली बातचीत है। टैरिफ लगाने के 40 दिन बाद से भारत और अमेरिका के बीच संबंध खराब हो गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 6 अगस्त को रूस से तेल खरीद पर जुर्माने के तौर पर भारत पर 25फीसदी टैरिफ का ऐलान किया था। वहीं, व्यापार घाटे का हवाला देकर 7 अगस्त से भारत पर 25फीसदी टैरिफ लगा दिया था। इस तरह, अमेरिका निर्यात होने वाले भारतीय सामानों पर कुल टैरिफ 50फीसदी लगाया गया है। भारत पर 50फीसदी टैरिफ 27 अगस्त 2025 से लागू हुआ था। मोदी की ट्रम्प के साथ आखिरी बार 17 जून को फोन पर करीब 35 मिनट बातचीत हुई थी। 27 अगस्त को जर्मन अखबार फ्रैंकफर्टर अलगेमाइन त्सितुंग ने दावा किया था कि टैरिफ विवाद को लेकर मोदी ने हाल के हफ्तों में 4 बार ट्रम्प का फोन उठाने से मना कर दिया था। भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर 7 घंटे बातचीत टैरिफ को लेकर तनाव के बीच भारत

और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय ट्रेड डील पर बातचीत भी फिर शुरू हो गई है। मंगलवार को अमेरिकी प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच और भारतीय वाणिज्य विभाग के विशेष प्रतिनिधि राजेश अग्रवाल के बीच करीब 7 घंटे बातचीत हुई। दोनों देशों ने इसे बहुत सकारात्मक बताया।वाणिज्य मंत्रालय ने बताया कि दोनों प्रतिनिधियों ने ट्रेड डील पर आगे का रास्ता तय करने पर बातचीत की। जल्द ही अगली बैठक की तारीख घोषित की जाएगी। बता दें कि लिंच एक दिन के भारत दौरे पर सोमवार रात नई दिल्ली पहुंचे थे। वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारी ने बताया कि ट्रेड डील पर आगे की बात वर्चुअल मोड पर होगी। इसकी तारीख सहमति से तय करेंगे। डील पर अब तक 5 दौर की बातचीत हो चुकी है। लेकिन, 16 सितंबर की बातचीत छठे दौर की नहीं है, बल्कि यह उसकी तैयारी को लेकर थी। बता दें कि 25-29 अगस्त को प्रस्तावित छठा दौर टैरिफ लगाए जाने के बाद टाल दिया गया था।सितंबर ट्रम्प ने ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा, 'मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि भारत और अमेरिका दोनों देशों के बीच ट्रेड बैरियर को दूर करने के लिए बातचीत जारी है। आने वाले हफ्तों में मैं अपने बहुत अच्छे दोस्त, पीएम मोदी से बात के लिए उत्सुक हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि दोनों महान देशों के लिए एक सफल नतीजे पर पहुंचने में कोई दिक्कत नहीं आएगी।' ट्रम्प के इस पोस्ट के करीब 5 घंटे बाद पीएम मोदी ने भी एक एक्स पोस्ट में लिखा, 'भारत और अमेरिका अच्छे दोस्त और नेचुरल पार्टनर हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि हमारी ट्रेड नेगोशिएशन भारत-अमेरिका पार्टनरशिप की असीमित संभावनाओं को खोलने का रास्ता बना देगी। 2. 5 सितंबर ट्रम्प ने सुबह करीब 6 बजे ट्रूथ पर लिखा, 'ऐसा लगता है कि हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है। उम्मीद है उनका भविष्य अच्छा होगा।' ट्रम्प शाम 6-7 बजे के बीच व्हाइट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बातों से पलट गए। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा- 'मैं हमेशा मोदी का दोस्त रहूंगा। भारत के साथ संबंधों को रीसेट करने के लिए हमेशा तैयार हूं।' अगले दिन सुबह 9:45 बजे पीएम मोदी ने ट्रम्प के बयान को शेयर करते हुए एक्स पर लिखा, 'राष्ट्रपति ट्रम्प की भावनाओं और हमारे संबंधों को लेकर उनके विचारों की तहे दिल से सराहना करता हूं और उनका पूर्ण समर्थन करता हूं। उन्होंने कहा- भारत-अमेरिका के बीच एक पॉजिटिव और दूरदर्शी रणनीतिक साझेदारी है।' भारत समेत बाकी देशों पर हाई टैरिफ लगाने के मामले पर यूएस कोर्ट में सुनवाई चल रही है। ट्रम्प ने 4 सितंबर को कोर्ट में भारत पर टैरिफ लगाने को जरूरी बताया था। उन्होंने कहा था कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो अमेरिका को बहुत ज्यादा आर्थिक नुकसान होगा। ट्रम्प ने इससे पहले निचली अदालत के उस फैसले को चुनौती दी, जिसमें कहा गया था कि ट्रम्प विदेशी सामान पर भारी टैरिफ नहीं लगा सकते। ट्रम्प ने कहा था कि भारत पर लगाए गए टैरिफ रूस-यूक्रेन युद्ध रोकने के लिए बहुत जरूरी हैं। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि भारत पर रूसी तेल खरीदने के लिए टैरिफ लगाया गया, ताकि युद्ध खत्म करने में मदद मिले। ट्रम्प ने कहा कि निचली अदालत का फैसला उनकी पिछले 5 महीनों की व्यापारिक बातचीत को मुश्किल में डाल सकता है। इससे यूरोपीय यूनियन, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों के साथ हुए समझौते खतरे में पड़ सकते हैं। अमेरिका के उद्योग मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने भारत पर 25फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ हटाने के लिए तीन शर्त रखी हैं। 1. भारत को रूस से तेल खरीदना बंद करना पड़ेगा, 2. ब्रिक्स से अलग होना होगा, 3. अमेरिका का सपोर्ट करना होगा। उन्होंने कहा कि अगर आप (भारत) रूस और चीन के बीच ब्रिज बनना चाहते हैं तो बनें, लेकिन या तो डॉलर का या अमेरिका का समर्थन करें। अपने सबसे बड़े ग्राहक का सपोर्ट करें या 50फीसदी टैरिफ चुकाएं।हालांकि, उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि भारत जल्द ही अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते की बातचीत में शामिल होगा।

बच्चों के साथ आत्महत्या कर रहा हूं, फिर फेसबुक ने बचाई जान

नोएडा। उत्तर प्रदेश पुलिस और मेटा कंपनी के अलर्ट से एक डॉक्टर की जान बचाई जा सकी है। डॉक्टर ने फेसबुक पर एक पोस्ट कर अपनी जीवन लीला समाप्त करने की बात लिखी थी। इस पर मेटा कंपनी ने पुलिस मुख्यालय के सोशल मीडिया सेंटर को अलर्ट भेजा। इस संबंध में डीजीपी राजीव कृष्ण ने जिम्मेदार अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए थे। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए न केवल 10 मिनट में मौके पर पहुंची, बल्कि डॉक्टर को भी बचाया है। दरअसल, गौतमबुद्ध नगर के सूरजपुर थाना क्षेत्र निवासी 50 वर्षीय डॉक्टर ने फेसबुक पर आत्महत्या करने के प्रयास से जुड़ा एक पोस्ट लिखा था। पोस्ट में उन्होंने अपनी और दो बच्चों की फोटो लगाते हुए लिखा कि मैं अपने बच्चों के साथ आत्महत्या कर रहा हूं, सभी को आखिरी प्रणाम। इस पर मेटा कंपनी ने 12 सितंबर की रात 8:18 बजे यूपी पुलिस मुख्यालय के सोशल मीडिया सेंटर को अलर्ट भेजा।

पीएम मोदी का 75 वां जन्मदिन-राहुल गांधी ने बधाई दी,बीजेपी ने शुरू किया सेवा पखवाड़ा; राजनाथ और शाह ने सुनाई मोदी स्टोरी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आज 75वां जन्मदिन है। मोदी को उनके जन्मदिन पर दुनिया भर से बधाई मिल रही है। कांग्रेस रायबरेली सांसद राहुल गांधी ने भी एक्स पर एक पोस्ट के जरिए पीएम को जन्मदिन और बेहतर स्वास्थ्य की शुभकामनाएं दीं। बीजेपी ने भी मोदी की कहानी के शॉर्ट वीडियो शेयर किए हैं। इसे मोदी स्टोरी नाम दिया है। वीडियो में चाय का गिलास और मोदी स्टोरी लिखा है। राजनाथ सिंह, अमित शाह, जेपी नड्?डा समेत कई सीनियर नेताओं ने पीएम से जुड़े किस्से सुनाए हैं। भाजपा ने देशभर में दो हफ्ते का सेवा पखवाड़ा शुरू किया है। इस दौरान कई राज्यों में 'नमो युवा रन' और रक्तदान शिविर आयोजित किए जाने हैं। बिहार भाजपा, राज्य में 50 हजार जगहों पर पीएम मोदी पर बनी शॉर्ट फिल्म दिखाएगी। जन्मदिन के दिन पीएम मोदी मध्य प्रदेश के धार जिले में 2150 एकड़ में बनने वाले पीएम मित्र पार्क का शिलान्यास करेंगे। साथ ही वे 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' अभियान और 8वें पोषण माह की शुरुआत भी करेंगे। वहीं शाहरुख खान बोले- मोदी का अनुशासन की उनकी जीवन यात्रा में शामिल, कोलंबो में बोहरा समुदाय और महाबोधि सोसाइटी में विशेष प्रार्थनाएं, धीरेंद्र शास्त्री बोले- मोदी युगपुरुष, उनका मिशन और विजन महान, आमिर खान बोले- पीएम मोदी ऐसे ही देश को आगे बढ़ाते रहें, ओडिशाः पुरी बीच पर सैंड आर्टिस्ट सुदर्शन ने 75 कमल से बनाया आर्ट, अखिलेश यादव ने बधाई दी, लिखा- सकारात्मक जीवन की शुभकामनाएं-'प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को स्वस्थ, सार्थक, सौहार्दपूर्ण, समावेशी, सकारात्मक जीवन की शुभकामनाओं के साथ जन्मदिन की हार्दिक बधाई।' गृह

मंत्री अमित शाह ने माय मोदी स्टोरी के साथ कुछ किस्से शेयर किए हैं। उन्होंने कहा- राजकोट की यात्रा का वह प्रसंग, जब मोदी जी ने यह संवेदनशील सीख दी कि संगठन में स्वयं से पहले कार्यकर्ताओं का ध्यान रखना चाहिए। उनकी वह सीख आज मेरे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गई है। विश्वास, अपनापन और समर्पण, यही संगठन की आत्मा है और यही मोदी जी की सबसे बड़ी शिक्षा है। राष्ट्रपति ने बधाई दी, लिखा- स्वस्थ रहें, देश को नए शिखर पर पहुंचाएं- ' भारत के प्रधानमंत्री को जन्मदिन की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। परिश्रम की पराकाष्ठा का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए अपने असाधारण नेतृत्व से आपने देश में बड़े लक्ष्यों को प्राप्त करने की संस्कृति का संचार किया है। आज विश्व समुदाय भी आपके मार्गदर्शन में अपना विश्वास प्रकट कर रहा है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि आप सदा स्वस्थ और सानंद रहें तथा अपने अद्वितीय नेतृत्व से राष्ट्र को प्रगति के नए शिखरों पर पहुंचाएं।' , नड्डा बोले- मोदी ने सिखाया नेता वही, जो जनता के बीच बैठकर उनकी धड़कन सुने--'राजनीति में कभी-कभी एक मार्गदर्शक वाक्य पूरी जिंदगी की दिशा बदल देता है। जब मैं हिमाचल प्रदेश में विपक्ष का नेता था, नरेंद्र मोदी जी हमारे प्रदेश प्रभारी थे, तो उन्होंने मुझसे पूछा कि मैं सदन में मुद्दे कहां से लाता हूं। मैंने बताया कि अखबार पढ़कर और नोट्स बनवाकर हम सवाल तैयार करते हैं। मोदी जी ने मुस्कुराते हुए कहाः 'नड्डा जी, विपक्ष का काम सिर्फ सदन तक सीमित नहीं होना चाहिए। जनता को ये पता होना चाहिए कि विपक्ष का नेता उनके बीच बैठने, उनकी समस्या सुनने और उसका समाधान खोजने के लिए उपलब्ध है।' उन्होंने मुझे सलाह दी कि मैं राज्य के हर ज़िले में जाऊं, सर्किट हाउस या किसी सार्वजनिक स्थल पर बैठकर यह घोषणा करूं कि विपक्ष का नेता जनता की शिकायतें सुनने के लिए मौजूद है। उनकी बात मैंने तुरंत मान ली। अगले ही पंद्रह दिनों में मैंने दो-दो, तीन-तीन ज़िलों का दौरा किया और पूरा प्रदेश कवर कर लिया। किसानों, युवाओं, कर्मचारियों और कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद हुआ। उस अनुभव ने मुझे गहराई से बदल दिया। बहस करने की मेरी शैली बदली, जनता के मुद्दों की सीधी समझ मिली और एक आत्मविश्वास आया कि विपक्ष भी राज्य का नेतृत्व कर सकता है। अखबारों से मिली जानकारी और जनता से मिली जानकारी में कितना अंतर होता है, यह तब पहली बार महसूस हुआ। नतीजा यह हुआ कि हमारी पार्टी की छवि विपक्ष से कहीं आगे बढ़कर जनता की आवाज बनने लगी। और जब चुनाव आए तो हमने सोचा भी नहीं था कि सत्ता में आएंगे, लेकिन मोदी जी की रणनीति और मार्गदर्शन ने असंभव को संभव कर दिखाया। आज पीछे मुड़कर देखता हूं तो समझता हूं- एक वाक्य, एक सीख, राजनीति की पूरी परिभाषा बदल सकती है। नरेंद्र मोदी जी ने मुझे यही सिखाया कि नेता वही है, जो जनता के बीच बैठकर उनकी धड़कनों को सुने।'

तेजस्वी बोले- नीतीश हाईजैक हैं, दो गुजराती सरकार चला रहे,कभी मुख्यमंत्री ने मोदी की थाली छीन ली थी,आज उनके करीबी हैं

पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मंगलवार (16 सितंबर) को 'बिहार अधिकार यात्रा' की शुरुआत की। पहले दिन यात्रा की शुरुआत जहानाबाद से हुई, जो देर शाम नालंदा के इस्लामपुर और फिर हिलसा पहुंची। इसके बाद तेजस्वी यादव पटना के फतुहा पहुंचे। जहां उनका स्वागत जगह-जगह जेसीबी मशीनों से फूलों की वर्षा कर की गई। कल यानी बुधवार को तेजस्वी यादव अपनी यात्रा की शुरुआत बेगूसराय से करेंगे। तेजस्वी ने इस्लामपुर के खानकाह हाई स्कूल मैदान में सभा को संबोधित करते हुए सीएम नीतीश पर निशाना साधा। उन्होंने बीजेपी पर सीएम नीतीश को हाईजैक करने का आरोप लगाया।साथ ही ये भी कहा कि दो गुजराती मिलकर बिहार में सरकार चला रहे हैं। तेजस्वी ने कहा, 'यह वो नीतीश कुमार नहीं हैं, जिन्होंने कभी मोदी जी की थाली खींच ली थी। आज ऐसी स्थिति आ गई है कि उन्हें मोदी जी के पैर छूने पड़ रहे हैं।'इससे पहले जहानाबाद में तेजस्वी ने लोगों को संबोधित करते हुए नीतीश सरकार को नकलची सरकार बताया। साथ ही ये भी दावा किया कि भाजपा बिहार से नीतीश कुमार को भगाना चाहती है। जहानाबाद निकलने से पहले पटना में उन्होंने महागठबंधन में सीएम फेस को लेकर अपनी बात

रखी और कहा कि महागठबंधन में सीएम फेस को लेकर कोई कंफ्यूजन नहीं है। बिहार अधिकार यात्रा के दौरान तेजस्वी की 5 बड़ी बातें- बीजेपी ने नीतीश को हाईजैक किया- 'नीतीश चाचा को बीजेपी ने हाईजैक कर लिया है और अब बिहार की सरकार नीतीश जी नहीं, बल्कि दो गुजराती दिल्ली से चला रहे हैं। यह वो नीतीश कुमार नहीं हैं, जिन्होंने कभी मोदी जी की थाली खींच ली थी। आज ऐसी स्थिति आ गई है कि उन्हें मोदी जी के पैर छूने पड़ रहे हैं।' हम अपराध मुक्त बिहार बनाएंगे- 'हमारी सरकार बनेगी तो भ्रष्टाचार मुक्त सरकार बनेगी। अपराध मुक्त सरकार बनेगी। हम अपराध मुक्त बिहार बनाएंगे। कोई गड़बड़ी करेगा तो तेजस्वी उसे हटा देगा, छोड़ेगा नहीं।' ये सरकार नकलची सरकार है- 'ये सरकार नकलची सरकार है। तेजस्वी जो कहता, वही ये सरकार करती है। हमने कहा पेंशन बढ़ाएंगे। इन लोगों ने पेंशन बढ़ा दी। हमने कहा माई बहिन योजना लाएंगे। इन लोगों ने महिलाओं के लिए योजना का ऐलान कर दिया।' महागठबंधन में सीएम फेस को लेकर कन्फ्यूजन नहीं- पटना में तेजस्वी ने कहा, 'महागठबंधन में सीएम फेस को लेकर कोई कन्फ्यूजन नहीं है, चाहे तो जनता से पूछ लीजिए। बीजेपी नीतीश कुमार को भगाना चाहती है। चुनाव है, इसलिए अभी साथ रखा है।' घुसपैठिया सिर्फ चुनावी मुद्दा- 'घुसपैठियों को बाहर भगाने से किसने रोका है आपको। आप कर क्या रहे हैं 11 साल से। चुनाव में भाषण देने से नहीं होता है। घुसपैठिया सिर्फ मुद्दों से भटकाने की बातें हैं।' तेजस्वी की यात्रा पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने तंज कसा है। उन्होंने कहा, 'तेजस्वी यादव यात्रा पर निकलें और पूरे परिवार के साथ निकलें। लालू यादव को दिखाएं कि विकास किसको कहते हैं। लालू यादव गरीब को कहते थे कि बिजली का क्या करोगे? सड़क का क्या करोगे? उन्हें सड़क से पूरे बिहार की यात्रा कराई जाए तब पता चलेगा कि नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी की जोड़ी ने बिहार में क्या विकास किया है।' नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव 16 सितंबर यानी आज से 'बिहार अधिकार यात्रा' पर हैं। उन्होंने इसे बेरोजगारी, महंगाई, किसानों-मजदूरों के सम्मान और महिलाओं की सुरक्षा की लड़ाई बताया है। उन्होंने अपनी यात्रा की शुरुआत जहानाबाद से की। 5 दिनों तक चलने वाली तेजस्वी की यह यात्रा 11 जिलों से होकर गुजरेगी। 20 सितंबर को वैशाली में इस यात्रा का समापन होगा।

रात में बच्चों को यमुना में फेंकने लाया पिता, लोगो ने बचाया

आगरा। आगरा में घर में रखी गुल्लक से रुपये चोरी के करने पर एक पिता रात में अपने दो

बच्चों को यमुना में फेंकने ले गया। ऐसा करते देख राहगीरों ने उसे रोक लिया। भीड़ एकत्रित हो गई। युवक के साथ एक बुजुर्ग महिला भी थी। ऐसा करने पर लोगों ने उन्हें जमकर खरी-खोटी सुनाई। बच्चे डर से सहम रहे थे और जोर-जोर से रोने बिलखने लगे। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। हालांकि, उस युवक का कहना था कि वह केवल बच?चों को डराने लाया था। पूरा मामला मंगलवार रात करीब 9 बजे का बताया जा रहा है। एक युवक बाइक पर दो बच्चों और बुजुर्ग महिला को लेकर आंबेडकर पुल पहुंचा था। राहगीरों ने अनुसार युवक दोनों बच्चों को यमुना में फेंकने का प्रयास कर रहा था। इतने में राहगीरों ने उसे देख लिया। बच्चों को अपने कब्जे में ले लिया। लोगों ने उसे हडकाया। कहने लगे कि जब बच्चों को पाल नहीं सकते तो पैदा क्यों करते हो। पिता की हरकत देखकर बच्चे बिलख-बिलख कर रोने लगे थे। लोगों ने बच्चों को सहारा दिया और बच्चों को अपने साथ लेकर जाने की कहने लगे। इस पर बच्चों ने रोते हुए कहा हम किसी के साथ नहीं जा रहे हैं। बच्चे अपने पिता के साथ ही घर जाना चाहते थे। इस पर लोगों ने धमकाते हुए कहा कि अगर बच्चों को कुछ हुआ तो तुम्हारी खैर नहीं है। इस पर बच्चों को लेकर युवक चला गया। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। युवक लोगों को बता रहा था कि इन बच्चों ने घर में रखी गुल्लक से 5 हजार रुपये चुरा लिए हैं। पूछने पर कुछ नहीं बता रहे हैं। इस लिए डराने के लिए यहां लेकर आया था। थाना छत्ता पुलिस का कहना है कि उनके पास कोई शिकायत नहीं आई है। वीडियो की जानकारी की जा रही है।

बाढ़ के बाद बीमारी, मच्छर, गंदगी ने बढ़ाई परेशानी,लौटे पानी की गाद रह गई, संक्रमण का खतरा बढ़ा

प्रयागराज। गंगा और यमुना नदियों के जलस्तर में लगातार कमी से जहां एक ओर तटीय इलाकों में

रहने वाले लोगों ने राहत की सांस ली है, वहीं दूसरी ओर अब गंदगी की समस्या ने स्थानीय निवासियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। बाढ़ का पानी उतरते ही गलियों और मोहल्लों में कीचड़, कचरा और गंदगी का अंबार लग गया है, जिससे आमजनजीवन बेहाल हो उठा है।संगम क्षेत्र स्थित दारागंज, नागवासुकी और आसपास के मोहल्लों में लोगों का आना-जाना दूभर हो गया है। गली-मोहल्लों में जमी गंदगी और कीचड़ के कारण स्थानीय निवासी संक्रमण और बीमारियों के डर से सहमे हुए हैं। मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ गया है, जिससे डेंगू, मलेरिया और अन्य बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है।स्थानीय निवासी लवकुश तिवारी का कहना है कि जल स्तर घटने से हमें राहत तो मिली है लेकिन अब गंदगी की बाढ़ ने हमें परेशान कर रखा है। सड़क पर चलना मुश्किल हो गया है और बीमारी फैलने का डर बढ़ गया है। वहीं प्रीतम मिश्रा का कहना है कि प्रशासन की ओर से अभी तक कोई ठोस व्यवस्था नहीं दिख रही है, जिससे आम लोगों की परेशानी और बढ़ गई है। हालांकि, प्रशासन ने बाढ़ के बाद सफाई और स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं को लेकर दावा किया है। नगर निगम की टीम प्रभावित इलाकों में सफाई अभियान चला रही है। वहीं, स्वास्थ्य विभाग की ओर से एंटी-लार्वा स्प्रे और फॉगिंग कराई जा रही है, ताकि मच्छरों के प्रकोप को रोका जा सके और लोगों को बीमारियों से बचाया जा सके। जलस्तर में कमी का क्रम जारी है। बीते 24 घंटों में फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 82 सेंटीमीटर और छतनाग में 76 सेंटीमीटर कम हुआ है। वहीं नैनी में यमुना नदी का जलस्तर 70 सेंटीमीटर घटा है। सुबह 8 बजे तक फाफामऊ में गंगा का स्तर 81.17 मीटर, छतनाग में 79.81 मीटर और नैनी में यमुना का जलस्तर 80.30 मीटर दर्ज किया गया।

प्रयागराज के कमिश्नर विजय विश्वास पंत का ट्रांसफर लखनऊ में,महाकुंभ में भगदड़ के पहले श्रद्धालुओं को सचेत किया था

प्रयागराज। कमिश्नर विजय विश्वास पंत का ट्रांसफर हो गया है। मंगलवार शासन ने प्रदेश के

16 आईएएस अफसरों का ट्रांसफर किया जिसमें प्रयागराज के कमिश्नर का भी नाम शामिल है। अब इन्हें राजधानी लखनऊ का कमिश्नर बनाया गया है।महाकुंभ में कमिश्नर विजय विश्वास पंत ने अहम भूमिका निभाई थी। महाकुंभ में मौनी अमावस्या की रात भगदड़ के कुछ देर पहले का उनका एक वीडियो बहुत तेज वायरल हुआ था। जिसमें वह हैंड स्पीकर लेकर संगम क्षेत्र में सो रहे श्रद्धालुओं को सचेत कर रहे थे। वह लोगों से अपील करते दिख रहे थे कि उठिए, स्नान करिए। अब प्रयागराज के नए कमिश्नर के रूप में अब सौम्या अग्रवाल को भेजा जा रहा है जो बरेली में कमिश्नर हैं।कमिश्नर विजय विश्वास पंत यहां सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर बहुत गंभीर रहे। उन्होंने शहर के बड़े सरकारी अस्पतालों के साथ गांव के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण करते रहते थे। इसके साथ ही अन्य विभागों में चल रही गड़बड़झाला पर एक्शन लेने में तनिक भी देर नहीं करते थे।

धूमनगंज में डिलीवरी बॉय ने लुटेरे को पकड़कर थाने में सौंपा,पुलिस ने जांच के बाद आरोपी को छोड़ा,पीड़ित ने की शिकायत

प्रयागराज। धूमनगंज इलाके में डिलीवरी बॉय के साथ लूटपाट का मामला सामने आया है। पीड़ित युवक का आरोप है कि उसने लुटेरे

को पकड़कर पुलिस को सौंपा, लेकिन पुलिस ने आरोपी को छोड़ दिया। हमीरपुर निवासी और प्रीतमनगर में किराए पर रहने वाले रितेश सिंह ई-कॉमर्स कंपनी में डिलीवरी बॉय का काम करते हैं। 11 सितंबर की रात करीब 11:50 बजे वह कालिंदीपुरम में ऑर्डर देने जा रहे थे। इसी दौरान सुबेदारगंज रेलवे क्रॉसिंग के पास छह से आठ युवकों ने उन्हें घेर लिया। आरोप है कि बदमाशों ने मारपीट कर उनका मोबाइल फोन और नकदी से भरा पर्स छीन लिया। रितेश का कहना है कि दो दिन बाद 13 सितंबर की रात 11:30 बजे वह अपने साथियों के साथ उसी रास्ते से जा रहे थे। तभी बदमाशों ने फिर से लूट की कोशिश की। इस बार डिलीवरी बॉय साथियों ने मिलकर एक युवक को पकड़ लिया और उसे सीधे थाने ले गए। पीड़ित ने आरोप लगाया कि 15 सितंबर को जब वह थाने जानकारी लेने पहुंचे, तो पुलिस ने उन्हें डांट दिया। पुलिस का कहना था कि युवक निर्दोष है और गलत व्यक्ति को पकड़कर लाया गया है। इसके बाद पुलिस ने उस युवक को छोड़ दिया। रितेश ने इस पूरे मामले की शिकायत वरिष्ठ अधिकारियों से की है। धूमनगंज थाना प्रभारी अमरनाथ राय ने बताया कि युवक को थाने लाया गया था, लेकिन जांच में उसकी संलिप्तता साबित नहीं हुई। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

- मुद्दा -

तीन स्तंभ, एक लक्ष्यः क्या वकील, पुलिस और मीडिया साथ आ सकते हैं?

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में वकील, पुलिस और

मीडिया तीन ऐसे स्तंभ हैं जो कानून, व्यवस्था और जनचेतना के संरक्षणकर्ता माने जाते हैं। लेकिन जब ये तीनों अपने-अपने स्वार्थों में उलझ जाते हैं, तो सबसे बड़ा नुकसान न्याय और समाज को होता है। हाल ही में वाराणसी की जिला अदालत में हुई एक घटना ने फिर से इस मुद्दे को सुर्खियों में ला दिया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक पूर्व मंत्री से जुड़े मुकदमे की सुनवाई के दौरान वकील और पुलिस अधिकारी के बीच कहासुनी हो गई, जो बाद में हाथापाई तक पहुँच गई। मीडिया ने इस पूरे घटनाक्रम को प्रमुखता से दिखाया, लेकिन जिस अपराध और अभियुक्त की सुनवाई चल रही थी, वह विषय पीछे छूट गया। अंततः दोनों पक्षों की आपसी खींचतान में असली मुद्दा गौण हो गया और अपराधी अपने रास्ते पर बढ़ गया। मीडिया को 'चौथा स्तंभ' कहा जाता है, जिसका कार्य है सच्चाई को जनता तक पहुँचाना। लेकिन जब रिपोर्टिंग 'टीआरपी' की दौड़ में बदल जाती है, तब 'मुख्य मुद्दे' की जगह 'मसालेदार दृश्य' ले लेते हैं। ऐसे में न तो न्यायपालिका को सहयोग मिलता है, न ही अपराध पर नियंत्रण होता है। वकील, जो न्याय का प्रहरी होता है, जब कोर्ट परिसर में ही हिंसा का सहारा लेता है, और पुलिस, जो कानून व्यवस्था की रक्षक है, अगर वह भी खुद को कानून से ऊपर समझने लगे, तो जनता न्याय की उम्मीद किससे करे? इस प्रकार की घटनाएँ हमें सोचने पर मजबूर करती हैं कि अगर वकील, पुलिस और मीडिया एकजुट होकर देशहित में कार्य करें–अपने-अपने दायरे में रहकर ईमानदारी से काम करें–तो क्या देश से अपराध को जड़ से समाप्त करना संभव नहीं होगा? इस दिशा में ज़रूरत है कि सभी पक्ष आत्ममंथन करें। मीडिया को चाहिए कि वह अपने सामाजिक उत्तरदायित्व को समझे और सनसनी के बजाय तथ्य आधारित रिपोर्टिंग को बढ़ावा दे। वकीलों और पुलिस अधिकारियों को चाहिए कि वे अदालत को एक पवित्र स्थल मानते हुए वहाँ अनुशासन और गरिमा बनाए रखें। अगर ये तीनों स्तंभ अपने मतभेद भुलाकर देशहित में एक मंच पर आ जाएँ, तो वह दिन दूर नहीं जब अपराधियों के मन में डर और आमजन के मन में न्याय की उम्मीद फिर से जाग उठेगी।

प्रभारी मंत्री ने स्वच्छता ही सेवा अभियान का श्रमदान कर किया शुभारम्भ, दिया स्वच्छता का संदेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मा0 प्रभारी मंत्री/मा0 मंत्री सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम,

खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा तथा वस्त्रोद्योग विभाग उ0प्र0 राकेश सचान ने डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी पार्क सुपर मार्किट में डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सेवा पखवाड़ा के अन्तर्गत स्वच्छता ही सेवा-2025 अभियान का श्रमदान कर शुभारम्भ किया व स्वच्छता का संदेश दिया। इस अवसर पर मा0 मंत्री जी ने कहा कि आज मा0 प्रधानमंत्री जी के जन्म दिवस पर पूरे देश में इस अभियान का शुभारम्भ किया गया है। यह अभियान आज से प्रारम्भ होकर 02 अक्टूबर गांधी जयंती के अवसर पर समाप्त होगा। 15 दिवसीय इस अभियान का उद्देश्य देशभर के करोड़ों लोगों को सामूहिक रूप से स्वच्छता अभियानों के लिए प्रेरित करना, जिसका व्यापक असर भी हो रहा है। उन्होंने कहा कि हम जिस प्रकार अपने घर को स्वच्छ रखते है उसी प्रकार हमे अपने घर के आस-पास व सार्वजनिक स्थलों को भी स्वच्छ रखना होगा। हम स्वच्छ रहेंगे तभी स्वस्थ रहेंगे, इसका हमे हमेशा ध्यान रखना है। प्रभारी मंत्री ने कहा कि मोदी जी ने स्वच्छ भारत मिशन से यह सिखाया कि राष्ट्र सेवा का आरम्भ स्वच्छता से ही होता है। आइये, हम सब मिलकर उनके संकल्प को आगे बढ़ाते हुए स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाकर स्वस्थ भारत के निर्माण में अपना योगदान दें। इस अवसर पर मा0 विधायक सलोन अशोक कुमार, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अपर पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिन्हा, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका स्वर्ण सिंह, जिला अध्यक्ष भाजपा बुद्धीलाल पासी सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

प्रभारी मंत्री ने स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान का किया शुभारम्भ,इस अभियान के तहत महिलाओं, किशोरियों और बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण पर होगा जोर - राकेश संचान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मा0 प्रभारी मंत्री जनपद/मा0 मंत्री सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा तथा वस्त्रोद्योग विभाग उ0प्र0 राकेश

सचान ने जिला अस्पताल में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान का शुभारम्भ किया।जनपद में आज से दो अक्टूबर तक 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार' अभियान चलेगा, इसके तहत जिला अस्पताल, सभी सीएचसी ,पीएचसी और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों(आआम) पर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जायेगा। मा0 मंत्री जी ने कहा कि एक स्वस्थ महिला जहाँ स्वस्थ परिवार का निर्माण करती है वहीं एक स्वस्थ परिवार समाज को सशक्त बनाता है और यही मिलकर विकसित भारत की राह तैयार करते हैं, इसी के दृष्टिगत माननीय प्रधानमंत्री जी के पोषण, शारीरिक स्वास्थ्य और निवारक स्वास्थ्य सम्बन्धी आह्वाहन के अनुरूप, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के निर्देश पर 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार' अभियान चलाया जा रहा है जो कि पोषण अभियान के साथ चलेगा। यह अभियान महिलाओं, किशोरियों और बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण पर आधारित है। इस अभियान का उद्देश्य रोगों की समय रहते पहचान आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं तक आसान पहुँच व परिवारों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है।इस अवसर पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न कार्यक्रमों सहित, आईसीडीएस, स्वास्थ्य जागरूकता के स्टाल लगाये गये। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नवीन चंद्रा ने बताया कि स्वास्थ्य शिविरों पर महिलाओं में गैर संचारी रोगों जैसे उच्च रक्तचाप, मधुमेह, ओरल, ब्रेस्ट एवं गर्भाशय के कैंसर की गहन जाँच होगी।किशोरियों एवं महिलाओं में एनीमिया की जाँच होगी। संवेदनशील महिलाओं की टीबी की जाँच होगी और निक्षय मित्र योजना के तहत उनका नामांकन किया जायेगा। गर्भवतियों की प्रसवपूर्व जाँच, हीमोग्लोबिन की जाँच, पोषण सम्बन्धी सलाह और तथा एमसीपी कार्ड(मदर चाइल्ड कार्ड) का वितरण किया जायेगा। गर्भवतियों एवं बच्चों को निःशुल्क टीकाकरण किया जायेगा। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत लाभार्थियों का पंजीकरण तथा ई-कार्ड एवं आयुष्मान भारत हेल्थ एकाउंट (आभा) कार्ड का वितरण किया जाएगा।मा0 प्रभारी मंत्री ने मा0 प्रधानमंत्री जी के जन्म दिवस पर भारतीय जनता युवा मौर्चा रायबरेली के तत्वाधान में सेवापखवाड़ा अभियान-2025 के अन्तर्गत आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारम्भ किया। शिविर में लोगों ने रक्तदान किया।इसके पश्चात मध्यप्रदेश में मा0 प्रधानमंत्री जी के जन्म दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया व मा0 प्रधानमंत्री जी के उद्बोधन को सुना गया।इस अवसर पर मा0 विधायक सलोन अशोक कुमार, जिलाधिकारी हर्षिता माथुर, पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 नवीन चन्द्रा, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, सिटी मजिस्ट्रेट राम अवतार, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट प्रफुल्ल कुमार शर्मा, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (पुरूष) डॉ0 पुष्पेन्द्र कुमार, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (महिला) निर्मला कुमारी, जिला अध्यक्ष भाजपा बुद्धिलाल पासी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस की पूर्व संध्या पर सम्मान समारोह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र

मोदी जी के जन्मदिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित सम्मान समारोह में 'आधुनिक समाचार' की स्टेट हेड सुश्री चिंता पांडेय जी को समाज कल्याण मंत्री श्री संजीव गौड़ जी द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान, निर्भीकता, निष्पक्षता एवं समाज के प्रति उनकी गहन संवेदनशीलता के लिए प्रदान किया गया। सुश्री चिंता पांडेय ने अपने पत्रकारिता करियर में सदैव सत्य को प्राथमिकता दी है और समाज के वंचित एवं शोषित वर्गों की आवाज़ को मुखर रूप से उठाया है। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी गणमान्य हस्तियों की उपस्थिति रही, जिन्होंने चिंता पांडेय जी के कार्यों की सराहना की और उन्हें प्रेरणा स्रोत बताया।'आधुनिक समाचार' परिवार इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर चिंता पांडेय जी को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई देता है, और आशा करता है कि उनका यह सफर आने वाले समय में और भी ऊँचाइयों को छुएगा।

वक्फ संपत्तियों का विवरण पोर्टल पर फीड किये जाने के लिए कार्मिक नामितःमहिमा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी/सहायक सर्वे

कमिश्नर वक्फ रायबरेली महिमा ने बताया है कि केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास (UMEED) अधिनियम-1995 जो 08 अप्रैल 2025 को लागू हुआ है। अधिनियम के प्राविधान के अनुसार धारा 3(क) के अनुसार केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय नई दिल्ली में एक सशक्त UMEED केन्द्रीय पोर्टल, 2025 का शुभारम्भ किया गया है जिसका उद्देश्य मौजूदा औकाफ का विवरण, पंजीकरण, लेखा, लेखा परीक्षा और वक्फ एवं बोर्ड के अन्य विवरण जैसा कि केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित किया गया है, अपलोड किया जाना है। वक्फ सम्पत्तियों का विवरण UMEED पोर्टल पर फीड किये जाने हेतु उ0प्र0 सुन्नी सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड लखनऊ द्वारा मुख्य कार्यपालक अधिकारी नियुक्त न होने की दशा में बोर्ड के दो उच्च अधिकारियों (सहायक सचिव) को अप्रूवर के रूप में नामित किया गया है तथा चार कार्यपालक अधिकारियों/मास्टर ट्रेनर को चेकर तथा जनपद के बड़े औकाफ से सम्बन्धित मुतवल्ली/प्रबन्ध समिति (मेकर्स) को जनपद कोऑर्डिनेटर के रूप में नामित किया गया है। इसी प्रकार उ0प्र0 शिया सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड लखनऊ द्वारा भी वक्फ सम्पत्तियों का विवरण उम्मीद पोर्टल पर फीड किये जाने हेतु अप्रूवर/चेकर/मेकर्स/कोऑर्डिनेटर नामित किये गये हैं। उ0प्र0 सुन्नी सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड लखनऊ द्वारा हेल्पलाईन नम्बर 0522-3132567 जारी किया गया है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने उ0प्र0 सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड लखनऊ द्वारा नामित कार्मिकों के बारे में बताया है कि एजाज अहमद (कार्यपालक अधिकारी) मो0नं0 9795742635, एस0एम0 अफजाल काशिफ (कार्यपालक अधिकारी) मो0नं0 9450627158, अहमद मुबीन किदवई (कार्यपालक अधिकारी) मो0नं0 8299449768, मुजाहिद रहमान (कार्यपालक अधिकारी) मो0नं0 8299363648 अशर सिद्दीकी (निरीक्षक) मो0नं0 8081079944, मोहम्मद महताब (मुतवल्ली/कोऑर्डिनेटर) मो0नं0 9415956243, आमिर बेग (मुतवल्ली/कोऑर्डिनेटर) मो0नं0 9415117700, सईदुर रहमान इम्तियाज (मुतवल्ली/कोऑर्डिनेटर) मो0नं0 7379386318 को नामित किया गया है। इसी प्रकार उ0प्र0 शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड लखनऊ द्वारा नामित कार्मिक जीशान रिजवी मुख्य कार्यपालक अधिकारी मो0नं0 9415036983, शकील अब्बास निजी सहायक मो0नं0 9935190711, राहिब अली एल0डी0सी0 मो0नं0 8756637860, शौजाब अब्बास मुतवल्ली/मेकर मो0नं0 9506677907, आकाश वर्मा असिस्टेंट प्रोग्रामर मो0नं0 9580120821, तबस्सुम नकवी मुतवल्ली/मेकर मो0नं0 9936201869 को नामित किया गया है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने बताया है कि वक्फ सम्पत्तियों का विवरण UMEED पोर्टल पर फीड कराये जाने के सम्बन्ध में जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कार्यालय स्तर पर हेल्पडेस्क स्थापित की गयी है जिसमें मुख्य वक्फ निरीक्षक (6392098808) एवं वरिष्ठ सहायक (6389324703) को डेस्क प्रभारी नामित किया गया है। उन्होंने बोर्ड द्वारा नियुक्त मुतवल्ली/कोऑर्डिनेटरों को निर्देशित किया है कि बोर्ड के निर्देशानुसार वक्फ संपत्तियों का सम्पूर्ण विवरण पोर्टल पर समयान्तर्गत फीड कराना सुनिश्चित करें।

पूर्वदशम/दशमोत्तर छात्रवृत्ति हेतु आवेदन करने की तिथियां निर्धारित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी मोहन त्रिपाठी ने बताया है कि वित्तीय वर्ष/शैक्षिक सत्र 2025-26 में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग (अल्पसंख्यक पिछड़ा वर्ग को छोड़कर) एवं अल्पसंख्यक वर्ग हेतु पूर्वदशम् छात्रवृत्ति कक्षा (9-10) एवं दशम कक्षाओं छात्रवृत्ति/शुल्क प्रति कक्षा (11-12) एवं अन्य दशमोत्तर कक्षाओं हेतु समय सारणी निर्गत की गई है। निर्धारित समय सारणी के अनुसार पूर्वदशम् छात्रवृत्ति (कक्षा 9-10), दशमोत्तर छात्रवृत्ति (कक्षा 11-12) योजनान्तर्गत छात्र/छात्राओं के स्तर से आवेदन करने की तिथि 30 अक्टूबर, 2025 तक। दशमोत्तर छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति (कक्षा 11-12 को छोड़कर) अन्य दशमोत्तर कक्षाओं हेतु छात्र कक्षाओं के स्तर से आवेदन किये जाने की तिथि 20 दिसम्बर, 2025 तक निर्धारित है। छात्रवृत्ति हेतु आवेदन करने वाले इच्छुक छात्र/छात्रों द्वारा छात्रवृत्ति की बेवसाइट http://scholarship.up.gov.in पर उक्त निर्धारित तिथि तक ऑनलाइन आवेदन किये जा सकते है।

नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर में विष्वकर्मा पूजा का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। देश में विष्वकर्मा पूजा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर में मंगलवार को श्रद्धा और उत्साह के साथ भगवान विष्वकर्मा पूजा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के प्राचार्य, प्रशिक्षकगण, कर्मचारी तथा प्रशिक्षु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पूजन कार्यक्रम में भगवान विष्वकर्मा से सभी ने तकनीकी ज्ञान, कौशल विकास एवं प्रगति की कामना की। प्रशिक्षकों ने छात्रों को भगवान विष्वकर्मा के आदर्शों को अपनाने और तकनीकी शिक्षा के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। पूजन के बाद प्रसाद वितरण किया गया और संस्थान के वातावरण में भक्तिमय व सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ। वही दुकानदारों सहित लोहे के व्यापारी आदि व्यवसाय से जुड़े लोगो ने भी विष्वकर्मा करि।

प्रभारी मंत्री ने प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर लगाई गई प्रदर्शनी का किया शुभारंभ, जीआईसी ग्राउंड में सूचना विभाग द्वारा लगाई गई 15 दिवसीय भव्य चित्र प्रदर्शनी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मा0 प्रभारी मंत्री जनपद/मा0 मंत्री सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग,

रेशम उद्योग, हथकरघा तथा वस्त्रोद्योग विभाग उ0प्र0 राकेश सचान द्वारा मा0 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिवस के अवसर पर आज जीआईसी ग्राउंड में सूचना विभाग द्वारा लगाई गई 15 दिवसीय प्रदर्शनी का फीता काटकर उद्घाटन कर अवलोकन किया।इसके पश्चात मा0 प्रभारी मंत्री जी द्वारा 02 बच्चों को अन्नप्राशन व 02 गर्भवती महिलाओं की गोदभराई कर राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के 05 लाभार्थियों को आवास का प्रमाण पत्र भी दिया गया। इस अवसर पर मा0 मंत्री जी ने कहा कि प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री के व्यक्तित्व और कृतित्व, न्यू इंडिया 2047 की परिकल्पना तथा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जनहित में क्रियान्वित की जा रही कल्याणकारी योजनाओं, परियोजनाओं एवं उपलब्धियों को भव्य चित्रों और दस्तावेजों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। प्रदर्शनी के शुभारम्भ के दौरान अधिक संख्या में आमजन मौजूद रहे। सभी ने प्रधानमंत्री के जीवनवृत्त और सरकार की उपलब्धियों को दर्शाते चित्रों का अवलोकन कर गहरी रुचि दिखाई। युवाओं में न्यू इंडिया 2047 के विजन को लेकर विशेष उत्साह देखा गया। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए प्रधानमंत्री के विजन और सरकार की उपलब्धियों को जनमानस तक पहुँचाने के लिए इसे सराहनीय पहल बताया। प्रदर्शनी प्रतिदिन आमजन के लिए खुली रहेगी, जहाँ नागरिक विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इस अवसर पर मा0 विधायक सलोन अशोक कुमार, जिलाधिकारी हर्षिता माथुर, पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, सिटी मजिस्ट्रेट राम अवतार, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट प्रफुल्ल कुमार शर्मा, परियोजना निदेशक डी0आर0डी0ए0 सतीश प्रसाद मिश्रा, जिला अध्यक्ष भाजपा बुद्धिलाल पासी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

पुतलों का निर्माण कार्य जारी,70 फुट का रावण जलेगा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति

द्वारा सेक्टर 62 के रामलीला मैदान में रामलीला मंचन की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। रावण,कुम्भकरण और मेघनाद के पुतलों का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। 70 फीट के रावण, 65 फीट के कुम्भकरण और 60 फीट के मेघनाद के पुतलों का निर्माण किया जा रहा है। 02 अक्टूबर को विजयदशमी के अवसर पर इन पुतलों का दहन किया जाएगा।

श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के महासचिव डॉ.मुन्ना कुमार शर्मा ने बताया कि इस वर्ष लोनी के अनुभवी कलाकारों के द्वारा बहुत ही सजीव पुतलों का निर्माण किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि पुतलों में केवल ग्रीन पटाखों का ही प्रयोग किया जायेगा। पुतलों के चारों तरफ सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था रहेगी।

समिति के चेयरमैन उमाशंकर गर्ग एवं अध्यक्ष धर्मपाल गोयल ने बताया कि इस वर्ष मुरादाबाद की प्रसिद्ध लीला मंडली शिवा कला लोक कल्याण समिति के लगभग पचास कलाकारों के द्वारा रामलीला की भव्य प्रस्तुति दी जाएगी।

समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सतनारायण गोयल,गौरव मेहरोत्रा,पवन गोयल एवं बजरंगलाल गुप्ता ने बताया कि इस बार 5 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था रहेगी,जिसके लिये पांच सौ सोफे और चार हजार कुर्सियों की व्यवस्था की जा रही है।

सलाहकार मुकेश गोयल एवं मीडिया प्रभारी मुकेश गुप्ता ने बताया कि लोगों के खाने-पीने के लिए फूड स्टाल रहेगा और लोगों की सुरक्षा के लिए प्राइवेट सुरक्षा गार्ड और नोएडा पुलिस की व्यवस्था रहेगी।

समिति के कोषाध्यक्ष राजेंद्र गर्ग एवं सह कोषाध्यक्ष अनिल गोयल ने बताया कि श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति द्वारा आयोजित रामलीला 22 सितंबर से शुरू होकर 03 अक्टूबर तक चलेगी।

शोभायात्रा के संयोजक एसएमगुप्ता,सुधीर पोरवाल एवं नवीन पोरवाल ने बताया कि 26 सितंबर को श्रीराम बारात शोभायात्रा निकाली जाएगी,जो शहर के विभिन्न सेक्टरों से होते हुए सेक्टर-62 स्थित रामलीला स्थल पर पहुँचेगी।

02 अक्टूबर को दशहरा उत्सव मनाया जाएगा। 03 अक्टूबर को श्रीराम और भरत मिलाप होगा ।

उसके बाद डांडिया उत्सव मनाया जाएगा और इसके साथ 11 दिवसीय श्री रामलीला मंचन का समापन हो जायेगा।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 की तैयारियों को लेकर महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक हुई संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। आगामी 25 से 29 सितम्बर, 2025 तक इंडिया एक्सपो मार्ट ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने वाले 'यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025' के तृतीय संस्करण की भव्य तैयारियों को लेकर आज इंडिया एक्सपो मार्ट के सभागार में पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह, मुख्य कार्यपालक अधिकारी यमुना प्राधिकरण राकेश कुमार सिंह, मुख्य कार्यपालक अधिकारी नोएडा प्राधिकरण लोकेश एम व जिलाधिकारी मेधा रूपम ने समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। बैठक में यातायात व्यवस्था, वीवीआईपी मूवमेंट, उद्घाटन समारोह की रूपरेखा, सुरक्षा प्रबंध, पार्किंग व्यवस्था, होटल की दरों, ब्रांडिंग एवं आम जनता की सुविधा जैसे प्रमुख बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में पुलिस आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि आयोजन स्थल तक आने-जाने वाले मार्गों पर वीवीआईपी मूवमेंट को ध्यान में रखते हुए विशेष ट्रैफिक प्लान तैयार किया जाए। मार्गों पर बैरिकेडिंग, डाइवर्जन, साइनेज एवं सुरक्षा तैनाती की व्यवस्था समय से पूर्ण कर ली जाए ताकि यातायात सुचारु बना रहे और आम नागरिकों को असुविधा न हो। जिलाधिकारी ने कहा कि उद्घाटन समारोह के दौरान प्रोटोकॉल व्यवस्था में किसी भी स्तर पर शिथिलता न बरती जाए तथा अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के स्वागत एवं मार्गदर्शन हेतु विशेष हॉस्पिटैलिटी डेस्क की स्थापना की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि शटल बस सेवा, प्राथमिक चिकित्सा केंद्र, पेयजल सुविधा एवं साफ-सफाई की व्यवस्था दुरुस्त रखी जाए। साथ ही ब्रांडिंग के दृष्टिकोण से आयोजन स्थल तक जाने वाले प्रमुख मार्गों पर आकर्षक होर्डिंग, फ्लेक्स, एलईडी डिस्प्ले एवं दिशा सूचक बोर्ड लगाए जाएं ताकि आगंतुकों को सुविधा के साथ-साथ शो का प्रभाव भी भव्य रूप में दिखाई दे। बैठक में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण प्रेरणा सिंह व लक्ष्मी वीएस, अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे, प्रशासन, पुलिस एवं प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक उपरांत जिलाधिकारी ने औद्योगिक पदाधिकारियों के साथ बैठक कर आगामी इंटरनेशनल ट्रेड शो में अधिक से अधिक पंजीकरण कर प्रतिभाग सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर अपर जिला अधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे, उपायुक्त उद्योग अनिल कुमार एवं संबंधित औद्योगिक पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

सेक्टर 112मे नेत्र शिविर का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सिटी क्लब मे आज एएसजी नेत्र अस्पताल सैक्टर-27 नोएडा के सहयोग से सुकून ओल्ड एज होम सैक्टर-112 में एक नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया। वहां रह रही इक्कीस वृद्ध महिलाओं ने नेत्र शिविर में जांच कराकर इसका लाभ उठाया। दो को कैटरैक्ट ऑपरेशन की सलाह दी गई व? अन्य को चश्मे लगवाने की सलाह दी गई। एएसजी हॉस्पिटल से राशिद, रोहण व शिवम् ने इस नेत्र शिविर का कार्यभार सम्हाला। सुकून की निर्देशिका शिप्रा बंसल व मैनेजर प्रिया सचदेवा तथा सुपरवाईज़र नरेश सचदेवा ने इनर व्हील क्लब नोएडा सिटी की चार्टर प्रैसिडेंट मंजु सूद को इस शिविर आयोजन के लिए धन्यवाद दिया। क्लब चार्टर प्रेसिडेंट मंजु सूद के साथ प्रेसिडेंट दिपाली आनंद पुरी, सैक्रेटरी छवि शर्मा व सदस्य पूजा चावला खन्ना तथा नीता वर्मा भी उपस्थित रहीं।

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सेवा पखवाड़ा दिनांक 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक अभियान के अंतर्गत आज दिनांक 17/9/2025 को थीम स्वच्छता अभियान के अंतर्गत वन स्टॉप सेंटर में साफ सफाई की गयी। स्वच्छता अभियान में समस्त स्टाफ वन स्टॉप सेंटर, बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड हेल्प लाइन ने प्रतिभाग किया गया.कार्यालय में एक पेड़ माँ के नाम वृक्षारोपणङ नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रूबी प्रसाद जी द्वारा किया गया। केंद्र प्रशासक श्रीमती दीपिका सिंह, बाल संरक्षण अधिकारी श्रीमती रोमी पाठक एवं श्रीमती गायत्री दुबे व समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

व्यक्ति द्वारा किए गए श्रेष्ठ कार्य अमिट रहते हैंः मनोज पांडेय

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। बीते सोमवार को शिक्षाविद एवं समाजसेवी रहे स्वर्गीय माताफेर पांडेय की स्मृति में आयोजित सम्मान समारोह एवं कवि सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे ऊंचाहार के विधायक एवं प्रदेश सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. मनोज कुमार पांडेय ने कहा कि किसी व्यक्ति द्वारा किए गए श्रेष्ठ कार्य उसके संसार में न रहने के बाद भी अपनी अमित छाप छोड़ देते हैं । श्री पांडेय ने कहा कि स्वर्गीय पांडेय ने भी शिक्षा क्षेत्र में किए गए अपने सेवा कार्य और समाज सेवा से एक विशेष स्थान हासिल किया था। उन्होंने कहा कि मैं उनके पुत्रों को साधुवाद देता हूं कि उन्होंने अपने पिता की स्मृति में इस तरह का अच्छा कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने कहा की श्री माताफेर पांडेय अपने सरल स्वभाव और मजबूत इच्छा शक्ति के कारण सभी के हृदय में स्थान बना लेते थे। वे अपनी ड्यूटी के बाद भी छात्रों को निशुल्क शिक्षा प्रदान करते थे। उन्होंने मुख्य अतिथि मुख्य अतिथि के बारे में बताया कि डॉ. मनोज कुमार पांडेय अद्वितीय इच्छा शक्ति के धनी व्यक्ति है।वे अपने क्षेत्र के अलावा भी पूरे प्रदेश के लोगों की मदद के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। अपने संघर्ष और आम लोगों को प्रति आत्मीयता से उन्होंने प्रदेश की राजनीति में ऊंचा मुकाम हासिल किया है ।कार्यक्रम को माध्यमिक शिक्षक संघ के श्री जगजीवन प्रसाद शुक्ला, वित्तविहीन शिक्षक संघ के अरुण त्रिपाठी, माताफेर पांडेय के निकट सहयोगी रहे रणविजय सिंह ने अपने विचार व्यक्त किए।इस अवसर पर चिकित्सा क्षेत्र से डॉ.सुनीत रस्तोगी, डॉ. धर्मेंद्र सिंह, डॉ. हिमानी रस्तोगी, डॉ. एसपी दीक्षित, डॉ. मनीष चौहान डॉ. नीतिश गुप्ता अधिवक्ताओं में लक्ष्मीकांत वाजपेई, हितेंद्र बहादुर सिंह, कृपा शंकर त्रिपाठी शशिकांत शुक्ला, शशिकांत पांडे, शशांक त्रिपाठी, समाजसेवी राजेंद्र अवस्थी, राम राज गिरी ,महेंद्र अग्रवाल, चंद्रशेखर यादव, विनोद कुमार सहित जनपद के अनेक गण लोगों को सम्मानित किया गया स्व. माताफेर पांडेय के पुत्रों डॉ.गौरव पांडे एवं वैभव पांडे द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में अशोक शर्मा, शिवकुमार गुप्ता, शैलेंद्र अग्निहोत्री, राजेश पांडे, रणविजय सिंह, बब्बन सिंह सहित जनपद के अनेक गण्यमान लोग उपस्थित थे।

उत्तर प्रदेश पर्यटन यूपीआईटीएस- 2025 में प्रदर्शित करेगा राज्य की सांस्कृतिक समृद्धि और विरासत,राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य में होगा अहम भागीदार

पीपीपी-रेडी हेरिटेज प्रोजेक्ट्स, ओडीओपी क्राफ्ट्स और नीतिगत प्रोत्साहनों से निवेशकों को आकर्षित करने की तैयारी,यूपीआईटीएस-2025 में दिखेगा परंपरा और निवेश अवसरों का संगम, वैश्विक उद्यमियों के लिए खुलेंगे द्वार- जयवीर सिंह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट में आयोजित होने वाले 'उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025' (यूपीआईटीएस) में एक विशेष पवेलियन प्रदर्शित करेगा। इस पवेलियन में राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, पर्यटन निवेश संभावनाएं और आर्थिक प्रगति को प्रमुख रूप से दर्शाया जाएगा। पर्यटन और संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य पर्यटन क्षेत्र को राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य में एक अहम भागीदार के रूप में प्रस्तुत करना है। पर्यटन मंत्री ने बताया कि 'यूपीआईटीएस-2025 में नीति निर्माता, वैश्विक निवेशक, कारोबारी, शैक्षणिक प्रतिनिधि और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल सहित पर्यटन क्षेत्र से जुड़ी प्रमुख हस्तियां भाग लेंगी। इस दौरान राज्य में निवेश और पर्यटन के नए अवसरों पर व्यापक विमर्श किया जाएगा।' परंपरा और नवाचार का संगम- उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 (ळझ्ङऊए 2025) के पवेलियन को इस बार पूरी तरह से इमर्सिव और पर्यावरण-अनुकूल रूप में तैयार किया जा रहा है। इस पवेलियन में डिजिटल स्टोरीटेलिंग, एआर/वीआर आधारित डिस्प्ले, ऑटो-नेविगेशन कियोस्क और सेल्फी जोन जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। आगंतुकों के सांस्कृतिक अनुभव के लिए ब्रज का मयूर नृत्य, सोनभद्र और लखीमपुर के जनजातीय नृत्य, झांसी का बुंदेली नृत्य और लखनऊ घराने की कथक प्रस्तुतियां होंगी। यह पवेलियन राज्य की विविधता और परंपरा को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करेगा। मोबाइल ऐप और निवेश प्रोत्साहन पर जोर- उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग अपने मोबाइल ऐप के प्रचार पर विशेष ध्यान देगी। ऐप में क्यूआर-कोड के माध्यम से डाउनलोड की सुविधा उपलब्ध होगी और यह उपयोगकर्ताओं को आध्यात्मिक, बौद्ध, ग्रामीण और वेलनेस पर्यटन के लिए विशेष रूप से तैयार यात्रा कार्यक्रम प्रदान करेगा। इस दौरान वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी), हस्तशिल्प, मंदिरों की वास्तुकला और ग्रामीण पर्यटन में नवाचार को भी प्रमुख रूप से प्रदर्शित किया जाएगा। विभाग निवेशकों के लिए पीपीपी-रेडी हेरिटेज प्रोजेक्ट्स की जानकारी उपलब्ध कराएगा, साथ ही पूंजी सब्सिडी, भूमि आवंटन, टैक्स छूट और सिंगल विंडो क्लीयरेंस जैसी नीतिगत प्रोत्साहनों का विवरण भी साझा करेगा। व्यापार अनुकूल पावेलियन- यूपीआईटीएसपवेलियन को व्यापारिक अवसरों के अनुकूल बनाया जा रहा है। इसमें आरामदायक लाउंज, बी-टू-बी संवाद के लिए विशेष क्षेत्र और मीडिया किट्स की व्यवस्था की गई है। यह मंच निवेशकों, नीति-निर्माताओं और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए अवसर प्रदान करेगा और सतत पर्यटन विकास के राज्य के विजन को प्रदर्शित करेगा। 'पर्यटन, विकसित भारत 2047 का केंद्र' - उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि 'पर्यटन हमारी विकसित भारत 2047 की दृष्टि के केंद्र में है। यूपीआईटीएस में केवल प्रदेश की अद्वितीय सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर का उत्सव ही नहीं मनाया जाएगा, बल्कि यह भी प्रदर्शित करेंगे कि राज्य कैसे वैश्विक निवेशकों और उद्यमियों के लिए नए द्वार खोल रहा है। बौद्ध सर्किट सहित अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों के माध्यम से उत्तर प्रदेश स्वयं को परंपरा और अवसर के संगम स्थल के रूप में स्थापित कर रहा है।' 'यूपी पवेलियन प्रदान करेगा समग्र अनुभव' प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम ने कहा, 'यूपीआईटीएस-2025 में उत्तर प्रदेश का पवेलियन केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि एक समग्र अनुभव प्रस्तुत करेगा। उन्होंने बताया कि सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और नीतिगत निवेश संवाद के माध्यम से उत्तर प्रदेश को एक प्रतिस्पर्धी वैश्विक पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य रोजगार सृजन, विरासत को आय के श्रोत में विकसित करना और सतत पर्यटन को बढ़ावा देना है।' 25 से 29 सितंबर तक आयोजित यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 (यूपीआईटीएस) में उत्तर प्रदेश का पवेलियन पर्यटकों, निवेशकों और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडलों के लिए खुला रहेगा। पवेलियन में आगंतुक राज्य की समृद्ध विरासत, नवाचार और भविष्य की तैयारियों का अनुभव कर सकेंगे।

विश्व रोगी सुरक्षा दिवस 2025-हर नवजात और बच्चे की सुरक्षित देखभाल हो प्राथमिकताः डॉ डी.के.गुप्ता

फेलिक्स हॉस्पिटल में विश्व रोगी सुरक्षा दिवस पर हुआ कार्यक्रम का आयोजन,स्वास्थ्य सेवाओं में गुणवत्ता और सुरक्षा के बिना स्वस्थ भविष्य की कल्पना है अधूरी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। इलाज का पहला नियम है मरीज को जान को नुकसान न पहुंचाना। नवजात और बच्चे हमारा भविष्य हैं यदि हम उन्हें सुरक्षित और गुणवत्ता आधारित स्वास्थ्य सेवाएं देंगे, तो आने वाली पीढ़ी एक स्वस्थ और मजबूत भारत का निर्माण करेगी। यह बातें विश्व रोगी सुरक्षा दिवस फेलिक्स हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ डी.के. गुप्ता ने कहीं। इस दौरान फेलिक्स हॉस्पिटल में रोगी सुरक्षा दिवस पर एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस दौरान एक क्विज व पेंटिंग प्रतियोगिता और केक कटिंग का आयोजन हुआ। डॉ डी.के.गुप्ता ने बताया कि 17 सितंबर को हर वर्ष विश्व रोगी सुरक्षा दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष 2025 की थीम है 'प्रत्येक नवजात शिशु और प्रत्येक बच्चे के लिए सुरक्षित देखभाल'। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं में बच्चों और नवजातों को होने वाली संभावित गलतियों, संक्रमणों और जोखिमों से बचाना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (ॅभ्व्) ने वर्ष 2019 में रोगी सुरक्षा दिवस की शुरुआत की थी। इसका मुख्य उद्देश्य यह संदेश देना है कि उपचार केवल बीमारियों से निजात दिलाना ही नहीं, बल्कि मरीजों की सुरक्षा को भी सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। सुरक्षित बचपन के लिए केवल डॉक्टर या अस्पताल ही जिम्मेदार नहीं, बल्कि समाज, परिवार और सरकार सभी को साथ आना होगा। घर पर स्वच्छता, पौष्टिक आहार, सुरक्षित वातावरण और प्यार भरा व्यवहार बच्चे की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाते हैं। नवजात और बच्चे अपनी नाजुक शारीरिक अवस्था के कारण स्वास्थ्य सेवाओं में सबसे संवेदनशील वर्ग होते हैं। इस मौके पर फेलिक्स हॉस्पिटल मेडिकल सुप्रिटेंडेंट डॉ सौम्या आहूजा ने बताया कि इस दिवस के माध्यम से अस्पतालों, डॉक्टरों, नर्सों और देखभाल करने वालों को यह संकल्प दिलाया जाता है कि हर मरीज को सुरक्षित, गुणवत्ता आधारित और सम्मानजनक चिकित्सा सेवा मिले। स्वास्थ्य क्षेत्र में होने वाली अनजानी गलतियों से हर साल लाखों बच्चों की जान जाती है। यह दिवस ऐसे हादसों को रोकने का आह्वान करता है। माता-पिता, डॉक्टर और नर्स को जागरूक कर सुरक्षित इलाज की संस्कृति को बढ़ावा मिलता है। सरकारों और संस्थानों को स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़े कायदे-कानून मजबूत करने का अवसर मिलता है। सुरक्षित बचपन ही स्वस्थ समाज और मजबूत राष्ट्र की नींव है। इस मौके पर फेलिक्स हॉस्पिटल की डॉ रुचिका नंदनवार उप चिकित्सा अधीक्षक, डॉ प्रभात कुमार शिशु रोग विशेषज्ञ, डॉ. प्रीति हांडा फिजियोथेरेपिस्ट, कीर्ति शर्मा डॉक्टर ऑफ नर्सिंग साइंस मौजूद रही। नवजात और बच्चों के लिए सुरक्षित देखभाल के कायदे और नियमः- अस्पतालों और घर दोनों जगह स्वच्छता का ध्यान रखें। हाथ धोने की आदत सबसे प्रभावी सुरक्षा कवच है। बच्चों को दी जाने वाली दवाइयों की खुराक सटीक होनी चाहिए। गलत दवा या अधिक मात्रा जानलेवा साबित हो सकती है। प्रत्येक बच्चे को राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के तहत समय पर सभी टीके लगवाना जरूरी है। इससे कई गंभीर बीमारियों से बचाव होता है। जन्म के तुरंत बाद त्वचा से त्वचा का संपर्क (कंगारू मदर केयर) लाभकारी है। स्तनपान को पहले छह महीने तक अनिवार्य रूप से प्रोत्साहित किया जाए। अस्पतालों में नर्सिंग स्टाफ को प्रशिक्षित किया जाए। नवजात गहन चिकित्सा इकाइयों (एनआईसीयू) में निगरानी व्यवस्था सही हो। बच्चों को दवा, कीटनाशक और धारदार वस्तुओं से दूर रखें। यातायात नियमों का पालन करें और बच्चों के लिए कार सीट और हेलमेट का उपयोग करें। बच्चों के भावनात्मक और मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा न करें। सुरक्षित वातावरण, प्यार और देखभाल उनके संपूर्ण विकास की गारंटी है। रोगी सुरक्षा दिवस के फायदेः- इस दिवस से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षित स्वास्थ्य के मानक तय होते हैं। माता-पिता को भरोसा मिलता है कि स्वास्थ्य संस्थान उनके बच्चे को सुरक्षित देखभाल देंगे। सुरक्षित तकनीक, डिजिटल मॉनिटरिंग और नई दवाओं पर अनुसंधान को प्रोत्साहन मिलता है।बच्चों की सुरक्षा केवल परिवार नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है, यह संदेश प्रसारित होता है।

ऋषि चैरिटेबल ट्रस्ट के बच्चों ने केक काटकर मनाया पीएम मोदी का जन्मदिन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। ऋषि चैरिटेबल ट्रस्ट रजि. जेजे कॉलोनी सेक्टर -5 नोएडा ऋषि की पाठशाला में ट्रस्ट के सहयोग से संस्थापक भारती नेगी ने पाठशाला में पढ़ने वाले सभी बच्चों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन बड़े धूमधाम के साथ केक काटकर मनाया। ट्रस्ट में पढ़ने वाले बच्चों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर बच्चों ने माता- पिता को मैसेज देकर जागरूक किया। सभी बच्चों ने आदरणीय नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की बधाइयां दी। संस्थापक भारती नेगी ने पीएम नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर पाठशाला में पढ़ने वाले सभी बच्चों को ड्राइंग वितरण की सभी बच्चों ने ड्राइंग प्रतियोगिता में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया मैसेज के जरिए बच्चों ने मैसेज दिया। इंसान हो तो इंसानों वाले काम कीजिए शहर को स्वच्छ रखने में योगदान दीजिए। उपस्थित भारती नेगी सोनिया, जीएस नेगी आरती, राखी, प्रीति, सैयद फहीम अहमद, रीना, पूजा आदि लोग उपस्थित है।

सलाम नमस्ते में पोषण उत्सव 2025 का आगाज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। आईएमएस नोएडा के सामुदायिक रेडियो सलाम नमस्ते में स्वास्थ्य श्रृंखला सेहत सही लाभ कई के अंतर्गत पोषण उत्सव 2025 का शुभारंभ हुआ। स्मार्ट एनजीओ के सहयोग से यह कार्यक्रम 17 सितंबर से 16 अक्टूबर तक मनाया जाएगा। सलाम नमस्ते की इस पहल को महिला एवं बाल विकास विभाग (पोषण प्रकोष्ठ) गौतमबुद्ध नगर का सहयोग प्राप्त है। सलाम नमस्ते की स्टेशन हेड बर्षा छबारिया ने बताया कि इस अभियान के दौरान युवाओं के साथ चर्चा सत्र, पब्लिक सर्विस विज्ञापन, पोषण प्रश्नोत्तरी, पोषण ज्ञान प्रतियोगिता, कविता-पाठ, कहानी-कथन, नाटिका और क्विज़ जैसे विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वहीं पोषण उत्सव का उद्देश्य आम लोगों को पोषण के महत्व और दैनिक जीवन में इसके प्रभाव के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि इस इस वर्ष राष्ट्रीय पोषण माह की थीम पोषण भी, पढ़ाई भी रखी गई है, जिसमें खासतौर पर मोटापा रोकथाम, एक पेड़ माँ के नाम, पोषण देखभाल में पुरुषों की भूमिका, बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा जैसे विषयों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान आईएमएस नोएडा के प्रेसिडेंट राजीव कुमार गुप्ता ने कहा कि समाज में पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और स्वस्थ जीवन शैली अपनाना आज की आवश्यकता है। यह अभियान युवाओं और आम जनमानस को संतुलित आहार और शिक्षा के महत्व से जोड़ने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि सलाम नमस्ते स्वस्थ समाज एवं सशक्त राष्ट्र की दिशा में सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देता रहा है। आईएमएस नोएडा के महानिदेशक प्रोफेसर (डॉ.) विकास धवन ने कहा कि संतुलित पोषण और स्वास्थ्य के बिना राष्ट्र की प्रगति संभव नहीं है। बच्चों से लेकर युवाओं तक, हर व्यक्ति को सही आहार और नियमित शिक्षा के महत्व को समझना होगा। 'पोषण उत्सव 2025' जैसे अभियान समाज में जागरूकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम है, जो स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि स्वस्थ भारत के निर्माण के लिए परिवार और समुदाय स्तर पर पोषण को प्राथमिकता दें और बच्चों की शिक्षा के साथ संतुलित आहार पर भी ध्यान केंद्रित करें।

करमा देवता पूजा व करमा डांस कर पांच कलश किए स्थापित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मंगलवार को ग्राम पंचायत करहिया पंचायत भवन,कोन सोनभद्र में करमा देवता पूजा व करमा डांस कर पांच कलश स्थापित करके सरना ध्वज लहराकर आदिवासी विधि विधान से बैगा पुजार व धर्माचार्य पंकज सिंह चेरो द्वारा आदिवासी विधि विधान से करम पूजा किया गया।आदिवासी समाज के महापुरुषों जैसे महाराजा मेदिनी राय चेरो, भगवान बिरसामुंडा एवं संविधान निर्माता बाबा साहब के चित्र पर माला अर्पण करने के बाद फीता जोड़ने ,सभी आदिवासियों को जोड़ने के संदर्भ में कार्यक्रम मुख्य अतिथि भूतपूर्व विधायक व राष्ट्रीय चेरो जनजातीय महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिराम सिंह चेरो,चेरो आदिवासी राजवंश के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनीता सिंह चेरो ,राष्ट्रीय संरक्षक पंकज सिंह चेरो , कबूतरी देवी ,ब्लॉक अध्यक्ष म्योरपुर मान सिंह गोंड द्वारा फीता जोड़ कर सभी आदिवासियों को एक साथ रहने,एक मंच पर अपनी आवाज बुलंद करने के लिए संदेश दिए। मुख्य अतिथि हरि

राम चेरो आदिवासी समाज जल, जंगल, जमीन की समस्या पर विचार देते हुए आदिवासी समाज को चुनाव में जनसंख्या के हिसाब से आरक्षण संसद, विधान सभा,पंचायत चुनाव में होना चाहिए एवं संवैधानिक अधिकार भारत सरकार,उत्तर प्रदेश सरकार से दिलाने के लिए चेरो ने रोड से लेकर सदन तक सभी आदिवासियों को लड़ना पड़ेगा। वनाधिकार अधिनियम के तहत सभी कब्जा सुदा भूमि का पट्टा मिलना चाहिए। चेरो आदिवासी राजवंश के राष्ट्रीय संरक्षक पंकज सिंह चेरो ने अपने विचार बिंदु में कहा कि यह कार्यक्रम आदिवासियों की संस्कृति, सभ्यता और पारंपरिक व्यवस्था का मुख्य श्रोत है, जिसके अंतर्गत करमा पूजा परब का आयोजन किया गया । विशिष्ट अतिथि अनीता सिंह चेरो ने कहा कि जल जंगल,जमीन की रक्षा,भाषा संस्कृति को मजबूत करने के लिए नौजवानों को आगे आने की जरूरत है। कलाकारों द्वारा करमा नृत्य का जोरदार मनोरम प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोह लिए। अंत में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे रामकिशन सिंह चेरो व यदुनाथ सिंह चेरो द्वारा अपने उद्बोधन के साथ कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा कर दी गई।मनोज सिंह चेरो,(बैगा पुजार) , बनवारी लाल, संजय कुमार यादव, जय प्रकाश, दयाशंकर, रामनाथ, सदानंद, सुरेन्द्र, त्रिपुरी सिंह, राजकेश्वर झा, भागीरथी, सुजीत कुमार यादव, दिनेश सिंह चेरो, उमेश जायसवाल, रामनीहोर, चेरो, सतीश, राजेश, ओमप्रकाश, राजकिशोर, जगजीवन सिंह चेरो, उदय, रघुनाथ, रामनरेश, पावा, डॉ शोभित सिंह आदि हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे।

वृद्ध आश्रम में दंत चिकित्सा शिविर लगा कर जांच कर दिए दवा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मारवाड़ी युवा मंच सोन वृद्ध जन जिनका कोई आसराज्ञनहीं है कि समस्या का के हम उन वृद्ध जनों के लिए कुछ कर रहे है जो अपने घर से

महिला शाखा द्वारा छपका स्थित वृद्धा आश्रम में दंत चिकित्सक डॉ रोहित केड़िया के द्वारा वृद्ध जनों के दांतों का परीक्षण किया गया। जांच के दौरान सभी को दांतों में और साथ में और भी समस्यओं की जानकारी मिली। विशेष तौर पर आंख की समस्या सबको ज्यादा है। जिसकी समस्या के समाधान के लिए हमारी संस्था ने वादा किया कि जल्दी से जल्दी आंख का कैंप लगवाएंगे और ऐसे समाधान जल्द से जल्द करेंगे। चूंकि सहमारी संस्था का उद्देश्य ही समाज सेवा का है। वहां उपस्थित एक वृद्ध पुरुष दुल्ली राम जी को सुनने की समस्या है। यहां अधिकतर गैस की भी लोगों को समस्या है। अध्यक्ष रितु जालान ने बताया पितृ पक्ष में श्राद्ध तो सभी अपने पित्रों का करते है उनको खुश करने के लिए।ये कार्यक्रम इसलिए रखा गया है। जिससे हमारे पूर्वजों को और खुशी मिले बेघर रहते है। सभी वृद्ध जनों के लिए खाने का डिब्बा तैयार कराया गया हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए हमारे मंच के सभी सदस्यों का बहुत सहयोग रहा है। कार्यक्रम में उपस्थित हमारी शाखा की सचिव रंजन अग्रवाल, कोषाध्यक्ष दीप्ति केड़िया, अनीता थर्ड, चित्रा जालान, पूनम केडिया, एकता केजरीवाल, ज्योति मित्तल और मीरा केडिया उपस्थित रही।

विश्व में सबसे लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी के 75 वें जन्मदिवस पर भाजपा सोनभद्र ने धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ उनका जन्मदिन मनाया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। विश्व में सबसे लोकप्रिय नेता भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र भाई मोदी जी के 75 वें जन्मदिवस पर भाजपा सोनभद्र ने कार्यक्रम आयोजित कर धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ

उनका जन्मदिन मनाया। राबर्ट्सगंज विधानसभा के चुर्क मण्डल के चुर्क बाजार मे स्थित महाकालेश्वर मंदिर परिसर के सामने 75 किलो का केक सदर विधायक भूपेश चौबे के नेतृत्व में मुख्यअतिथि के रुप में काशी क्षेत्र के पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष महेश चन्द्र श्रीवास्तव ने केक काटकर जन्मदिन मनाया। इस मौके पर उपस्थित महिलाओं ने सौहर गीत के माध्यम से बधाई दी। तत्पश्चात् नगर पंचायत चुर्क घुरमा के सफाई नायको को अंगवस्त्र पहनाकर फुलों कि वर्षा की गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता चुर्क/गुरमा नगर पंचायत अध्यक्ष मीरा यादव ने किया।

इस मौके पर मुख्यअतिथि पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष महेश चन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी भारतीय जनता पार्टी एवं करोड़ो सामाजिक कार्यकर्ताओं के प्रेरणाश्रोत है और उनके जीवन से प्रभावित होकर समाज एवं राष्ट्रसेवा का संकल्प लेकर विकसित भारत निर्माण के लिए काम कर रहे है। प्रधानमंत्री मोदी जी दुनिया के सबसे दूरदर्शी और लोकप्रिय नेताओं में से एक है, मोदी जी के नेतृत्व में भारत एक ऐसे राष्ट्र मे बदल गया जो दुसरों को प्रेरणा देता है। प्रधानमंत्री मोदी जी के कुशल नेतृत्व मे देश ने नई उंचाईयों को छुआ है, उनका मार्गदर्शन से राष्ट्र समृद्धि सुरक्षा और सामाजिक समरसता की दिशा में आगे बढ़ रहा है। हम उनके दिर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते है।

इस मौके पर सदर विधायक भूपेश चौबे ने कहा कि जब एक मजदूरी करने वाले का बेटा नरेंद्र मोदी के रूप में देश की सर्वोच्च सदन का नेतृत्व करने जाता है तो पहले धरती माता व देश के संविधान को प्रणाम करता है, जो देश के विपक्षी कांग्रेस के लोगो को रास नही आया। और आगे कहा कि धारा 370 समाप्त हुआ, राम मंदिर बन गया है, आज भारत बदला है 2014 के पहले के भारत और बाद के भारत को आज देख लें, उत्तर प्रदेश भी बदला है 2017 के पहले का उत्तर प्रदेश और बाद का उत्तर प्रदेश देख लें, ग्रामीण शौचालय, आवास, प्राथमिक विद्यालय आदि को देखने से प्रतीत होता है, कि भारत का गांव बदला है, आपके सहयोग से आज भारत दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। इस मौके पर जिला प्रभारी अनिल सिंह, पूर्व क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रमेश मिश्रा, नगर पंचायत अध्यक्ष चुर्क मीरा देवी, पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक मिश्रा, धर्मवीर तिवारी, ओमप्रकाश यादव, पूर्व जिला पंचायत सदस्य मनोज सोनकर, नगर अध्यक्ष विनय श्रीवास्तव, चुर्क मण्डल अध्यक्ष दिलिप चौबे, जिला मंत्री संतोष शुक्ला, अशोक मौर्या, अनूप तिवारी, सुनिल सिंह, बृजेश श्रीवास्तव, अनुसूचित मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष दीपचन्द्र महतो, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष इन्द्रबहादुर सिंह, गीता देवी, राजेन्द्र त्रिपाठी, सभाषद हिमांशू खत्री, आरती देवी, शक्ति साधना सिंह, संगीता सिंह, सुषमा जायसवाल, राधा जायसवाल, कलावती देवी सहित आदि लोग मौजूद रहे।

दुष्कर्म के दोषी रमेश को 20 वर्ष की कठोर कैद,50 हजार रूपये अर्थदंड, न देने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी

जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित की जाएगी। अर्थदंड की धनराशि में से 40 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी,करीब साढ़े 4 वर्ष पूर्व नाबालिग लड़की के साथ जबरन कई बार बलात्कार करने का मामला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। करीब साढ़े 4 वर्ष पूर्व

नाबालिग लड़की के साथ जबरन कई बार बलात्कार किए जाने के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश/ विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट अमित वीर सिंह की अदालत ने बुधवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी रमेश को 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। उसके ऊपर 50 हजार रूपये अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड अदा न करने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित की जाएगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से 40 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक जुगैल थाना क्षेत्र स्थित एक गांव निवासी पीड़िता के पिता ने जुगैल थाने में 17 मार्च 2021 को दी तहरीर में आरोप लगाया था कि उसे 5 बेटियां हैं, जिनमें से तीन की शादी हो चुकी है। चौथी बेटी जो कक्षा 7 की छात्रा है को यह कहकर कि उसे कोई बेटी नहीं है एक बेटी उसे दे देंगे तो उसका पालन पोषण करेंगे तथा उसकी शादी विवाह भी करूंगा। इस विश्वास पर अपनी चौथी बेटी को रमेश पुत्र काशी निवासी खरहरा टोला झरिया, थाना जुगैल, जिला सोनभद्र को दे दिया। अपने घर उसकी नाबालिग बेटी को ले जाकर रमेश उसके साथ जबरन बलात्कार करने लगा। जब गर्भ ठहर गया तो दवा खिलाकर गिरवा दिया। बेटी को धमकी दिया कि अगर किसी से इसके बारे में बताओगी तो जान से मार देंगे। उसके बाद बेटी को साढू के घर छोड़ दिया। जहां बेटी ने अपने मौसी, मौसा के साथ ही उसे व अपनी मां को सारी बात बताई। इसके बाद सूचना दे रहा हूं। आवश्यक कार्रवाई करें। इस तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया और पर्याप्त सबूत मिलने पर कोर्ट में रमेश के विरूद्ध चार्जशीट विवेचक ने दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, 8 गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी रमेश को 20 वर्ष की कठोर कैद एवं 50 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वही अर्थदंड की धनराशि में से 40 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की ओर ले सरकारी वकील दिनेश प्रसाद अग्रहरि, सत्यप्रकाश त्रिपाठी और नीरज कुमार सिंह ने बहस की।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन की पूर्व संध्या पर 'सोनभद्र प्रतिभा सम्मान' का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

के 75वें जन्मदिन की पूर्व संध्या पर रविवार को सोनभद्र जिले के सोन पैलेस हाल में 'सोनभद्र प्रतिभा

सम्मान' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस भव्य समारोह का आयोजन भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक मिश्रा द्वारा किया गया था। कार्यक्रम में भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री संजीव गौड़ और संगठन प्रभारी अनिल सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह का संचालन नगर पालिका परिषद के पूर्व अध्यक्ष एवं भाजपा जिला महामंत्री कृष्ण मुरारी गुप्ता ने किया। आयोजक अशोक मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि लंबे समय से उनके मन में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वालों को सम्मानित करने का विचार रहा है। उन्होंने कहा, 'चाहे शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत शिक्षक हों या विद्यालय प्रबंधक, समाज को अपनी वाणी से राह दिखाने वाले कवि-साहित्यकार हों, अथवा दिन-रात कार्य करने वाले पत्रकार साथी–सभी समाज को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके साथ ही विद्यालयों और कॉलेजों में उच्च प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राएं भी हमारे गौरव हैं। ऐसे सभी प्रतिभाशाली लोगों को सम्मानित करना वास्तव में हम सबके लिए सम्मान की बात है।मुख्य अतिथि भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह क्षण अविस्मरणीय है जब समाज के अलग-अलग क्षेत्रों–शिक्षा, साहित्य, चिकित्सा, पत्रकारिता और अधिवक्ता वर्ग–में विशेष योगदान देने वाले व्यक्तियों को एक ही मंच पर सम्मानित किया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन की पूर्व संध्या पर आयोजित यह समारोह उन मेधावी बच्चों और समाज के अग्रणी व्यक्तियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। आज सम्मानित हो रहे ये छात्र ही भारत के भविष्य की नींव हैं। प्रधानमंत्री मोदी के 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने में यही नई पीढ़ी सबसे बड़ी ताकत साबित होगी।' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री संजीव गौड़ ने कहा कि यह आयोजन केवल प्रतिभाओं का सम्मान भर नहीं है, बल्कि आगे और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरणा भी है। कार्यक्रम में सदर ब्लॉक प्रमुख अजीत रावत रमेश मिश्र रमेश पटेल विनय श्रीवास्तव रामबली सिंह दिलीप चौबे लक्षण देव खरवार सभा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सपाइयों ने धूमधाम से मनाई भगवान विश्वकर्मा जी की जयंती

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र।समाजवादी पार्टी जिला

कार्यालय सोनभद्र पर भगवान विश्वकर्मा जी की पूजा अर्चना किया गया और उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए सांसद छोटेलाल सिंह खरवार ने कहा कि विश्वकर्मा पूजा को विश्वकर्मा जयंती भी कहते हैं । इस दिन दुकानों और कारखाने में भगवान विश्वकर्मा की पूजा की जाती है । विश्वकर्मा जयंती पर लोग बड़े हर्ष उल्लास से उनकी पूजा अर्चना करते हैं। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय सचिव पूर्व विधायक पूर्व जिला अध्यक्ष अविनाश कुशवाहा एवं पूर्व विधायक रमेश चंद दुबे ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा किसी विशिष्ट देवता के अवतार नहीं है बल्कि उन्हें सृष्टि के रचयिता भगवान ब्रह्मा का वंशज और सातवें पुत्र माना जाता है ।उन्हें देव शिल्पी और आदी अभियंता भी कहा जाता है। भगवान विश्वकर्मा सृष्टि के निर्माण के कार्य के लिए प्रगट हुए थे। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने हमेशा विश्वकर्मा समाज के लोगों की लड़ाई लड़ने का काम किया हैं। इस अवसर पर मुख्य रूप से हरिशंकर विश्वकर्मा पूर्व जिला अध्यक्ष संजय यादव जिला महासचिव मोहम्मद सईद कुरैशी अनिल प्रधान सुनील गौड़ रामप्यारे सिंह पटेल सुरेश यादव अशोक पटेल डॉक्टर लोकपति सिंह पटेल विकास केसरी सतीश कुमार अभिनव पांडे सरदार पारब्रह्म सिंह मोहन लालव्रत परमेश्वर यादव विकास जायसवाल सौंर्य त्रिपाठी राधा रमन विष्णु कुशवाहा विवेक सिंह गोविंद आशीष पटेल के साथ दर्जनों कार्यकर्ता में पदाधिकारी उपस्थित थे।

पीएम दुनिया के सबसे दूरदर्शी लोकप्रिय नेताओं में से एक है,महेश चन्द्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। विश्व में सबसे लोकप्रिय नेता भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई

मोदी के 75 वें जन्मदिवस पर भाजपा सोनभद्र ने कार्यक्रम आयोजित कर धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ उनका जन्मदिन मनाया। राबर्ट्सगंज विधानसभा के चुर्क मण्डल के चुर्क बाजार मे स्थित महाकालेश्वर मंदिर परिसर के सामने 75 किलो का केक सदर विधायक भूपेश चौबे के नेतृत्व में मुख्यअतिथि के रुप में काशी क्षेत्र के पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष महेश चन्द्र श्रीवास्तव ने केक काटकर जन्मदिन मनाया। इस मौके पर उपस्थित महिलाओं ने सौहर गीत के माध्यम से बधाई दी। तत्पश्चात् नगर पंचायत चुर्क घुरमा के सफाई नायको को अंगवस्त्र पहनाकर फुलों कि वर्षा की गयी।कार्यक्रम की अध्यक्षता चुर्क/ गुरमा नगर पंचायत अध्यक्ष मीरा यादव ने किया।इस मौके पर मुख्यअतिथि पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष महेश चन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी भारतीय जनता पार्टी एवं करोड़ो सामाजिक कार्यकर्ताओं के प्रेरणाश्रोत है और उनके जीवन से प्रभावित होकर समाज एवं राष्ट्रसेवा का संकल्प लेकर विकसित भारत निर्माण के लिए काम कर रहे है। प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के सबसे दूरदर्शी और लोकप्रिय नेताओं में से एक है, मोदी के नेतृत्व में भारत एक ऐसे राष्ट्र मे बदल गया जो दुसरों को प्रेरणा देता है। प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व मे देश ने नई उंचाईयों को छुआ है, उनका मार्गदर्शन से राष्ट्र समृद्धि सुरक्षा और सामाजिक समरसता की दिशा में आगे बढ़ रहा है। हम उनके दिर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते है।इस मौके पर सदर विधायक भूपेश चौबे ने कहा कि जब एक मजदूरी करने वाले का बेटा नरेंद्र मोदी के रूप में देश की सर्वोच्च सदन का नेतृत्व करने जाता है तो पहले धरती माता व देश के संविधान को प्रणाम करता है, जो देश के विपक्षी कांग्रेस के लोगो को रास नही आया। और आगे कहा कि धारा 370 समाप्त हुआ, राम मंदिर बन गया है, आज भारत बदला है 2014 के पहले के भारत और बाद के भारत को आज देख लें, उत्तर प्रदेश भी बदला है 2017 के पहले का उत्तर प्रदेश और बाद का उत्तर प्रदेश देख लें, ग्रामीण शौचालय, आवास, प्राथमिक विद्यालय आदि को देखने से प्रतीत होता है, कि भारत का गांव बदला है, आपके सहयोग से आज भारत दुनिया का नेतृत्व कर रहा है।इस मौके पर जिला प्रभारी अनिल सिंह, पूर्व क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रमेश मिश्रा, नगर पंचायत अध्यक्ष चुर्क मीरा देवी, पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक मिश्रा, धर्मवीर तिवारी, ओमप्रकाश यादव, पूर्व जिला पंचायत सदस्य मनोज सोनकर, नगर अध्यक्ष विनय श्रीवास्तव, चुर्क मण्डल अध्यक्ष दिलिप चौबे, जिला मंत्री संतोष शुक्ला, अशोक मौर्या, अनूप तिवारी, सुनिल सिंह, बृजेश श्रीवास्तव, अनुसूचित मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष दीपचन्द्र महतो, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष इन्द्रबहादुर सिंह, गीता देवी, राजेन्द्र त्रिपाठी, सभाषद हिमांशू खत्री, आरती देवी, शक्ति साधना सिंह, संगीता सिंह, सुषमा जायसवाल, राधा जायसवाल, कलावती देवी सहित आदि लोग मौजूद रहे।

नपा अध्यक्ष ने सफाई कार्मिकों को अंगवस्त्र प्रदान कर किया सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र।सृष्टि के आदि शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा जी की जयन्ती एवं आधुनिक भारत के शिल्पकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के शुभ अवसर पर नगर पालिका परिषद सोनभद्र सभागार में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता रूबी प्रसाद, अध्यक्ष महोदया, नगर पालिका द्वारा की गयी। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा सभाकक्ष में उपस्थित नगर पालिका परिषद सोनभद्र के सफाई कार्मिकों को अंगवस्त्र प्रदान कर

सम्मानित किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन एवं विश्वकर्मा जयन्ती की शुभकामनाएं देते हुये अध्यक्ष द्वारा अपने उद्बोधन में सफाई कार्मिकों को नगर का शिल्पकार बताते हुये यह कहा गया कि सफाई व्यवस्था में लगे हुये हमारे सभी सफाई कर्मचारी नगर के साफ-सफाई को सुदृढ़ रखने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जिनके कारण ही प्रधानमंत्री के "स्वच्छ भारत मिशन" की परिकल्पना सच हो रही है। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिन की शुभकामनाओं सहित उपस्थित सभी लोगों द्वारा प्रधानमंत्री की दीर्घायु जीवन की कामना की गयी एवं उनके नेतृत्व में सफल भारत एवं सशक्त भारत की कामना की गयी। उक्त अवसर पर नगर पालिका परिषद सोनभद्र के सभासद अनवर अली, मनोज कुमार चौबे, राकेश भारती, विनोद सोनी के साथ नगर पालिका के अवर अभियन्ता राजकुमार राव, संत कुमार सोनी, विमलेश लाल, रामबिलास गुप्ता, अजीत कुमार सिंह, आकाश रावत अमित दुबे , सुनील सिंह आदि कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सैयद तौसीफ अहमद, कम्प्यूटर आपरेटर द्वारा किया गया।

स्प्राउट्स खाने से हो सकता है नुकसानःये 7 बातें ध्यान रखें, डाइटीशियन से जानें किन लोगों को नहीं खाना चाहिए

नयी दिल्ली। जो लोग अपनी फिटनेस का खास ध्यान रखते हैं, उनके लिए स्प्राउट्स (अंकुरित) एक बेहतरीन सुपरफूड है। यह प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर होता है, जिससे न सिर्फ शरीर को पर्याप्त एनर्जी मिलती है, बल्कि इम्यून सिस्टम भी मजबूत होता है। यही वजह है कि हेल्थ कॉन्शियस लोग इसे डाइट में शामिल करते हैं। हालांकि डाइट में शामिल करते समय कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। कई बार थोड़ी सी भी लापरवाही सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकती है। स्प्राउट्स हमारी सेहत के लिए कब नुकसानदायक हो सकते हैं? किन लोगों को स्प्राउटस खाने से परहेज करना चाहिए? एक्सपर्ट- अनु अग्रवाल, डाइटीशियन और 'वनडाइटटुडे' की फाउंडर बताएंगी सवाल जवाब के माध्यम से- पहला सवाल- स्प्राउट्स क्या है? जवाब- स्प्राउट्स वे बीज होते हैं, जो कुछ घंटों या दिनों तक पानी में भिगोने और उचित नमी और तापमान में रखने के बाद अंकुरित होने लगते हैं। ये पोषण से भरपूर होते हैं और इन्हें सलाद, सैंडविच, सब्जियों, या अन्य खाने की चीजों में इस्तेमाल किया जाता है। सवाल- कौन-कौन से बीज और दालें स्प्राउट किए जा सकते हैं? जवाब- मूंग दाल, मसूर दाल, चना (काला और सफेद), मेथी दाना, गेहूं, रागी, सोयाबीन, राजमा, मटर या लोबिया के बीज और सूरजमुखी के बीज स्प्राउट किए जा सकते हैं। ये सभी पोषण से भरपूर होते हैं और पाचन के लिए फायदेमंद माने जाते हैं। सवाल- कच्चे स्प्राउट्स को खाने से क्या जोखिम हो सकता है? जवाब- डाइटीशियन अनु अग्रवाल बताती हैं कि अगर स्प्राउट्स को अच्छी तरह से धोया या सही तरीके से स्टोर नहीं किया जाए तो उनमें बैक्टीरिया संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। स्प्राउट्स के अंकुरण के लिए गर्म और नम वातावरण चाहिए होता है, जो साल्मोनेला, ई. कोलाई और लिस्टीरिया जैसे हानिकारक बैक्टीरिया के पनपने के लिए आदर्श स्थिति बनाता है। सवाल- स्प्राउट्स हमारी सेहत के लिए नुकसानदायक कैसे हो सकते हैं? जवाब- डाइटीशियन अनु अग्रवाल बताती हैं कि स्प्राउट्स पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं, लेकिन इन्हें खाने से पहले सही तरीके से स्टोर और साफ करना जरूरी है। स्प्राउट्स गर्म और नम वातावरण में उगते हैं, जहां साल्मोनेला और ई. कोलाई जैसे हानिकारक बैक्टीरिया आसानी से पनप सकते हैं। अगर इन्हें अच्छी तरह न धोया जाए या गलत तरीके से स्टोर किया जाए तो यह फूड पॉइजनिंग, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल इन्फेक्शन और अन्य पाचन संबंधी समस्याओं का कारण बन सकते हैं। सवाल- स्प्राउट्स खाते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? जवाब- स्प्राउट्स का सेवन हेल्दी है, लेकिन इन्हें सुरक्षित बनाने के लिए कुछ जरूरी सावधानियां बरतनी चाहिए। सही तरीके से धोना, पकाना और स्टोर करना साल्मोनेला या ई. कोलाई जैसे बैक्टीरिया से बचा सकता है।सवाल- स्प्राउट्स खाने का सबसे सही समय कौन सा है? जवाब- डाइटीशियन अनु अग्रवाल के अनुसार, स्प्राउट्स खाने का सबसे अच्छा समय सुबह नाश्ते में या दोपहर के खाने से पहले है। इस समय शरीर इन्हें आसानी से पचा लेता है और इनके पोषक तत्वों का बेहतर उपयोग कर पाता है। वहीं रात में कच्चे स्प्राउट्स खाने से बचना चाहिए क्योंकि इनमें मौजूद अधिक फाइबर और एंजाइम धीमे पाचन के दौरान गैस, पेट फूलना या अपच जैसी समस्याएं पैदा कर सकते हैं। सवाल- क्या स्प्राउट्स वजन घटाने में मददगार हैं? जवाब- हां, स्प्राउट्स वजन घटाने में मददगार हो सकते हैं। इनमें कैलोरी कम और फाइबर अधिक होता है, जो लंबे समय तक पेट भरा महसूस कराता है और ओवरईटिंग से बचाता है। साथ ही इनमें मौजूद प्रोटीन मसल्स बनाने और फैट बर्न करने में सहायक होता है। हालांकि बेहतर परिणाम के लिए इन्हें संतुलित मात्रा में और संतुलित डाइट के साथ ही शामिल करना चाहिए।सवाल- क्या स्प्राउट्स को पकाकर खाने से उनके पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं? जवाब- हां, स्प्राउट्स को ज्यादा पकाने पर विटामिन सी और बी जैसे कुछ हीट-सेंसिटिव पोषक तत्व कम हो सकते हैं। हालांकि हल्का स्टीम करना या थोड़ा उबालना बेहतर विकल्प है। इससे बैक्टीरिया का खतरा घटता है और अधिकांश पोषक तत्व भी सुरक्षित रहते हैं। सवाल- क्या पैकेज्ड या मार्केट से खरीदे स्प्राउट्स सुरक्षित होते हैं? जवाब- जरूरी नहीं कि पैकेज्ड या बाजार से खरीदे गए स्प्राउट्स हमेशा सुरक्षित हों। अगर उनकी स्टोरेज या हैंडलिंग सही तरीके से न हुई हो तो उनमें बैक्टीरिया संक्रमण का खतरा बना रहता है। इसलिए खरीदते समय एक्सपायरी डेट जांचें, पैकिंग में बदबू, नमी या फफूंदी के लक्षण न हों और घर लाने के बाद इन्हें अच्छी तरह धोकर ही इस्तेमाल करें। सवाल- स्प्राउट्स को खराब होने से कैसे बचाएं? जवाब- स्प्राउट्स को खराब होने से बचाने के लिए उन्हें हमेशा एयरटाइट कंटेनर में रखकर फ्रिज में स्टोर करें और 2-3 दिन के भीतर इस्तेमाल कर लें। नमी और गर्मी में ये जल्दी खराब हो सकते हैं। हल्का उबालने या स्टीम करने से इनकी शेल्फ लाइफ थोड़ी बढ़ सकती है। अगर इनमें बदबू, चिपचिपापन या रंग बदलने के संकेत दिखें तो इन्हें तुरंत फेंक दें। सवाल- बच्चों को स्प्राउट्स कब और कैसे देने चाहिए? जवाब- छोटे बच्चों (1-5 वर्ष) को कच्चे स्प्राउट्स देने से बचना चाहिए, क्योंकि उनका पाचन और इम्यून सिस्टम पूरी तरह विकसित नहीं होता है। 6 वर्ष से ऊपर के बच्चों को स्प्राउट्स धीरे-धीरे और डॉक्टर या डाइटीशियन की सलाह से शुरू कर सकते हैं।

अंकुरित आलू में टॉक्सिक कंपाउंड,खाने से हो सकती हैं 6 हेल्थ प्रॉब्लम्स, जानें आलू को स्टोर करने का सही तरीका

नयी दिल्ली। यूनाइटेड नेशन के फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन के मुताबिक, आलू दुनियाभर में सबसे ज्यादा खाई जाने वाली सब्जियों में से एक है। ये कई सारे जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है। लेकिन अगर आलू अंकुरित हो जाते हैं तो इसे खाने से कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। अंकुरित आलू वे होते हैं, जिनमें अंकुर यानी 'आंखें' उगने लगती हैं। ये अक्सर तब होता है, जब उन्हें लंबे समय तक स्टोर किया जाता है। अक्सर वे क्लोरोफिल के कारण हरे रंग के हो जाते हैं, जो प्रकाश के संपर्क में आने पर बनता है। नेशनल कैपिटल पॉइजन सेंटर मुताबिक, अंकुरित आलू सेहत के लिए सही नहीं होते हैं। इसमें सोलेनाइन और चाकोनाइन जैसे कुछ टॉक्सिक तत्?व होते हैं। इसकी टॉक्सिसिटी से कई हेल्थ प्रॉब्लम्स हो सकती हैं। जानेंगे कि- सवाल जवाब के माध्यम से एक्सपर्टः डॉ. पूनम तिवारी, सीनियर डाइटीशियन, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ जी से साथ ही साथ क्या अंकुरित आलू खाने से किस तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं? आलू को स्टोर करने का सही तरीका क्या है? सवाल- किन वजहों से आलू जल्दी अंकुरित होते हैं? जवाब- आलू जमीन के नीचे उगने वाली सब्जी है, जिसमें नमी और स्टार्च की मात्रा ज्यादा होती है। यही कारण है कि यह जल्दी अंकुरित हो जाता है। गर्म और नमी वाली जगह पर रखे आलू तेजी से अंकुरित होने लगते हैं। इसी तरह जब आलू पर रोशनी पड़ती है तो उनमें क्लोरोफिल बनने लगता है और अंकुर निकल आते हैं। अगर आलू को ऐसी जगह रखा जाए, जहां हवा न मिले तो वे जल्दी पसीज जाते हैं और अंकुरण शुरू हो जाता है। लंबे समय तक रखने पर आलू अपनी नेचुरल प्रोसिजर से भी अंकुरित होने लगते हैं। इसके अलावा प्याज-लहसुन जैसी सब्जियां इथिलीन गैस छोड़ती हैं, जो आलू के अंकुरण को तेज करती हैं। कुल मिलाकर यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। ये अंकुर वास्तव में नए आलू के पौधे होते हैं। सवाल- क्या अंकुरित आलू में न्यूट्रिशन की कमी हो जाती है? जवाब- जब आलू अंकुरित होने शुरू होते हैं तो यह नए अंकुरों के ग्रोथ के लिए अपने न्यूट्रिएंट्स का इस्तेमाल करते हैं। इससे आलू की न्यूट्रिशनल वैल्यू में कमी आ सकती है। आलू विटामिन सी का एक अच्छा स्रोत है, लेकिन अंकुरित होने पर इसकी मात्रा कम हो जाती है। अंकुरण की प्रक्रिया में आलू में मौजूद स्टार्च शुगर में परिवर्तित हो जाता है, जिससे उसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स बढ़ जाता है। इसके अलावा अंकुरित आलू में अन्य विटामिन और मिनरल्स जैसे पोटेशियम, विटामिन बी, फाइबर और एंटीऑक्सिडेंट्स की मात्रा भी कम हो जाती है। सवाल- अंकुरित आलू खाने से कौन सी स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं? जवाब- अंकुरित आलू में सोलेनाइन और चाकोनाइन नामक टॉक्सिक ग्लाइकोएल्कलॉइड होते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। इसकी ज्यादा मात्रा से मतली, उल्टी, दस्त और पेट में ऐंठन हो सकती है। इसलिए अंकुरित आलू खाने से बचना चाहिए। अंकुरित आलू खाने से फूड पॉइजनिंग का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा कुछ और भी समस्याएं हो सकती हैं।सवाल- अंकुरित आलू खाना किन लोगों के लिए ज्यादा नुकसानदायक हो सकता है? जवाब- सीनियर डाइटीशियन डॉ. पूनम तिवारी बताती हैं कि ताजे आलू की तुलना में अंकुरित आलू ब्लड शुगर लेवल को तेजी से बढ़ा देता है। यही कारण है कि डायबिटिक मरीजों को इसे बिल्कुल भी नहीं खाना चाहिए। इसके अलावा कुछ और लोगों के लिए भी अंकुरित आलू स्वास्थ्य के लिहाज से खतरनाक साबित हो सकते हैं। जैसेकि- गर्भवती महिलाएं, छोटे बच्चे और बुजुर्ग। पाचन संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोग। न्यूरोलॉजिकल प्रॉब्लम वाले मरीज। कमजोर इम्यूनिटी वाले व्यक्ति। एलर्जी से पीड़ित लोग। इन सभी लोगों में अंकुरित आलू से होने वाले सोलनाइन टॉक्सिसिटी का खतरा ज्यादा होता है, जो पेट दर्द, उल्टी, सिरदर्द और चक्कर जैसी गंभीर समस्याएं पैदा कर सकता है। सवाल- आलू को कैसे स्टोर करें कि वह जल्दी अंकुरित न हो? जवाब- आलू को अंकुरित होने से बचाने के लिए उसे ठंडी, अंधेरी और हवादार जगह पर 45-50° (7-10°f) के बीच स्टोर करें। इन्हें कभी भी फ्रिज में स्टोर न करें क्योंकि ठंडक स्टार्च को शुगर में बदल देती है और आलू का स्वाद मीठा हो जाता है। आलू को प्याज या नमी वाली सब्जियों के पास न रखें। इन्हें जालीदार थैले या पेपर बैग में रखें ताकि हवा आती-जाती रहे। आलू को ज्यादा समय तक न रखें, समय-समय पर खराब या अंकुरित आलू को अलग करते रहें। इसके अलावा कुछ और बातों का ख्याल रखें।सवाल- अंकुरित आलू को फेंकने की बजाय और किस काम में लाया जा सकता है? जवाब- खाने या फेंकने की बजाय अंकुरित आलू का उपयोग कई अन्य कामों में किया जा सकता है। जैसेकि- अंकुरित आलू को छोटे टुकड़ों में काटकर कंपोस्ट बिन में डाल दें। सड़ने के बाद यह मिट्टी में पोषक तत्व बढ़ाकर पौधों की ग्रोथ के लिए फायदेमंद साबित होंगे। अंकुरित आलू को पीसकर उसका रस पौधों पर छिड़कें। यह एक नेचुरल पेस्टिसाइड की तरह काम करता है और छोटे कीड़ों को दूर रखने में मदद करता है। आलू का रस स्किन पर लगाने से टैनिंग और डार्क स्पॉट्स कम करने में मदद मिलती है। हालांकि इसे लगाने से पहले पैच टेस्ट करना जरूरी है। अंकुरित आलू को गमले या खेत की मिट्टी में लगा सकते हैं। इससे नए आलू के पौधे उग जाते हैं।

पाकिस्तान एशिया कप से हटने पर होगा फैसला,रात को यूएई से मुकाबला, दावा- विवादित रैफरी को आईसीसी आज रेस्ट दे सकता है

नयी दिल्ली। पाकिस्तान एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में आगे खेलने या हटने पर आज फैसला लेगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने मंगलवार देर रात बयान जारी कर कहा कि इस मामले पर अभी विचार चल रहा है। पाकिस्तान क्रिकेट के हित को देखते हुए अंतिम फैसला लिया जाएगा। आज दुबई में पाकिस्तान का सामना यूएई से होना है। इस मुकाबले के मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट हैं। पाकिस्तान ने आईसीसी से डिमांड की थी कि पाइक्रॉफ्ट को टूर्नामेंट से हटाया जाए। 14 सितंबर को पाकिस्तान का सामना भारत से हुआ था। भारतीय खिलाड़ियों ने पहलगाम हमले के विरोध में पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था। पीसीबी ने भारतीय खिलाड़ियों के व्यवहार को खेल भावना के विपरीत बताया था और पाइक्रॉफ्ट पर ठीक से काम न करने का आरोप लगाया था। इससे पहले पाकिस्तान टीम मैनेजमेंट ने मंगलवार रात अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस रद्द कर दी। इससे पाकिस्तान के टूर्नामेंट से हटने की चर्चाओं को और हवा मिलने लगी। फिर टीम के खिलाड़ी प्रैक्टिस करने मैदान पर उतर आए।विवादित रैफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट को बुधवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में होने वाले पाकिस्तान और यूएई के बीच मैच से दूर रखा जा सकता है। एशिया कप से जुड़े सूत्रों ने भास्कर को बताया कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पाइक्रॉफ्ट को पूरे टूर्नामेंट से हटाने की कड़ी मांग की थी, लेकिन ऐसा होना मुश्किल लग रहा है। हालांकि, इस मैच से उन्हें आराम देने की संभावना है। पीसीबी ने भारत के खिलाफ हाल के मैच के बाद हुई हैंडशेक न करने की घटना के लिए पाइक्रॉफ्ट को जिम्मेदार ठहराया था। इस विवाद के बाद पाकिस्तान ने बुधवार के लिए निर्धारित प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस को भी रद्द कर दिया था। एक पीसीबी स्रोत ने बताया,'पाकिस्तान टूर्नामेंट में खेलेंगे, लेकिन एंडी पाइक्रॉफ्ट यूएई के खिलाफ मैच में रैफरी नहीं रहेंगे।अभी यह स्पष्ट नहीं है कि पाइक्रॉफ्ट पाकिस्तान के बाकी मैचों में ऑफिशियलिंग करेंगे या नहीं। एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) से इस पर कोई जवाब नहीं आया है। 14 सितंबर को पाकिस्तान का सामना टीम इंडिया से हुआ था। भारतीय खिलाड़ियों ने इस मैच के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था। टॉस के वक्त भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया था। इसके बाद पाकिस्तान ने मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट के सामने भारतीय टीम की शिकायत दर्ज कराई थी। पायक्रॉफ्ट ने कोई एक्शन नहीं लिया तो पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी के सामने मैच रेफरी को बाहर करने की डिमांड रखी थी। आईसीसी ने यह डिमांड रिजेक्ट कर दी। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि अगर पायक्रॉफ्ट को नहीं हटाया गया तो पाकिस्तान एशिया कप से हट जाएगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) का आरोप था कि रेफरी ने टॉस के बाद दोनों कप्तानों को हाथ न मिलाने के लिए कहा था और यह भारतीय टीम के दबाव में किया गया। पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने सोमवार को कहा था, 'पीसीबी ने पायक्रॉफ्ट को तत्काल बाहर करने की मांग की है। उन्होंने आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट और क्रिकेट के स्पिरिट का पालन नहीं किया। 14 सितंबर को मैच के बाद हैंडशेक कंट्रोवर्सी पर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा था- कुछ बातें खेल भावना से ऊपर होती हैं। टीम मैनेजमेंट ने यह फैसला बीसीसीआई और भारत सरकार की सहमति से लिया था। भारतीय टीम पहलगाम हमले के पीड़ितों के साथ खड़ी है और यह जीत भारतीय सैन्य बल को समर्पित है। बीते 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान समर्थक आतंकियों ने 26 भारतीयों की धर्म पूछकर हत्या कर दी थी। इसके बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों को तबाह किया था। साथ ही पाकिस्तान के नौ एयरबेस भी उड़ा दिए थे। हाथ मिलाना जरूरी नहीं- क्रिकेट के किसी भी रूल बुक में ऐसा नहीं लिखा है कि मैच के बाद हैंडशेक करना जरूरी है। हाथ मिलाना कोई नियम नहीं है, बल्कि इसे खेल भावना का हिस्सा माना जाता है। यही कारण है कि लगभग हर मैच के बाद दोनों टीम के खिलाड़ी एक-दूसरे मिलते हैं और हाथ मिलाते हैं। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'नियमों में ऐसा कुछ नहीं लिखा है कि आपको विरोधी टीम से हाथ मिलाना ही होगा। भारतीय टीम ऐसे देश से हाथ मिलाने के लिए बाध्य नहीं है, जिससे रिश्ते इतने खराब हों।'

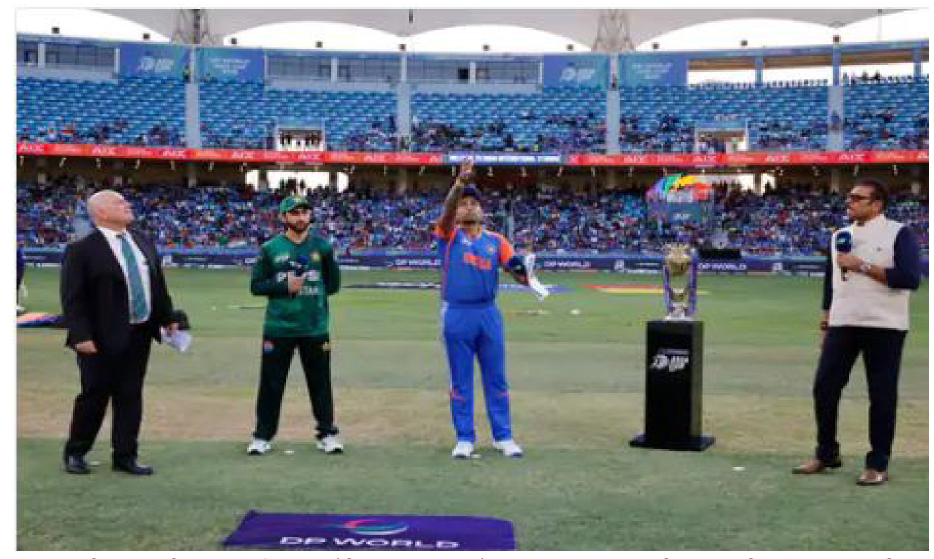

नसुम अहमद को पहली गेंद पर विकेट,रिशाद और ओमरजई ने 1-1 कैच छोड़ा, डीआरएस के कारण आउट हुए लिटन; टॉप मोमेंट्स

अबू धाबी। एशिया कप के 9वें मैच में मंगलवार को बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को 8 रन से हरा दिया। इसी के साथ टीम ने सुपर-4 स्टेज में पहुंचने की अपनी उम्मीदें कायम रखीं। दूसरी ओर अफगानिस्तान को अब श्रीलंका के खिलाफ आखिरी मैच जीतना ही होगा। मैच की दूसरी पारी में बांग्लादेशी स्पिनर नसुम अहमद ने पहली गेंद पर ही विकेट झटक लिया। रिशाद हुसैन और अजमतुल्लाह ओमरजई ने 1-1 कैच छोड़ा। वहीं बांग्लादेश के कप्तान लिटन दास डीआरएस के कारण आउट हो गए। 1. ओमरजई ने सैफ हसन का कैच छोड़ा अफगानिस्तान के अजमतुल्लाह ओमरजई ने पहले ही ओवर में सैफ हसन का कैच छोड़ दिया। ओवर की पांचवीं बॉल फजलहक फारूकी ने फुलर लेंथ फेंकी। हसन ड्राइव करने गए, लेकिन गेंद कवर्स की ओर हवा में खड़ी हो गई। ओमरजई ने अपने दाईं ओर डाइव लगाकर एक हाथ से कैच लेने की कोशिश की, लेकिन बॉल छूट गई। जीवनदान के वक्त सैफ ने खाता भी नहीं खोला था, उन्होंने 30 रन बना दिए। 2. विकेटकीपर और स्लिप के बीच से निकली गेंद बांग्लादेश की बैटिंग के दौरान एक गेंद बल्लेबाज के बैट से लगकर अफगानिस्तान के विकेटकीपर और स्लिप के बीच से निकल गई। तीसरे ओवर की दूसरी गेंद फजलहक फारूकी ने ऑफ स्टंप के बाहर गुड लेंथ पर फेंकी। तंजिद हसन तमीम ने कवर ड्राइव शॉट खेला, लेकिन गेंद स्लिप की ओर चली गई। यहां विकेटकीपर रहमानुल्लाह गुरबाज और फर्स्ट स्लिप में खड़े गुलबदीन नईब ने कैच की कोशिश ही नहीं की। गेंद दोनों के बीच से चौके के लिए चली गई। 3. डीआरएस के कारण आउट हुए लिटन दास बांग्लादेश के कप्तान लिटन दास को डीआरएस के कारण पवेलियन लौटना पड़ा। 11वें ओवर की पहली बॉल नूर अहमद ने फुल लेंथ पर गूगली फेंकी। लिटन स्वीप करने गए, लेकिन गेंद उनके पैड्स पर लग गई।अफगानिस्तान ने एलबीडब्लू की अपील की, लेकिन अंपायर ने नॉटआउट कह दिया। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने रिव्यू लिया। रिप्ले में नजर आया कि गेंद लिटन के बैट से नहीं लगी और अगर पैड्स बीच में नहीं आते तो गेंद सीधे स्टंप्स को लगती। फील्ड अंपायर ने अपना फैसला पलटा और लिटन को 9 रन के स्कोर पर पवेलियन लौटना पड़ा। 4. नसुम अहमद को पारी की पहली गेंद पर विकेट अफगानिस्तान ने अपनी बैटिंग की पहली ही गेंद पर विकेट गंवा दिया। बांग्लादेश से लेफ्ट आर्म स्पिनर नसुम अहमद ने बॉलिंग की शुरुआत की। लेफ्ट हैंड बैटर सेदिकुल्लाह अटल पहली गेंद को डिफेंड करने गए, लेकिन गेंद उनके पैड्स पर लग गई। बांग्लादेश ने एलबीडब्लू की अपील की और अंपायर ने आउट का फैसला दे दिया। 5. रिशाद हुसैन ने जादरान का आसान कैच छोड़ा अफगानिस्तान की बैटिंग के दूसरे ओवर में इब्राहिम जादरान को जीवनदान मिल गया। ओवर की आखिरी बॉल तस्कीन अहमद ने ऑफ स्टंप के बाहर शॉर्ट ऑफ गुड लेंथ फेंकी। जादरान ने कट शॉट खेला, लेकिन गेंद पॉइंट पर खड़े रिशाद हुसैन की ओर चली गई। हुसैन ने कैच लेने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके हाथ से छूट गई। जीवनदान के वक्त जादरान ने खाता भी नहीं खोला था, वे 5 ही रन बनाकर 5वें ओवर में आउट हो गए। 6. ओमरजई ने 99 मीटर लंबा छक्का लगाया अफगानिस्तान के अजमतुल्लाह ओमरजई ने 16वें ओवर में 99 मीटर लंबा छक्का लगा दिया। ओवर की तीसरी बॉल तस्कीन अहमद ने शॉर्ट पिच फेंकी। ओमरजई ने पुल शॉट खेला और स्क्वेयर लेग की दिशा में 99 मीटर लंबा छक्का लगा दिया।

मरीज के गॉल ब्लैडर से निकलीं 8125 पथरी,इन 10 लोगों को स्टोन का रिस्क ज्यादा,कारण व बचाव के तरीके

नयी दिल्ली। हाल ही में गुरुग्राम के फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां डॉक्टरों ने एक 70 वर्षीय बुजुर्ग मरीज के पित्ताशय से 8,125 स्टोन निकाले। बुजुर्ग व्यक्ति लंबे समय से पेट दर्द, बीच-बीच में बुखार, भूख न लगने, कमजोरी और सीने व पीठ में भारीपन जैसी कई समस्याओं से जूझ रहा था। सर्जरी के बाद अब मरीज को इन समस्याओं से राहत मिली है। मेडिसिन की भाषा में इस बीमारी को गॉलस्टोन कहा जाता है और इसे ठीक करने के लिए जो सर्जरी की जाती है, उसे कोलिसिस्टेक्टॉमी कहते हैं। पिछले कुछ सालों में गॉलस्टोन के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। इसका मुख्य कारण हमारी खराब लाइफस्टाइल और असंतुलित खानपान है। ग्लोबल डेटा डॉट कॉम की एक रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2022 में भारत में गॉल ब्लैडर से जुड़ी लगभग 32.9 लाख सर्जरी की गई थी। वहीं क्लिनिकल गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी एंड हेपेटोलॉजी जर्नल में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, दुनिया की लगभग 6प्रतिशत आबादी गॉलस्टोन की समस्या से जूझ रही है। अमेरिका में यह आंकड़ा लगभग 15प्रतिशत है। अनुमान है कि आने वाले समय में यह समस्या और भी तेजी से बढ़ सकती है। हालांकि कुछ सावधानियों और लाइफस्टाइल में बदलाव के साथ गॉलस्टोन के खतरे से बचा जा सकता है। गॉल ब्लैडर (पित्त की थैली) पेट के दाहिनी ओर, लिवर के ठीक नीचे स्थित एक छोटा नाशपाती के आकार का अंग है। यह पित्त को स्टोर करता है और जरूरत पड़ने पर उसे छोटी आंत में छोड़ता है। पित्त का काम भोजन में मौजूद फैट को छोटे-छोटे हिस्सों में तोड़कर उन्हें पचाने में मदद करना है। वहीं जब गॉल ब्लैडर में पथरी (स्टोन) बन जाती है तो इसका सीधा असर पाचन तंत्र पर पड़ता है। इससे खाना पचाना मुश्किल हो जाता है और पेट दर्द, अपच जैसी समस्याएं होने लगती हैं।जब हमारे पित्ताशय के भीतर मौजूद पित्त में कोलेस्ट्रॉल, बिलीरुबिन जैसे तत्वों की मात्रा बढ़ जाती है तो ये अतिरिक्त तत्व पित्ताशय की दीवारों पर जमा होने लगते हैं। समय के साथ ये कठोर होकर पथरी यानी स्टोन का रूप ले लेते हैं। आइए जानते हैं कि ऐसे कौन-से कारण हैं, जो पित्ताशय में स्टोन का कारण बन सकते हैं।अगर आप ज्यादा फैट खा रहे हैं और आपके खून में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बहुत ज्यादा बढ़ गई है तो पित्त में भी इसकी मात्रा बढ़ जाएगी। वह एक्स्ट्रा कोलेस्ट्रॉल पित्ताशय की दीवारों पर जमा हो जाता है और धीरे-धीरे स्टोन का रूप ले लेता है।बिलीरुबिन एक बाय-प्रोडक्ट है, जो रेड ब्लड सेल्स के टूटने से बनता है। अगर शरीर में बहुत अधिक बिलीरुबिन है तो इसका कारण यह हो सकता है कि व्यक्ति को कोई ब्लड डिसऑर्डर है, जो बहुत अधिक रेड ब्लड सेल्स को खराब कर रहा है या फिर लिवर में कोई समस्या है। जरूरत से ज्यादा बिलीरुबिन भी पित्ताशय में स्टोन का कारण बन सकता है।कुछ बीमारियां 'बाइल एसिड मालएब्सॉर्प्शन' का कारण बन सकती हैं, जिसका मतलब है कि शरीर से शौच के रास्ते बहुत ज्यादा बाइल एसिड निकल रहा है। बाइल एसिड की कमी के कारण पित्त में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे पथरी बनने का खतरा होता है।अगर गॉल ब्लैडर ठीक ढंग से काम नहीं कर पाता है तो वह पित्त को खाली नहीं कर पाता है। ऐसे में पित्त गाढ़ा होकर जमने लगता है और स्टोन बनने लगते हैं।कुछ लोगों में गॉलस्टोन का खतरा ज्यादा होता है। इसकी वजहें शरीर की स्थिति, लाइफस्टाइल या जेनेटिक्स से जुड़ी हो सकती हैं।गॉलस्टोन के कई मामलों में कोई लक्षण नहीं दिखाई देते, इसलिए इसे 'साइलेंट स्टोन' भी कहा जाता है। लेकिन जब यह स्टोन पित्त नली में फंस जाते हैं तो तेज दर्द के साथ मतली, उल्टी और पीलिया जैसे लक्षण हो सकते हैं। इसका सबसे बेहतर इलाज गॉल ब्लैडर हटाने की सर्जरी है। ये आमतौर पर लेप्रोस्कोपिक तकनीक से होती है और बहुत सुरक्षित मानी जाती है। इसे निकालने के बाद भी व्यक्ति सामान्य जीवन जी सकता है क्योंकि सर्जरी के बाद पित्त सीधा लिवर से छोटी आंत में पहुंचता है। अगर गॉल ब्लैडर में ज्यादा सूजन, इन्फेक्शन या जख्म हो तो डॉक्टर ओपन सर्जरी की भी सलाह दे सकते हैं।

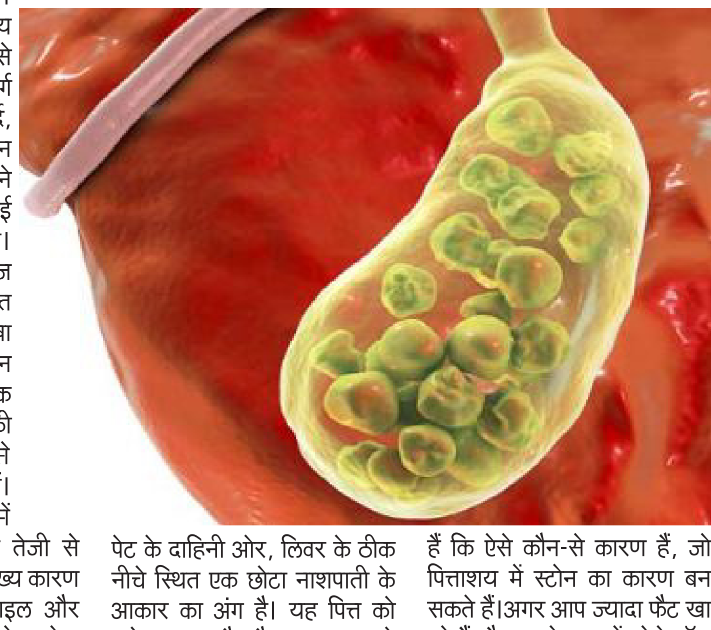

मौसम का विरोधाभासी व्यवहार चिंताजनक संकेत देता है

आज दुनिया में मौसम जिस तरह से चकमा दे रहा है और पारिस्थितिकी-तंत्र जैसे रूप बदल रहा है, उसे किस तरह से लिया जाए? एक तरफ तो ये वर्ष दुनिया

के लिए गर्म रहा, वहीं अपने देश में सब कुछ सामान्य दिखाई दिया। इतना ही नहीं, मौसम के पैटर्न ने पारिस्थितिकी समझ को भी चकरा दिया। इस वर्ष कुछ देशों में गर्मी ने फिर वही हालात बनाए रखे, जैसे कि गत वर्षों में थे। और अन्य जगह सब कुछ सामान्य से नीचे स्तर का था। इसके पीछे कई कारण रहे हैं, विशेषकर उत्तरी गोलार्ध में पश्चिम-मध्य एशिया, पूर्वोत्तर रूस और पश्चिमी अंटार्कटिका में अत्यधिक गर्मी दर्ज की गई, जबकि हडसन खाड़ी से लेकर उत्तरी ऑस्ट्रेलिया और पूर्वी अंटार्कटिका तक अपेक्षाकृत ठंडक बनी रही। भारत भी इन असमान व्यवहार वाले क्षेत्रों में शामिल रहा। इस तरह का मौसम-व्यवहार कई बातों की ओर इशारा करता है। अब हमारे पास देश से जुड़ी भी कई असामान्य खबरें हैं। भारत के कई हिस्सों में मई के दौरान सामान्य से 20-40 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई और तापमान 4 से 6 डिग्री तक गिर गया।वे शहर जो आमतौर पर अधिक तापमान के लिए जाने जाते हैं- जैसे दिल्ली, लखनऊ, पटना- वहां इस बार की गर्मियों में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। दुनिया में महत्वपूर्ण खबर यह रही कि ग्रीनलैंड और आइसलैंड में बर्फ पिघलने की घटनाएं सामने आईं।

वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन समूह के वैज्ञानिकों ने बताया कि वहां तापमान 3 डिग्री तक बढ़ गया, जिससे भारी मात्रा में बर्फ पिघली। इसका कारण मानवीय गतिविधियां तो हैं ही, यह भी देखा गया कि कई अन्य क्षेत्रों में तापमान गत वर्षों की प्रवृत्ति जैसा ही रहा। मई का महीना दुनिया भर में अब तक का सबसे गर्म महीना पाया गया। क्लाइमेट चेंज सर्विस की रिपोर्ट में बताया गया कि मई में वैश्विक सतह तापमान 1850-1900 के औद्योगिक युग की तुलना में 1.4 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। परंतु, भारत, अलास्का, दक्षिण अफ्रीका और पूर्वी एशिया जैसे क्षेत्रों में मई का तापमान सामान्य से नीचे रहा था। इस तरह का विरोधाभासी मौसम व्यवहार यह स्पष्ट करता है कि क्लाइमेट के सिस्टम में बड़ी गड़बड़ हो चुकी है। 2025 में सतह का औसत तापमान 15.79 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो 1991-2020 की तुलना में 0.5 डिग्री अधिक था। यह 2020-2024 की सबसे गर्म मई से केवल 0.12 डिग्री कम था। इससे स्पष्ट है कि वैश्विक तापमान में मामूली गिरावट तो है, परंतु मौसम का असामान्य व्यवहार बना हुआ है। यह वृद्धि मुख्यतः जीवाश्म ईंधनों के जलने से हुए उत्सर्जन का परिणाम है। रिपोर्ट में बताया गया कि पिछले 22 में से 21 महीने ऐसे रहे हैं, जिनमें वैश्विक तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा। इससे पहले मार्च, अप्रैल और फरवरी भी इतिहास के सबसे गर्म महीनों में शामिल रहे। भारत में फरवरी 2025, पिछले 125 वर्षों में सबसे गर्म रहा। परंतु मई और जून के महीने ला-नीना प्रभाव के कारण अपेक्षाकृत शीतल रहे। इस दौरान भारत और दुनिया भर में जनवरी का महीना सबसे गर्म साबित हुआ। इन सभी घटनाओं को देखकर चौंकना स्वाभाविक है। 2025 में भारत का मौसम अपेक्षाकृत कम गर्म रहा। देश ने इस बार कोई गंभीर लू जैसी स्थिति नहीं झेली। अधिकतम तापमान लगभग 35 डिग्री के आसपास रहा। इसका एक प्रमुख कारण यह रहा कि समय-समय पर मौसम ने करवट बदली और बारिश हुई। इस वर्ष पश्चिमी विक्षोभ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेकिन सबसे असामान्य बात यह रही कि इस बार मानसून समय से पहले आ गया। सामान्यतः मानसून जुलाई तक सक्रिय होता है, लेकिन इस बार समुद्री सतह के तापमान के बढ़ने के कारण यह जल्दी सक्रिय हो गया। समुद्र का लगातार ऊष्ण रहना भी अब नियमित हो चुका है। इसका मतलब है कि अब साल भर किसी न किसी रूप में बारिश देखने को मिल सकती है। जहां पहले कभी बारिश नहीं होती थी, जैसे राजस्थान जैसे शुष्क क्षेत्रों में भी वर्षा संभावित है, और जहां अत्यधिक वर्षा होती थी- जैसे पूर्वोत्तर भारत, वहां विपरीत प्रभाव दिख सकता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

जो दिखेगा वही बिकेगा, तो दूसरे कलाकारों का क्या?जब मैं बड़ा हो रहा था, रेडियो सीलोन पर बिनाका

गीतमाला में अमीन सयानी गाना सुनाने से पहले गाना बनाने वालों का नाम बताते थे- गीतकार, संगीतकार और गायक। बरसों तक

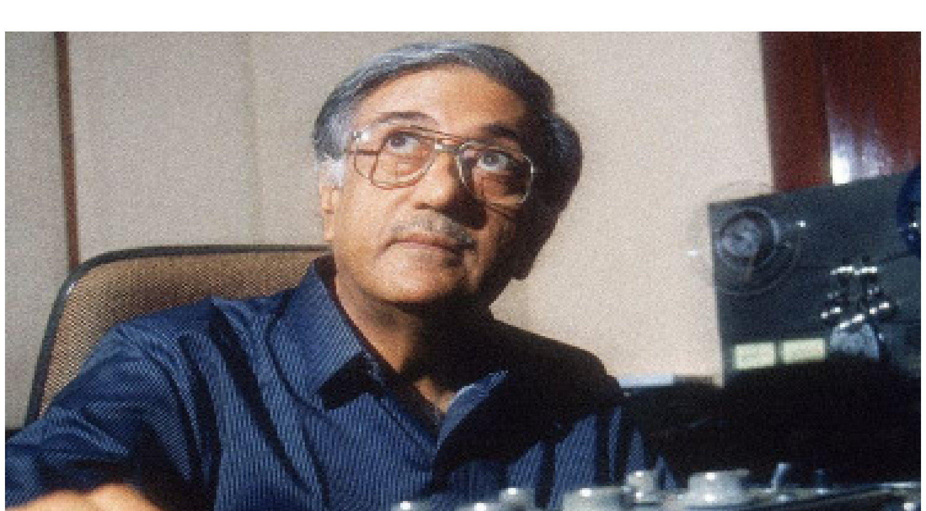

ये परंपरा रही। धीरे-धीरे साहिर, अनजान, आनंद बख्शी, नक्श लायलपुरी से बात बढ़ते-बढ़ते यहां तक पहुंची कि 'चुपके चुपके रात दिन आंसू बहाना याद है' गुलाम अली की गजल बन गई, हसरत मोहानी का जिक्र ही नहीं हुआ।जबकि हसरत मोहानी उस गजल से कहीं बड़े आदमी थे। 1921 में 'इंकलाब जिंदाबाद' का नारा उन्होंने ही दिया था। अब गाना अरिजीत सिंह का होता है या सोनू निगम का, गीतकार-संगीतकार का नाम बार-बार लेने में रेडियो-टीवी समय बर्बाद नहीं करते।जबकि प्रोग्राम अब ज्यादा समय के हो गए हैं। अमीन सयानी तो हफ्ते में एक बार ही आते थे। ऐसा नहीं है कि गुलाम अली या सोनू निगम का योगदान कम है, लेकिन दर्शक नेपथ्य के कलाकारों को जगह देगा, तो उनकी सामर्थ्य बढ़ेगी। ये थंबनेल का समय है। यूट्यूब या जहां कहीं भी दर्शक एक तस्वीर देख के वीडियो पर क्लिक करता है, एक व्यू बढ़ जाता है। कितने व्यू बने- इससे आमदनी तय होती है। थंबनेल की तस्वीर से तय होता है कि दर्शक ने क्यों क्लिक किया। यहीं से समस्या की शुरुआत होती है। जो दिखेगा, वो बिकेगा- तो अमिताभ भट्टाचार्य का क्या? इरशाद कामिल का क्या? उन तमाम नेपथ्य के कलाकारों का क्या? कुछ कलाएं ऐसी होती हैं, जिनके लिए पूरी टीम काम करती हैं। उसका श्रेय सिर्फ एक का नहीं होता। और जब दर्शक सिर्फ एक को श्रेय देना शुरू कर दे, तो सामर्थ्य का असंतुलन शुरू होता है। जब पहली बार न्यूज एंकरों की होर्डिंग लगी थी देश में, वहीं से टीवी पत्रकारिता का पतन शुरू हो गया था। कथावाचक, कथा से ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया। अब मोहभंग का दौर है- वाचकों से, नायकों से। अब शिकायत कथा से है। पर कथा की अकेले की सामर्थ्य कम हो चली है। उसे तो हमने ही पीछे छोड़ा ना? जमीन का जो पत्रकार था, जो सच लेकर आता था, वो या तो खत्म हो गया या वो भी वाचक बन गया। आज स्थिति ये है कि समाचार में संगीत बज रहा है। सोचिएगा, बहुत त्रासदी का विषय है। शिकायत करते हैं कि दर्शक की देर तक जुड़ने की क्षमता कम हो गई है। अटेंशन स्पान घट गया है। ये झूठ है। फिल्मों में निर्देशक तकलीफ में है। उसकी कुर्सी उसके नीचे से खींच ली गई है। वह बमुश्किल कहानी को बचाकर आप तक लाने का प्रयास कर रहा है। अकसर हार रहा है, कभी-कभी जीत भी जाता है। उसे दर्शक का हाथ चाहिए। फिल्में बनती कैसे हैं? एक व्यक्ति को कहानी कहनी होती है। उसके साथ कलाकार जुड़ते हैं, धन जुड़ता है और फिल्म बनती है। पर सिनेमा ऐसी कला है, जिसमें कई विधाओं की जरूरत होती है- और ढेर सारे धन की भी। करोड़ों रुपए। इतने पैसों में बड़े-बड़े उद्योग शुरू हो जाते हैं, जो सालों तक रोजगार और मुनाफा देते हैं। फिल्म को उद्योग मानें, तो उसकी उम्र दो-तीन साल की ही होती है। लेकिन फिल्म एक कला भी है, और कला कलाकार को बेचैन कर देती है। वो रास्ते निकाल लेता है। दिल से लिखी गई कहानी को समीकरण समझ में नहीं आते। कला प्रेम से उपजती है। वो श्रृंगार का प्रेम हो सकता है, विद्रोह का हो सकता है, असहमति का हो सकता है। प्रेम को समीकरण नहीं सिखाए जा सकते। अब सामर्थ्य धन के पास है और धन आता है थंबनेल से। थंबनेल पर क्लिक कौन करता है? दर्शक। सबसे ताकतवर शख्स। कलाकार वो करना चाहता है, जो पहले नहीं किया गया। धन वही करना चाहता है, जो पहले सफल रहा है। यही भयंकर मतभेद है। तो अब थंबनेल पर जिसकी तस्वीर है, वही सबसे महत्वपूर्ण बन गया है। कहानी अकेली पड़ गई है। फिर भी निर्देशक को उम्मीद रहती है कि वो अपनी कहानी कह पाएगा। कभी-कभी वो कह भी लेता है। अच्छी फिल्में बन भी जाती हैं। लेकिन ज्यादातर मौकों पर निर्देशक हार जाता है। कभी आत्मसमर्पण कर देता है, कभी उसे पता भी नहीं चलता कि वो कब बह गया। पिछली दस फिल्में याद कीजिए, जो अच्छी लगी थीं। उनके निर्देशक-लेखक को खोजिए कि क्या बना रहे हैं अगली बार? हो सकता है आप थंबनेल की भूल-भुलैया में भटक गए हों। असल कहानियां आपको खोज रही हैं, आप उन्हें। दर्शक ताकतवर है। उसे थंबनेल के चक्रवात से बाहर निकलना होगा। लेखक और निर्देशक की सामर्थ्य बढ़ानी होगी। इसमें समय लगेगा... बस शुरू अभी करना होगा। जो कहानियां परदे तक पहुंच रही हैं, उनसे कहीं अच्छी कहानियां धक्के खा रही हैं। ताकत थंबनेल के पास है, लेकिन उससे कहीं ज्यादा ताकत दर्शक के पास है कि वो किसे क्लिक करे। निर्देशक और कहानियों को आज दर्शक की ताकत चाहिए। (ये लेखक के अपने विचार हैं अनुभव सिन्हा)

गणितीय ज्ञान की कमी के कारण हम पर कौन हावी होगा?

क्या आपको याद है जब पूरी प्राथमिक कक्षा एक सुर में 'एक एकम एक, एक दूनी दो' से लेकर '16 एकम

16, 16 दूनी 32' तक दोहराती थी। वास्तव में उस वक्त वो 1 से 16 तक के पहाड़े याद कर रही होती थी। जब तक हम 1 से 16 तक के पहाड़े याद करने में पारंगत नहीं हो जाते थे, उन दिनों में हमारे गणित के टीचर ब्लैक बोर्ड पर कुछ भी नहीं लिखते थे। और इसका नतीजा आज हम देख रहे हैं। उस बुनियाद के बल पर ही हम यह गणना तत्काल कर लेते हैं कि राशन वाले को कितने पैसे देने हैं और यदि किसी वस्तु पर 23 फीसदी छूट है तो हम कितनी बचत कर लेंगे। फिर कैलकुलेटर आए। धीरे-धीरे बच्चे हमसे सवाल करने लगे कि पहाड़े क्यों पढ़ें? जोर-जोर से पहाड़ों का दोहराना खत्म हो गया। फिर हाल ही चैटबॉट आया, जो यदि आप अपनी मातृभाषा में भी कुछ बड़बड़ाओ, तो भी आपकी पसंद की भाषा में वाक्य बना देगा। अब वो दिन दूर नहीं, जब अगली पीढ़ी सवाल करेगी कि वे भाषा भी क्यों पढ़ें। अब सीधे जुलाई 2025 पर आते हैं। ये हैरतअंगेज आंकड़ा है कि नवीं कक्षा के 63इ विद्यार्थी अंकों का सामान्य पैटर्न पहचानने में भी विफल रहे हैं। उन्हें भिन्न व पूर्णांक जैसे सामान्य अंकों की समझ नहीं है। भारत में छठी कक्षा के स्कूली छात्र पुस्तकों के मुख्य पाठों को ही नहीं समझ पाते। पिछले साल दिसंबर में शिक्षा मंत्रालय की ओर से कराए 'परख' राष्ट्रीय सर्वे में ये निष्कर्ष निकला है, जिसे पूर्व में राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण कहते थे। सर्वे में 36 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 781 जिलों में स्थित 74,229 स्कूलों के तीसरी, छठी और नवीं कक्षा के 21,15,022 विद्यार्थियों का आकलन किया गया। इसमें पाया गया कि छठी कक्षा के 54फीसदी विद्यार्थी पूर्णांकों की तुलना करने और बड़ी संख्याओं को पढ़ने में असफल रहे। यह देश की शिक्षा प्रणाली में सीखने की कमजोरी को दर्शाता है। सर्वे में कहा गया कि छात्रों को 7 के गुणज, 3 की घात, अभाज्य संख्याएं पहचानने और रोजमर्रा की जरूरतों के लिए प्रतिशत व भिन्न की गणना करने में भी परेशानी होती है। तो फिर हमारी खरीद के भुगतान, वेतन, ओवरटाइम की गणना करते वक्त हमारे जीवन पर कौन हावी होने जा रहा है? बेशक, एआई? यह कहकर इसे खारिज मत कर देना कि एआई को हमारे रोजमर्रा के जीवन में दखल देने में अभी बहुत समय लगेगा। याद करो कि कैसे 1835 में घोड़ा गाड़ी मालिकों ने 1830 में यूके में लिवरपूल से मैनचेस्टर तक शुरू हुई दुनिया की पहली रेल के प्रभाव को खारिज किया था। उन्होंने कहा कि रेल यातायात कभी भी उनके व्यवसाय पर भारी नहीं पड़ेगा। और रेल ने ना सिर्फ उनके व्यवसाय को खत्म कर दिया, बल्कि कुछ वर्षों में ही पूरे विश्व में औद्योगिक क्रांति को भी गति दी। 'सेपियन्स' के लेखक युवाल नोआ हरारी से जब मीडिया ने पूछा कि क्या एआई के युग में मानव की क्षमता कम हो जाएगी? उन्होंने जवाब दिया कि 'मुझे लगता है, जिन क्षेत्रों में हम सबसे पहले बड़े बदलाव देखेंगे, उनमें वि?त्तीय प्रणाली शामिल है।' क्योंकि वित्त शुद्ध रूप से एक सूचना संबंधी क्षेत्र है। सेल्फ ड्राइविंग वाहन आधुनिक जीवन पर अभी बहुत असर नहीं छोड़ पाए हैं, क्योंकि वे अभी पैदल चलने वालों की आदतें (बुरी आदतें) और गड्ढों के बारे में सीख रहे हैं। पर वित्त के मामले में ये 'इंफॉर्मेशन इन' और 'इंफॉर्मेशन आउट' का मामला ही है। इसीलिए इस क्षेत्र पर नियंत्रण कर लेना एआई के लिए बहुत आसान होगा। हरारी का पूर्वानुमान है कि एक बार एआई वित्त क्षेत्र में हावी हुआ तो यह उन उपकरणों में निवेश शुरू कर देगा, गणितीय जटिलताओं के कारण मानव मस्तिष्क जिनसे निपटने में अक्षम है। अब ऊपर बताए पहाड़ों को देखें, जिन्हें दोहराना बंद करने के कारण हमारे बच्चे अंकों के साथ मजबूत रिश्ता नहीं बना पाए। मोबाइल ने नंबर्स याद रखने की हमारी मेमोरी छीन ली। कोई भी ये मानने से इनकार नहीं कर सकता कि एआई गणना कर सकने वाला एक एजेंट तो है, लेकिन ऐसा औजार नहीं जिसका नियंत्रण हमारे हाथों में हो।

भारत अब 'ग्लोबल साउथ' के नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है

(पलकी शर्मा) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही घाना, त्रिनिदाद एंड टोबेगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की आठ दिनों की उल्लेखनीय यात्रा पूरी की। यह सिर्फ कूटनीतिक मैराथन ही नहीं थी, बल्कि भारत के इरादों की स्पष्ट घोषणा भी थी। वैश्विक बदलावों और महाशक्तियों की प्रतिस्पर्धा के इस युग में भारत ग्लोबल साउथ के नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। कई द्विपक्षीय बैठकें, ब्रिक्स सम्मेलन में सहभागिता और चार राष्ट्रीय सम्मान- मोदी की यह यात्रा ?कई मायनों में प्रभावी रही है। लेकिन इसमें एक और बड़ी कहानी निहित है। यह रणनीतिक महत्वकांक्षाओं, भू-राजनीतिक संदेशों और वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका का कथानक है। 1. एक ऐसी दुनिया में जिसमें अकसर आतंकवाद के पीड़ितों और प्रायोजकों में भेद नहीं किया जाता, मोदी ने स्पष्ट संदेश दिया। बिना किसी का नाम लिए उन्होंने आतंकवाद पर राजनीति नहीं करने पर जोर दिया। यह पाकिस्तान पर परोक्ष किंतु अचूक निशाना था। उन्होंने एक बार नहीं, बल्कि हर सार्वजनिक संबोधन में इसे बार-बार दोहराया। यह ऑपरेशन सिंदूर के बाद मोदी की यह दूसरी बड़ी विदेश यात्रा भी थी, जिसने आतंकवाद के खिलाफ समर्थन जुटाने के लिए भारत को अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान किया। 2. भारत लीथियम, रेयर अर्थ और तांबे जैसे महत्वपूर्ण खनिजों को लेकर चीन पर अत्यधिक निर्भर रहा है। ऐसे में जबकि चीन व्यापार को हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है, यह निर्भरता कम करना जरूरी है। यहीं पर घाना और नामीबिया हमारे लिए जरूरी हो जाते हैं। घाना में हीरा, मैंगनीज और लीथियम के भंडार हैं। नामीबिया में यूरेनियम, तांबा और सोना हैं। दोनों ही देशों में मोदी ने बड़े सहयोग की बात कही है, खासतौर पर हीरे के क्षेत्र में। यह ऐसी नई आपूर्ति श्रृंखला रणनीति की ओर बढ़ाया गया कदम है, जिसमें खनिज सुरक्षा भी है और जो चीन पर हमारी निर्भरता भी कम करती है। 3. इस दौरे का एक और महत्वपूर्ण उद्देश्य विकासशील देशों में भारत के नेतृत्व को मजबूत करना था। अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका में मौजूद इन देशों का एक साझा औपनिवेशिक अतीत है और अकसर इनकी गिनती आर्थिक विषमता और वैश्विक स्तर पर कम प्रतिनिधित्व वाले देशों में होती है। मोदी ने इसी साझा इतिहास की ओर संकेत करते हुए वैश्विक संस्थानों में सुधार पर जोर दिया। उन्होंने सिर्फ भू-राजनीतिक ही नहीं, बल्कि सभ्यतागत सहानुभूति के आधार पर भी एकजुटता की बात कही। स्वयं अपने एक औपनिवेशिक इतिहास के कारण भारत यह बहुत अच्छी तरह से कर सकता है। 4. ब्रिक्स में भारत की भूमिका को अकसर सावधानी के चश्मे से देखा जाता है। चीन और रूस जहां वैश्विक व्यवस्था में पूरी तरह से उलटफेर चाहते हैं, वहीं भारत अंदरूनी सुधारों की वकालत करता है। इस समिट में मोदी सिर्फ इसलिए ही प्रभावी नहीं रहे, क्योंकि वहां पुतिन और शी जिनपिंग गैर-मौजूद थे, बल्कि इसलिए कि उन्होंने कुशल स्टेट्समैन की भूमिका निभाई।

बड़ी लड़ाई में हारकर छोटी सफलताएं बटोर रहा है पाक

आश्चर्य की ही बात कहलाएगी कि पाकिस्तान अपने घरेलू सियासी

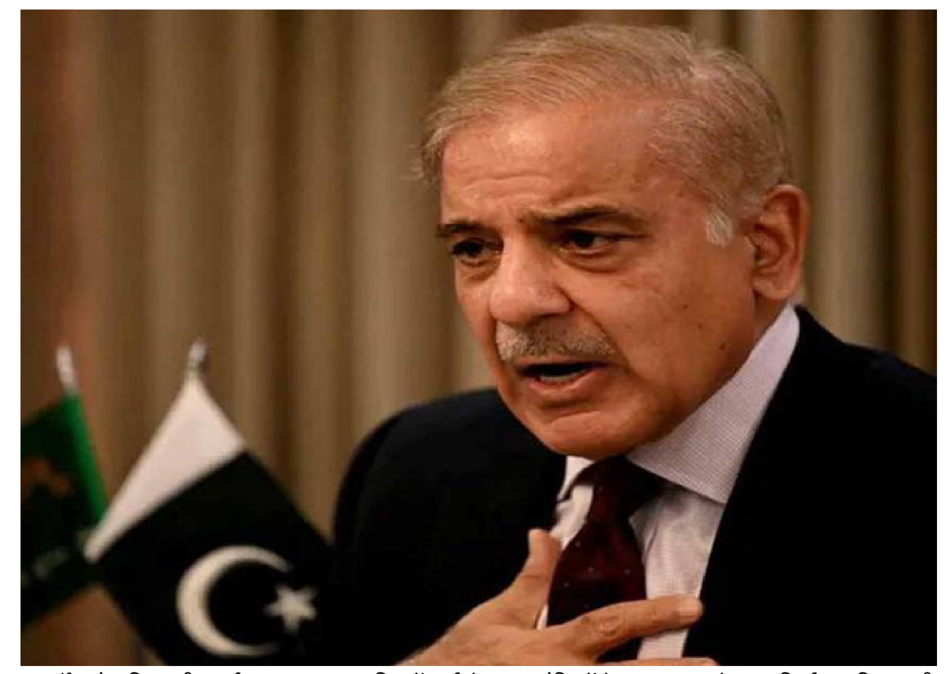

संघर्षों और घिसटती अर्थव्यवस्था के बावजूद अमेरिका, रूस और चीन जैसी महाशक्तियों की नजर में एक प्रमुख क्षेत्रीय खिलाड़ी बना हुआ है। यही कारण था कि वह 193 में से 182 सीटों के बड़े समर्थन के साथ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अस्थायी सीट जीतने में सफल रहा। जनवरी से दो साल के लिए इसका कार्यकाल शुरू होगा। पहलगाम हमले के कुछ ही सप्ताह बाद संयुक्त राष्ट्र ने पाकिस्तान को यूएन 1373 आतंकरोधी समिति का उपाध्यक्ष और 1988 तालिबान प्रतिबंध समिति का अध्यक्ष नियुक्त कर दिया था। यह बताता है कि स्वयं संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकवादियों में से सबसे ज्यादा को पनाह देने वाले पाकिस्तान को विश्व को कैसे देखता है। यह भारतीय कूटनीति की विफलता को भी बताता है। लेकिन अंदरूनी तौर पर पाकिस्तान में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। मई 2023 में इमरान खान की गिरफ्तारी के वक्त पाकिस्तान में भारी राजनीतिक उथल-पुथल मची थी। बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए, जिनमें कई सेवारत फौजियों के परिजन भी शामिल थे। कई सैन्य ठिकानों, रावलपिंडी स्थित जीएचक्यू और कोर कमांडर के घर तक पर हमले हुए। 2024 में पाकिस्तान नेशनल असेंबली के चुनाव में भी ऐसी ही अशांति देखी गई थी। भले ही इमरान की पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ का चुनाव चिह्न छिन गया, लेकिन इसके बावजूद उसके द्वारा समर्थित 100 निर्दलीय चुनाव जीते। यह असेंबली की कुल सीटों के लिहाज से सबसे बड़ा हिस्सा था। ये तब है जब चुनाव में पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) के पक्ष में हेराफेरी हुई थी। पीएमएल (एन) और बिलावल भुट्टो की गठबंधन सरकार अब विश्वसनी?यता खो रही है। कोई आश्चर्य नहीं कि हाल के भारत-पाक संघर्ष को भुना कर खुद को फील्ड मार्शल बनाने वाले आसिम मुनीर जल्द ही इस सरकार को हाशिए पर धकेल दें। भारत के साथ टकराव के बाद पाकिस्तान अपनी जीत-हार को लेकर भले कुछ भी कहता हो, लेकिन तथ्य यह है कि भारत ने ना सिर्फ पाकिस्तानी मिसाइलों, ड्रोन हमलों से अपनी सफलतापूर्वक सुरक्षा की, बल्कि पाकिस्तान की एयर डिफेंस प्रणाली को भी ध्वस्त कर दिया। लड़ाई खत्म होते-होते भारत इस स्थिति में आ गया था कि वह पाकिस्तान में जहां चाहे, हमला कर सकता था। भारत ने रावलपिंडी में पाकिस्तानी सैन्य मुख्यालय के समीप नूरखान और कई अन्य हवाई ठिकानों पर हमला कर इसे साबित भी कर दिया। लेकिन इस सबके बावजूद पाकिस्तान इस लड़ाई को लेकर दुनिया के सामने अपना नैरेटिव पेश करने में बेहतर रहा। भारत के लचर सूचना प्रबंधन के चलते पाकिस्तान को जीत का दावा करने का मौका ?मिल गया। भारतीय कूटनीतिक दवाब को हटाकर वो यह बताने में सफल रहा कि पहलगाम हमले में उसका हाथ नहीं था। 60 से अधिक देशों ने पहलगाम हमले की निंदा की पर एक ने भी पाकिस्तान को दोष नहीं दिया।

जब मशीनें हमें हराने की कोशिश करने लगें, तब क्या करें?

एक टीवी शो में सपना नाम से एक ब्यूटी पार्लर है, उसमें सपना का किरदार निभाते हुए काल्पनिक मसाज

करने वाले कैरेक्टर के हिसाब से पटकथा लिखने वाले लेखक को निकट भविष्य में थोड़ी दुविधा हो सकती है। क्योंकि लेखक के लिए आसान था कि वह हर शो में कई बार एक ही लाइन को दोहराते। महिलाओं के कपड़े पहने उस पुरुष एक्टर को याद करें, जो कहता रहता है कि 'पहले उसके कपड़े उतारते हैं, और फिर तेल लगाते हैं।' उसके कम से कम 50फीसदी पुराने डायलॉग अब बदलने पड़ेंगे। अब वह अपने कथन की शुरुआत कर सकता है कि 'पहले उसके कपड़े उतारते हैं,' और फिर संभवतः वह कहेगा कि 'फिर उसे पार्लर के कपड़े पहनाते हैं...।' क्या आप भौंहें तानकर मुझसे पूछ रहे हैं कि कोई कपड़ों के ऊपर से तेल कैसे लगा सकता है? तो भविष्य के स्पा में आपका स्वागत है। भविष्य के पांच सितारा स्पा कोई तेल नहीं लगाएंगे। जी, हां। भविष्य के स्पा में आपके बाल चिपचिपे नहीं होंगे। आपको तेल और लोशन को धोकर साफ नहीं करना पड़ेगा। आपको किसी को कोई टिप भी नहीं देना पड़ेगा। क्योंकि यह 'एस्केप' द्वारा संचालित मसाज है। यह नए दौर की एक मसाज टेबल है, जो एआई आधारित मशीनों से संचालित होती है। फोर सीजन्स, डब्ल्यू होटल्स, रिट्ज कार्लटन जैसी बड़ी होटल श्रृंखलाएं इसे पहले ही शुरू कर चुकी हैं और इसी हफ्ते मैंने सुना कि भारत के कुछ होटल भी 'एस्केप' खरीदने के लिए मोलभाव कर रहे हैं। आप ताज्जुब कर रहे हैं कि क्या ये डीप फेक है? कैसे ये रोबोट पेशेवर स्पा मसाज थेरेपिस्ट को मात देंगे या इस बात पर चिंतित हैं कि मानवीय हाथों का स्थान मशीनी हाथ ले रहे हैं, तो मुझे यह स्पष्ट करने दें। हाईटेक रिक्लाइनर कुर्सियों की उन सभी तस्वीरों को भूल जाइए, जो आपने मॉल्स या एयरपोर्ट के लाउन्ज में देखी हैं। यह सपना के पार्लर की भांति ही एक औपचारिक उपचार है और यहां पर भी एक पारंपरिक किन्तु अत्याधुनिक टेबल होगी। सिर्फ सपना यानी कोई थेरेपिस्ट नहीं होगा, लेकिन विशाल सफेद बांहें होंगी, जिसके मोटे पंजे आपकी पीठ दबाने को लिए तैयार होंगे। ये कैसे काम करता है? ग्राहक को मसाज शुरू कराने के लिए इस बड़ी मसाज टेबल पर उल्टे मुंह लेटना होता है, जहां वह पारंपरिक फेस पिलो के भीतर से आईपैड को देखता है। ये मशीन आपको नाम से पुकारेगी और बताएगी कि कितनी मिनटों के लिए आपने सुविधा बुक की है। जैसे ही आपने बटन दबाया, यह आपसे दबाव समायोजित करने के बारे में पूछेगी और संगीत शुरू कर देगी। यदि आप असमंजस में हैं तो जैसे सपना हर सप्ताह नई-नई मसाज के बारे में बताती है, ये भी आपको सुझाव देगी। जैसे यदि आप 'एस्केप' मसाज का सबसे अच्छा अनुभव चाहते हैं तो 'इमर्स मोड' को चुनें। पहले आधे समय में ये अधिक कसरत के कारण शरीर के पिछले हिस्से की मांसपेशियों में होने वाला दर्द दूर करेगी। पारंपरिक व एस्केप संचालित मसाजों में प्रमुख अंतर ये है कि इस मसाज में ग्राहक को पूरे समय उल्टा मुंह लेटना होता है। अंत में यह आपसे उसके प्रदर्शन की रेटिंग देने और अपना सामान लेने के लिए कहती है, ताकि दूसरे ग्राहक के लिए जगह खाली हो। आपको यह कैसा लगा? यूजर्स बताते हैं कि यह किंक्स (शरीर के घुमाव और झुकाव वाली जगह), हैमस्ट्रिंग्स और दर्द वाली जगहों के लिए बहुत बेहतर है। लेकिन उन सुगंधित क्रीम के बिना यह मसाज शरीर की सभी इंद्रियों को संतुष्ट नहीं करती है। जब यूजर्स कहते हैं कि यह पैरों की मसाज के लिए सही नहीं है, तो मेरा चेहरा लटक जाता है, क्योंकि यही मसाज मुझे सबसे ज्यादा पसंद है। और जब मैंने सुना कि ये रोबोट आईटी पेशेवरों को सबसे अच्छी लगने वाली गर्दन और सिर की मसाज नहीं कर सकते, तो मेरी इच्छा हुई कि इस मशीन को 5 में से 1 अंक की रेटिंग दूं। फंडा यह है कि यह एक ऐसा युग है, जिसमें मशीनें मानवों पर हावी होने की कोशिश करेंगी। लेकिन यही ऐसा समय भी है, जब वह सर्वाधिक विफल भी होंगी। इसलिए उनकी कमजोरियों को याद कर लीजिए और खुद को उत्कृष्ट बना लीजिए, ताकि भविष्य में मशीनों को हराया जा सके।

अतीत का झरोखा

आधी-रात 34 लोगों का कत्ल, लाशें देख लालू रो पड़े,सीएम से महिलाएं बोलीं- मुआवजा नहीं, बंदूक दो,वाजपेयी ने राबड़ी सरकार बर्खास्त कर दी

पटना। बात 25 जनवरी 1999 की है। देश 50वां गणतंत्र दिवस मनाने की तैयारी कर रहा था। कुछ देर पहले ही राष्ट्रपति के आर नारायणन ने देश को संबोधित किया था। कहा था, 'दलितों पर अत्याचार

बंद होना चाहिए।' पर हुआ कुछ और। बिहार के अरवल जिले का शंकर बिगहा गांव। तब ये जहानाबाद जिले का हिस्सा था। करीब 110 घर होंगे इस गांव में, जिसमें 100 से ज्यादा दलित परिवार थे। न किसी के पास पक्का घर न ही खेती की जमीन। उन्हें तो मजदूरी के लिए यहां बसाया गया था। ठिठुरती सर्दी वाली रात के साढ़े दस बज रहे थे। बंदूक और कुल्हाड़ी लिए करीब 100 लोग गांव में घुसे। शुरुआत में ही भैरों राजवंशी का घर था। वे पत्नी और बच्चों के साथ सो रहे थे। अचानक उन्हें शोर सुनाई पड़ा। वो सकपका गए। बिस्तर लपेटे भागते हुए पत्नी से बोले- 'अरे बचवा सब को लेकर भागो। सेना वाले आ गए हैं।' भैरों भाग गए, लेकिन उनकी पत्नी और बच्चे अंदर ही रह गए। हमलावर फायरिंग करते हुए घर में घुसे। पहली गोली भैरों की पत्नी के पैरों में लगी। वह गिर पड़ी। इसी बीच दूसरे ने भैरों के बच्चों को तखत से उठाकर पटक दिया। भैरों की पत्नी चीख उठी- 'हमरा बचवा सब के छोड़ दो। ई लोग तुम्हारा का बिगाड़ा है।' एक हमलावर उसके बाल पकड़कर घसीटते हुए बोला- 'हट्टे तुम सब एमसीसी वालों का सपोर्टर है न। आज गांव में कोई बचेगा नहीं। एक-एक आदमी को उड़ा देंगे।' हमलावर ने दोनों बच्चों को गोली मार दी। दोनों वहीं खत्म हो गए। महिला छाती पीट-पीटकर रोने लगी। गुस्से में हमलावर ने उसकी गर्दन पर तलवार मार दी। तभी चार-पांच और हमलावर अंदर घुस गए। वे कुछ देर तक इधर-उधर अंधाधुंध फायरिंग करते रहे। फिर वहां से चल दिए। एक बड़े से बरामदे में जागरण चल रहा था। 10-15 लोग नाच-गाना कर रहे थे। उन तक अभी गोलियों की गूंज नहीं पहुंची थी। 40-50 हमलावरों ने चारों तरफ से बरामदे को घेर लिया। एक बोला- 'केरोसिन डालकर सबको जला दें क्या?' दूसरा बोला- 'नहीं, सब जगा है भाग जाएगा। ई सब भी गोली बंदूक रखा होगा।' अपनी धोती कमर में बांधते हुए हमलावर बोला- 'देखो अपने पास ज्यादा टाइम नहीं है। तेजी से बरामदे में जाओ और अटैक कर दो। भागने का मौका ही नहीं देना है।' हमलावरों ने धावा बोल दिया। अंधाधुंध फायरिंग करते हुए बरामदे में घुस गए। कीर्तन कर रहे लोगों पर गोलियों की बौछार कर दी। कुछ ही मिनटों में 10 लाशें बिछ गईं। इक्का-दुक्का लोग जैसे-तैसे खेतों की तरफ भाग निकले। यहां से हमलावर नारा लगाते हुए अलग-अलग घरों में घुसे। जो मिला उसे गोली मार दी। जो गोली लगने से नहीं मरा, उसे कुल्हाड़ी से काट दिया। गांव भर में चीख-पुकार मच गई थी। इसी बीच बगल के गांवों से गोलियों की आवाज आने लगी। हमलावरों का कमांडर सोच में पड़ गया कि दूसरे गांवों में फायरिंग कहां से होने लगी। कहीं एमसीसी वाले तो नहीं आ गए।' वह हड़बड़ाते हुए अपने साथियों से बोला- 'लगता है एमसीसी वाले आ गए हैं। देखो उधर से भीड़ आ रही है। चलो भाग निकलें।' इसके बाद हमलावर हवा में फायरिंग करते हुए, नारा लगाते हुए गांव के पश्चिम से निकल गए। भैरों राजवंशी भूसे के घर में छिपकर सबकुछ देख रहे थे। हमलावरों के जाते ही वे हांफते हुए घर पहुंचे। दरवाजे से ही पत्नी को आवाज लगाई। कोई जवाब नहीं मिला। डरे सहमे भैरों जैसे ही अंदर घुसे, उनके पैरों से कुछ टकराया। कांपते हुए भैरों ने टॉर्च जलाई। सामने पत्नी की लाश पड़ी थी। चारों तरफ खून फैला था।

वे आगे बढ़े, देखा खाट के नीचे बड़े बेटे की लाश पड़ी थी। भैरों को चक्कर आने लगा। खुद को संभाला और दूसरे कमरे में गए। वहां तीन लाशें थीं। उनके दो भाई और छोटे बेटे की। उनके परिवार के 5 लोग मारे गए थे। वे बदहवास चीखने लगे- 'मैं बर्बाद हो गया। उन लोगों ने सबको मार दिया। किसी को नहीं छोड़ा।' अब तक रात के 12 बज चुके थे। गांव में हर तरफ रोने-बिलखने की आवाज गूंज रही थी। गलियों में लाशें पड़ी थीं। इसी बीच जहानाबाद थाने में फोन बजा- 'शंकर बिगहा गांव में नरसंहार हो गया है।' रात करीब 2 बजे जहानाबाद के एसपी मनमोहन सिंह और एएसपी केके सिंह गांव पहुंचे। एसपी ने घर-घर जाकर देखा। कुल 23 लाशें मिलीं। इनमें 5 महिलाएं और 7 बच्चे थे। एक बच्चा तो महज 10 महीने का था। गोली लगने की वजह से उसकी आंतें बाहर आ गई थीं। हमलावरों ने उसके पेट में बंदूक की नोक सटाकर गोली मारी थी। सीनियर जर्नलिस्ट रमाशंकर मिश्रा उस नरसंहार को याद करते हैं- 'मैं 26 जनवरी की सुबह गांव पहुंचा था। दिल दहला देने वाला मंजर था। कोई गोली से छलनी था, किसी के हाथ कटे थे, किसी की आंखें निकाल दी गई थीं। घर, बरामदे, गलियां सब खून से सन गई थीं।' ये शंकर बिगहा नरसंहार था। हत्या का आरोप रणवीर सेना पर लगा। करीब 20 दिन पहले एक अखबार में रणवीर सेना प्रमुख ने दावा किया था कि अगले हमले की जगह तय हो गई है। और हुआ भी वहीं। दरअसल, 1998 में अरवल जिले के चौरम में 10 सवर्णों की हत्या कर दी गई थी। हत्या का आरोप माओवादी संगठन एमसीसी पर लगा था। रणवीर सेना का मानना था कि शंकर बिगहा गांव के लोगों ने माओवादियों की मदद की थी। इसीलिए रणवीर सेना ने हमले के लिए इस गांव को चुना। भीड़ ने लालू-राबड़ी को घेर लिया, महिलाएं बोलीं- हमें इनाम नहीं बंदूक चाहिए। 27 जनवरी की सुबह मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और लालू यादव शंकर बिगहा गांव पहुंचे। भीड़ ने लालू-राबड़ी का खूब विरोध किया। महिलाएं गाली देने लगीं। लोग नारा लगा रहे थे- 'लालू राबड़ी मुर्दाबाद। सामाजिक न्याय धोखा है। रणवीर सेना को खत्म करो। राबड़ी सरकार इस्तीफा दो।' लालू, भीड़ को समझाते हुए बोले- 'देखो हम सबको सजा दिलवाएंगे। जो लोग मारे गए हैं, उनके परिवार को एक-एक लाख रुपए दिया जाएगा। गांव के लोगों को घर बनाने के लिए 20-20 हजार रुपया देंगे। गांव में स्कूल और पंचायत भवन बनेगा।' मुआवजे की बात सुनकर भीड़ और भड़क गई। बच्चे को गोद में लिए एक महिला राबड़ी के नजदीक पहुंच गई। चीखते हुए बोली- 'हमें तुम्हारा गंदा पैसा नहीं चाहिए। हम तुम्हारे इनाम की [illegible] कर देंगे। हमें बदला चाहिए बदला। हमें बंदूक दो, गोली दो, हथियार दो। तुम्हारे

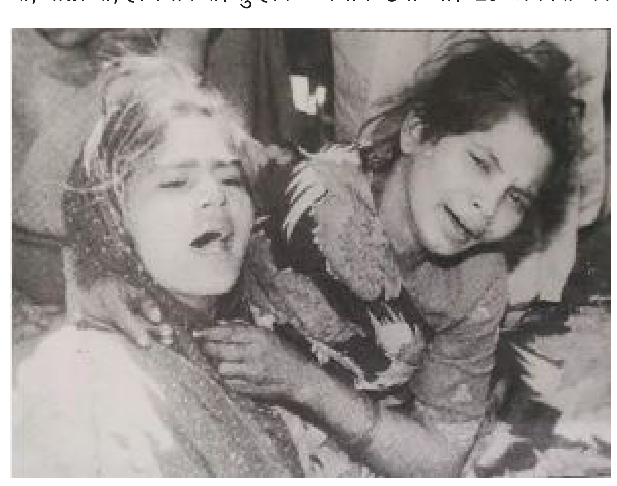

मीठे-मीठे भाषणों से कुछ नहीं होगा। बगल के लक्ष्मणपुर बाथे में हमारे 58 लोगों को मार दिया। क्या किया तुम्हारी सरकार ने। कुछ नहीं किया।' जैसे-तैसे भीड़ से निकलते हुए लालू गांव में घुसे। लोगों से मिले। एक घर के बाहर पांच लाशें रखी थीं। घर की चौखट पर सिर पर हाथ रखे महिला बैठी थी। लालू को देखते ही वो गुस्से से लाल हो गई। उसने सामने पड़ी लाश के ऊपर से कपड़ा हटा दिया। खून से सने बच्चे की लाश। उसकी आंतें बाहर आ गई थीं। लाश देखकर लालू-राबड़ी इमोशनल हो गए। महिला चिल्लाते हुए बोली- 'हमें इंसाफ दिलाना चाहते हो, तो बब्बन सिंह को हमारे सामने लाओ। उसे हमारे हवाले कर दो। हम हिसाब बराबर कर लेंगे। तब हम मानेंगे कि आप सरकार हो। आपकी खाकी वर्दी वाले रणवीर सेना वालों से मिले हुए हैं। वे उन्हीं का पक्ष लेते हैं। जब वो लोग गांव में मारकाट मचा रहा था, तब कोई नहीं आया। जब सब चला गया, तब पुलिस वाले आए।' रुआंसे लालू ने कहा- 'देखो आप जैसा चाहते हो वैसा एक्शन मैं नहीं ले सकता, लेकिन मैं भरोसा दिलाता हूं कि इनसे कायदे से निपटूंगा। केस की सुनवाई जल्दी होगी। 6 महीने के भीतर ट्रायल पूरा हो जाएगा। सबको सजा मिलेगी चिंता मत करो। जो लोग हत्यारे हैं, वे लोग ही इस्तीफा मांग रहे हैं। तुम लोग वैसा मत करो।' शाम तक लालू और राबड़ी पटना लौट आए। इधर, विपक्ष राबड़ी के इस्तीफे पर अड़ा था। नीतीश कुमार और रामविलास पासवान सरकार को बर्खास्त करने की मांग कर रहे थे। इतना ही नहीं, राबड़ी सरकार में शामिल कांग्रेस के कई नेता भी सीएम का इस्तीफा मांग रहे थे। इस पर लालू भड़क गए। उन्होंने कहा- 'राबड़ी इस्तीफा नहीं देंगी। 26 जनवरी से पहले सरकार को बदनाम करने की साजिश रची गई थी। रणवीर सेना बजरंग दल का एक्सटेंशन है। कांग्रेस कहती है कि हमने जमींदारी प्रथा खत्म कर दी है। सच में ऐसा हुआ होता तो ये नरसंहार नहीं होता।' 27 जनवरी को कांग्रेस ने पूर्व लोकसभा स्पीकर शिवराज पाटिल और मीरा कुमार को शंकर बिगहा भेजा। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी का कहना था कि फिलहाल हम सरकार को सपोर्ट कर रहे हैं। नेताओं की फाइंडिंग्स के बाद तय करेंगे कि क्या करना है। मुख्यमंत्री राबड़ी बोलीं- लोग कहे रहे हैं कि 'बाभना सब मारा है' 28 जनवरी को बिहार के डीजीपी केपी जैकब ने ऐलान किया- 'जो रणवीर सेना प्रमुख ब्रह्मेश्वर मुखिया का पता बताएगा, उसे पांच लाख रुपए इनाम दिया जाएगा।' इसी दिन राबड़ी ने कहा- '6 आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं। बाकी भी जल्द पकड़े जाएंगे। मैं नरसंहार वाले गांव गई थी। लोग कह रहे थे- 'बाभना सब मारा है।' तब के अखबारों में राबड़ी का ये बयान छपा था। 29 जनवरी को बिहार के राज्यपाल सुंदर सिंह भंडारी ने गृहमंत्री लालकृष्ण आडवाणी से मुलाकात की। मीडिया में खबरें आने लगीं कि केंद्र बिहार में राष्ट्रपति शासन लगाने की सिफारिश कर सकता है।

राबड़ी सरकार पर दबाव बढ़ता जा रहा था। 1 फरवरी को बीजेपी नेता सुशील मोदी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- 'लालू और रणवीर सेना के बीच साठगांठ है। राजद के कई लोग रणवीर सेना से मिले हुए हैं। लालू ने कई बार रणवीर सेना प्रमुख को छुड़वाया है। 6 महीना पहले ही

शास्त्री नगर की पुलिस ने मुखिया को गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन लालू ने खुद दखल देकर छुड़वा दिया।' 10 फरवरी 1999, शंकर बिगहा नरसंहार के 15 दिन बाद। पास के ही एक गांव नारायणपुर में

रात 9 बजे हमलावरों ने धावा बोल दिया। 11 दलितों की हत्या हो गई। 6 महिलाएं और 5 पुरुष मारे गए। पर्चे बांटकर रणवीर सेना ने इसकी जिम्मेदारी भी ले ली। अगले दिन लालू-राबड़ी गांव पहुंच गए। उन्होंने तीन लोगों को नौकरी और हर मृतक के परिवार को 1.20 लाख रुपए देने की घोषणा की। साथ ही इस नरसंहार से प्रभावित लोगों को इंदिरा आवास योजना के तहत घर बनाने के लिए 20 हजार रुपए देने का वादा किया। दिल्ली में हाईलेवल मीटिंग, विदेश में थे पीएम, रात में बिहार सरकार बर्खास्त करने का ऐलान- 12 फरवरी की सुबह केंद्र सरकार ने रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडिस, केंद्रीय मंत्री नीतीश कुमार और केंद्रीय मंत्री सत्य नारायण जटिया के नेतृत्व में एक टीम जहानाबाद भेजी। ये तीनों मंत्री एयरफोर्स के स्पेशल विमान से पहले पटना पहुंचे, फिर नारायणपुर। इसी दिन दिल्ली में गृहमंत्री ने हाईलेवल मीटिंग की। बैठक में बिहार सरकार को हटाकर राष्ट्रपति शासन लगाने पर सहमति बन गई, लेकिन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी एक समिट के लिए जमैका गए थे। कैबिनेट ने प्रस्ताव जमैका भेज दिया। कुछ देर बाद प्रधानमंत्री ने उस पर मुहर लगा दी। दोपहर बाद एक खास मैसेंजर के जरिए प्रस्ताव को कोलकाता भेजा गया। तब राष्ट्रपति के.आर नारायणन वहीं थे। रात 9 बजे उन्होंने केंद्र की सिफारिश पर मुहर लगा दी। रात 9.15 बजे केंद्रीय मंत्री प्रमोद महाजन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बिहार में राष्ट्रपति शासन लगाने का ऐलान किया। केंद्र के इस फैसले पर लालू भड़क गए। उन्होंने कहा- 'सरकार ने डेमोक्रेसी की हत्या कर दी है। सड़कों पर बवाल कर दो। तानाशाहों के पैर तोड़ दो। कल से मैं जनता की अदालत में जाऊंगा। और मैं यह नहीं कह सकता कि कल को क्या होगा।' अगले ही दिन लालू यादव और राबड़ी देवी समर्थकों के साथ पटना की सड़कों पर उतर गए। कुछ देर के लिए पुलिस ने उन्हें हिरासत में भी लिया। कई जगह हिंसक प्रदर्शनों में एक दर्जन लोगों की जान जा चुकी थी। एक प्रदर्शन के दौरान लालू ने कहा - 'गोली का जवाब हम हिंसा से देंगे।' राष्ट्रपति शासन लगने के दो घंटे के भीतर राज्यपाल ने मुख्य सचिव और डीजीपी को हटा दिया। विजय शंकर दुबे को मुख्य सचिव बनाया गया और टीपी सिन्हा को डीजीपी। सिन्हा ने रात में ही कमान संभाल ली। राज्यपाल के इस फैसले पर सवाल उठे क्योंकि सिन्हा और दुबे दोनों सवर्ण थे। 13 फरवरी 1999, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी नारायणपुर पहुंच गईं। वो गांव में घूमीं। मृतकों के घर गईं। सोनिया के दौरे को 1977 के इंदिरा के बेलछी दौर से जोड़कर देखा गया। इमरजेंसी के बाद हुए चुनावों में मिली हार के बाद इंदिरा बेलछी नरसंहार में मारे गए लोगों से मिलने पहुंची थीं। उसके बाद केंद्र और बिहार दोनों जगह कांग्रेस ने वापसी की थी। सोनिया के लिए भी इंदिरा जैसे ही हालात थे। 1996 के चुनाव में कांग्रेस को सेटबैक लगा था। राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे राज्य कांग्रेस गंवा चुकी थी। कांग्रेस शंकर बिगहा और नारायणपुर नरसंहार के जरिए फिर से दलितों को साधने की कवायद में जुटी थी। प्रदेश कांग्रेस के नेता लगातार कह रहे थे कि हमें राष्ट्रपति शासन का समर्थन करना चाहिए। तब के अखबारों ने लिखा- 'सोनिया दुविधा में हैं। अगर वे राजद का विरोध करती हैं, तो मुस्लिम वोट बैंक छिटक जाएंगे और अगर समर्थन करती हैं, तो दलित नाराज हो जाएंगे।' हुआ भी वहीं। सोनिया ने राष्ट्रपति शासन के बारे में कुछ नहीं कहा। उन्होंने मृतकों को 10-10 हजार रुपए देने की घोषणा की और फिर पटना होते हुए दिल्ली लौट गईं। सोनिया के बिहार दौरे के बाद केंद्र सरकार भांप गई थी कि कांग्रेस राष्ट्रपति शासन का समर्थन नहीं करेगी। 16 फरवरी को गृह मंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने कहा- 'बिहार के राज्यपाल सुंदर सिंह भंडारी को हटाकर एक गैर राजनीतिक आदमी को राज्यपाल बनाया जाएगा।' इस पर राज्यपाल भंडारी खफा हो गए। अगले ही दिन वो ट्रेन से दिल्ली के लिए निकल गए। कहा गया कि नाराजगी की वजह से राज्यपाल ने फ्लाइट नहीं ली। 18 फरवरी को वे पीएम अटल बिहारी वाजपेयी से मिले। आधे घंटे तक दोनों के बीच बातचीत हुई। तब के अखबारों में छपी खबरों के मुताबिक पीएम ने राज्यपाल से कहा कि बातचीत करके मामला सुलझा लो। पर भंडारी, आडवाणी की माफी पर अड़े रहे। तीन दिन दिल्ली में रहने के बाद 21 फरवरी को वे पटना लौट आए। इसी बीच लालू ने दिल्ली में सोनिया गांधी से मुलाकात की। सीनियर जर्नलिस्ट संकर्षण ठाकुर अपनी किताब बंधु बिहारी में लिखते हैं- 'सांप्रदायिक ताकतें बढ़ रही हैं। यह आरएसएस की साजिश है। मैडम अगर कांग्रेस इसे नहीं रोकेगी तो कौन रोकेगा। कांग्रेस को उन लोगों से लड़ना पड़ेगा।' 22 फरवरी को कांग्रेस ने साफ कर दिया कि वो सदन में प्रेसिडेंट रूल के खिलाफ वोट करेगी। 'द अनटोल्ड वाजपेयी' के मुताबिक वाजपेयी राष्ट्रपति शासन लगाने को लेकर बहुत खुश नहीं थे, लेकिन समता पार्टी के नेता नीतीश कुमार चाहते थे कि राज्य सरकार को बर्खास्त कर दिया जाए। 6 महीना पहले भी सितंबर 1998 में सुंदर भंडारी ने राष्ट्रपति शासन लगाने की सिफारिश की थी, लेकिन राष्ट्रपति ने खारिज कर दिया था। तब वाजपेयी ने अपने एक सहयोगी से कहा था- 'समता पार्टी के दबाव में झुकने की कीमत चुकानी पड़ेगी।' 7 मार्च को वाजपेयी, सोनिया गांधी से मिले थे, लेकिन राष्ट्रपति शासन पर समर्थन के लिए राजी नहीं कर पाए। आखिरकार 8 मार्च को केंद्र सरकार ने राष्ट्रपति शासन वापस लेने का ऐलान कर दिया। 9 मार्च को राबड़ी देवी फिर से सीएम बनीं, लेकिन इसके 9 दिन बाद ही एक और बड़ा नरसंहार हो गया। उस नरसंहार की कहानी अगले एपिसोड में। इधर, 15 मार्च को केंद्र सरकार ने राज्यपाल सुंदर भंडारी को हटा दिया। पटना हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस बीएम लाल को राज्यपाल का पदभार दिया गया।

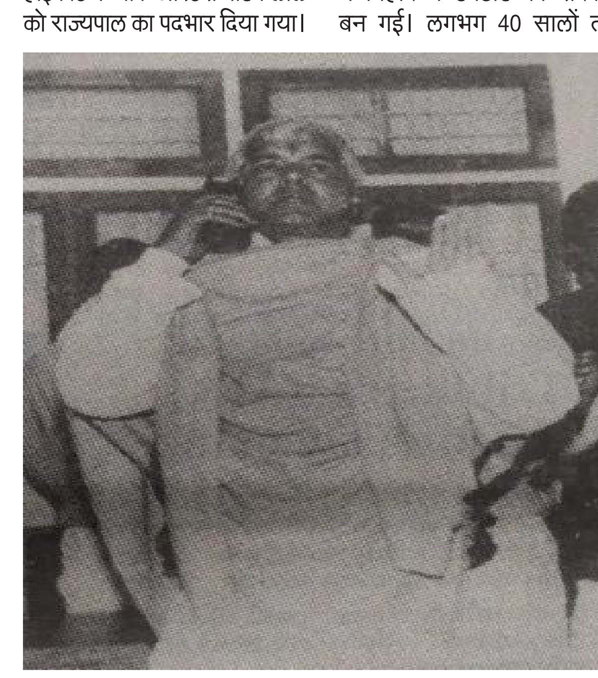

शंकर बिगहा नरसंहार मामले में 24 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। जुलाई 2014 से नवंबर 2014 तक जहानाबाद सेशन कोर्ट में ट्रायल चला। इस दौरान सभी 50 गवाह अपने बयान से मुकर गए। आरोपियों को पहचानने से इनकार कर दिया। मुख्य गवाह भैरों राजवंशी ने कहा- 'मैं नरसंहार के दिन तो शंकर बिगहा में था ही नहीं। पुलिस ने जबरन मेरा अंगूठा लगवा लिया। पुलिस ने खुद से बयान लिख दिया और पढ़कर सुनाया भी नहीं।' एक और गवाह रामप्रसाद पासवान ने कहा- 'गोली लगने के बाद मैं गिर गया था तो किसी को पहचानता कैसे? पुलिस ने झूठा बयान लिखा है।' 13 जनवरी 2015 को जहानाबाद सेशन कोर्ट ने सबूतों के अभाव में सभी 24 आरोपियों को बरी कर दिया। दलितों को इस फैसले से इसलिए भी ज्यादा धक्का लगा कि तब राज्य में एक दलित ही मुख्यमंत्री थे। जीतन राम मांझी। बाद में भैरों राजवंशी ने एक पत्रकार से इसकी वजह बताई। उन्होंने कहा- 'नरसंहार के लिए बनी अमीर दास कमीशन की इन्क्वायरी के दौरान पुलिस ने हमें सुरक्षा दी थी। पुलिस के लोग साथ पटना लेकर गए थे, लेकिन जहानाबाद में ट्रायल के दौरान हमें सुरक्षा नहीं मिली। हमें पता है कि कुछ भी बोलेंगे तो मारे जाएंगे। हम लोग तो उन्हीं के खेतों में काम करते हैं। रोटी मिलनी भी बंद हो जाएगी।' दरअसल, ट्रायल के आखिरी दिनों यानी 14 नवंबर 2014 को कोर्ट ने अरवल जिले के डीएम को चिट्ठी लिखकर गवाहों को सुरक्षा देने को कहा था। तब तक ज्यादातर गवाह अपने बयान से मुकर चुके थे। डीएम ने दो महीने बाद 9 जनवरी 2015 को गवाहों की सुरक्षा के लिए एसपी को चिट्ठी लिखी, लेकिन चार दिन बाद ही कोर्ट ने फैसला सुना दिया। शंकर बिगहा की तरह नारायणपुर नरसंहार में भी सभी 25 आरोपी सबूतों के अभाव में बरी कर दिए गए। इस तरह शंकर बिगहा और नारायणपुर दोनों नरसंहारों में कुल 34 दलितों का कत्ल हुआ। दोनों मामलों को मिलाकर 49 लोग आरोपी बनाए गए, लेकिन सजा किसी को नहीं मिली। लेफ्ट पार्टियों ने कहा था कि वे इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। लेकिन 11 साल बाद भी सुप्रीम कोर्ट में इसकी सुनवाई नहीं हो सकी है। लगातार नरसंहारों के चलते बिहार में राजद की सरकार कमजोर होती गई। 1995 में 167 सीटें जीतने वाली लालू की पार्टी साल 2000 में 124 पर आ गई। जबकि बीजेपी ने 67 सीटें जीत लीं। यानी पिछले चुनाव के मुकाबले 26 सीटें ज्यादा। उसके बाद एनडीए का दबदबा बढ़ता गया। आखिरकार अक्टूबर-नवंबर 2005 में बिहार में एनडीए की सरकार बन गई। लगभग 40 सालों तक बिहार में राज करने वाली कांग्रेस खत्म सी हो गई। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि राजद का साथ देने की वजह कांग्रेस ने बिहार में अपना बड़ा बेस गंवा दिया। सवर्ण बीजेपी की तरफ शिफ्ट हो गए और पिछड़े-अति पिछड़ों को लालू और नीतीश ने साध लिया। (यह सच्ची कहानी पुलिस चार्जशीट, कोर्ट जजमेंट, गांव वालों के बयान, अलग-अलग किताबें और इंटरनेशल रिपोर्ट्स पर आधारित है। क्रिएटिव लिबर्टी का इस्तेमाल करते हुए इसे कहानी के रूप में लिखा गया है।) रेफरेंसः- https://www.hrw.org/reports/1999/india/India994-06.htm

https://www.bhaskar.com/bihar-election/news/bihar-shankar-bigha-massacre-history-lalu-yadav-dalit-135939366.html

https://www.epw.in/journal/2000/07/commentary/shankaRigha-revisited.html

https://timesofindia.indiatimes.com/home/sunday-times/deep-focus/shankaRigha-a-foregone-verdict/articleshow/46810582.cms

75वें जन्मदिन पर हीराबा के नरेंद्र की कहानी

गुजरात। गुजरात के वडनगर का काला वासुदेव चौक। खपरैल की छत वाला छोटा सा घर। ये घर था चाय की रेहड़ी चलाने वाले दामोदरदास और हीराबा का। 17 सितंबर 1950 यानी बीते दिन के दिन 75 साल पहले यहां नरेंद्र मोदी का जन्म हुआ।दामोदरदास, हीराबा, उनके पांच बेटे और एक बेटी। एक कमरे में कुल आठ लोगों का परिवार रहता था। तेज बारिश में छत जगह-जगह टपकने लगती। हीराबा रिस रहे पानी के नीचे बर्तन लगाती जातीं। नरेंद्र अपनी मां को परेशान देख उनकी मदद को दौड़ पड़ते। दामोदरदास की चाय की दुकान रेलवे स्टेशन के बाहर थी। नरेंद्र अक्सर वहां भी पिता का हाथ बंटाते। इतनी सी आमदनी में परिवार का गुजारा संभव नहीं था, इसलिए हीराबा आस-पास के घरों में बर्तन धोतीं, मजदूरी करतीं। इसे याद कर नरेंद्र मोदी अक्सर भावुक हो जाते हैं। 28 सितंबर 2015 को अमेरिकी दौरे पर गए मोदी ने फेसबुक टाउनहॉल में बतायाष्ठनरेंद्र मोदी की शुरुआती पढ़ाई वडनगर की कुमारशाला-1 में हुई। 8 साल की उम्र में वे आरएसएस की शाखाओं में जाने लगे। साल 1958, दीवाली का दिन था। 'वकील साहब' के नाम से मशहूर एए प्रचारक लक्ष्मणराव ईनामदार वडनगर पहुंचे। वहां बाल स्वयंसेवकों को संबोधित किया और शपथ दिलाई। इनमें 8 साल के नरेंद्र मोदी भी थे। यहीं से नरेंद्र के मन में हिंदू राष्ट्रवाद की विचारधारा के बीज पड़े। उम्र बढ़ने के साथ नरेंद्र का मन घर के दायरे से बाहर जाने लगा। उन्होंने अपना उपनाम 'अनिकेत' रख लिया यानी जिसका कोई घर नहीं। उनके समाज की परंपरा में शादी तीन चरण में होती थी। 3-4 साल की उम्र में सगाई, 13 की उम्र में शादी और 18-20 की उम्र में गौना। 13 साल के नरेंद्र की शादी भी ब्राह्मणवाड़ा गांव की जशोदाबेन के साथ कर दी गई। गौना होना बाकी था। एक दिन नरेंद्र ने कहा, 'मां! मेरा मन करता है कि बाहर जाकर देखूं, दुनिया क्या है। मुझे स्वामी विवेकानंद जी की राह पर चलना है।' पास बैठे पिता बेटे के मन में उभर रहे वैराग्य से परेशान हो गए, लेकिन हीराबा बेटे का मन पहले से भांप गई थीं। उन्होंने पिता को जन्मपत्री देकर

कहा- ज्योतिषी को इसकी जन्मपत्री दिखाओ!' ज्योतिषी ने बताया- 'इसकी तो राह ही अलग है, ईश्वर ने जहां तय किया है, ये वहीं जाएगा!' इस तरह पिता भी माने। नरेंद्र मोदी ने इस अनुभव को याद करते हुए अपने ब्लॉग में लिखाष्ठघर छोड़कर नरेंद्र पहले रामकृष्ण मिशन के बेलूर मठ गए। इसके बाद दिल्ली, राजस्थान, पूर्वोत्तर और फिर हिमालय। सबसे ज्यादा समय उन्होंने गरुड़चट्टी में बिताया। करीब 2 साल बाद मोदी वापस वडनगर लौटे, लेकिन महज 17 दिनों में फिर घर छोड़ दिया। संघ प्रचारक वकील साहब ने अहमदाबाद के 'डॉ. हेडगेवार भवन' में मोदी के रहने का इंतजाम कर दिया। यहां वे संघ के स्वयंसेवक, फिर शाखाओं के प्रभारी और फिर प्रचारक बन गए। 15 वर्षों तक मोदी ने देश भर में संगठन के विस्तार के लिए जी-तोड़ काम किया।1985 में सक्रिय राजनीति में आए और जल्द ही बीजेपी की राष्ट्रीय चुनाव समिति के सदस्य बन गए। उनके माइक्रो-मैनेजमेंट की बदौलत 1989 लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने गुजरात की 14 में से 11 सीटें जीतीं। साल 1990। लालकृष्ण आडवाणी ने राम रथयात्रा निकाली। नरेंद्र मोदी ने सोमनाथ से मुंबई तक इसका बेहद सफल समन्वय किया और राष्ट्रीय नेताओं के करीब आए। जब 2 साल बाद मुरली मनोहर जोशी ने लाल चौक पर तिरंगा फहराने के लिए एकता यात्रा निकाली तो उसमें नरेंद्र मोदी दूसरे नंबर के नेता थे। 24 जनवरी 1992 को एकता यात्रा के दौरान जम्मू में दिया उनका भाषण खूब चर्चित हुआ। पंजाब के फगवाड़ा में एकता यात्रा पर अटैक हुआ। गोलियां चलीं। कई लोग मारे गए। नरेंद्र मोदी जानते थे, मां ये सुनकर परेशान होगी। लाल चौक पर तिरंगा फहराने के बाद जम्मू लौटे नरेंद्र मोदी ने पहला फोन अपनी मां को किया। जनवरी 2025 को निखिल कामत के पॉडकास्ट में मोदी ने बतायाष्ठअहमदाबाद लौटने पर मोदी के सम्मान में एक कार्यक्रम रखा गया। यहां पहली बार मां हीराबा सार्वजनिक मंच पर मोदी की सराहना के लिए सामने आईं। गुजरात बीजेपी तब दो खेमों में बंटी थी- शंकर सिंह वाघेला और केशुभाई पटेल। केशुभाई को मोदी अपना राजनीतिक गुरु मानते थे। 1995 में दोनों खेमों में खींचतान मची। पार्टी आलाकमान ने मोदी को दिल्ली बुला लिया और राष्ट्रीय सचिव बनाया। अगले कुछ साल तक नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में रहकर काम किया। 1 अक्टूबर 2001, नरेंद्र मोदी एक टीवी पत्रकार के दाह संस्कार में गए थे। तभी तब के पीएम अटल बिहारी का बुलावा आ गया। मोदी पीएम आवास पहुंचे, तो अटल ने कहा, 'दिल्ली में पंजाबी खाना खाकर तुम काफी मोटे हो गए हो। फिर से गुजरात लौट जाओ।' एक इंटरव्यू में मोदी बताते हैं कि मुझे तब तक ये अंदाजा नहीं था कि अटल जी मुझे गुजरात का मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं। हालांकि मोदी आदेश टाल नहीं सके और अगली सुबह दिल्ली से अहमदाबाद की फ्लाइट पकड़ी। एयरपोर्ट से सीधे मां के पास गए। मोदी ने अपने ब्लॉग में लिखाष्ठ 'खुशी से भरी हुई मां का पहला सवाल यही था कि क्या तुम अब यहीं रहा करोगे? मां मेरा उत्तर जानती थीं।' 7 अक्टूबर 2001। नरेंद्र मोदी ने पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। हीराबा दूसरी बार सार्वजनिक मंच पर बेटे को आशीर्वाद देने पहुंचीं। मोदी को मुख्यमंत्री बने सालभर भी नहीं हुआ था कि 2002 में गुजरात में दंगे हो गए। सरकार पर दंगे प्रायोजित करने के आरोप लगे। तब मोदी ने एक इंटरव्यू में कहा- 'क्रिया और प्रतिक्रिया की चेन चल रही है। हम चाहते हैं कि न क्रिया हो न प्रतिक्रिया।'गुजरात दंगों पर नरेंद्र मोदी को पहले मजिस्टीरियल कोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट से क्लीन चिट मिल गई। इन आरोपों पर वो कभी डिफेंसिव भी नजर नहीं आए। मोदी की 'हिंदू हृदय सम्राट' की छवि के साथ जुड़ा आर्थिक तरक्की का 'गुजरात मॉडल' और बीजेपी ने 2014 लोकसभा चुनाव से पहले मोदी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बना दिया। मोदी युग से पहले 1999 में बीजेपी अधिकतम 182 सीटें जीत सकी थी, लेकिन 2014 चुनाव में पहली बार 282 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत हासिल किया। नरेंद्र मोदी बने भारत के 16वें प्रधानमंत्री।पहली बार प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी संसद पहुंचे, तो सीढ़ियों को माथे से लगाया। उस पल को याद करते हुए पीएम मोदी कहते हैं- ' पहली बार एक सांसद के रूप में इस भवन में मैंने प्रवेश किया, तो सहज रूप से इस संसद की सीढ़ी पर अपना शीश झुका दिया।

हसबैंड निजी बातें अपनी बहन को बताता हैःमुझे चाहिए प्राइवेसी, क्या मैं ओवरथिंक कर रही या हमारी शादी खतरे में है

नयी दिल्ली। विषय पर प्रकाश डालेंगे एक्सपर्टः डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा और उनसे समझेंगे उपाय सवाल जवाब के माध्यम से। सवालः मैं 30 साल की हूं। मेरी शादी हुए लगभग 4 साल हो चुके हैं। मेरी ससुराल इंदौर में है, मैं होम मेकर हूं। हमारे रिश्ते में सबकुछ ठीक है, लेकिन मेरे पति हर छोटी-बड़ी बात अपनी बहन से शेयर करते हैं। यहां तक कि कई बार वे हमारी पर्सनल बातें भी शेयर करते हैं। जब मुझे इस बारे में पता चला तो मुझे यह सब बहुत अजीब लगा। उसके बाद से मुझे ऐसा महसूस होता है कि जैसे हमारे रिश्ते में कोई प्राइवेसी ही नहीं बची है। जब मैं अपने पति से इस बारे में कोई सवाल करती हूं तो वो कहते हैं कि वो मेरी बहन ही तो है, उससे सब शेयर करना कोई गलत बात नहीं है। अब मैं परेशान हूं कि क्या मैं ओवरथिंक कर रही हूं या वाकई ये मेरी मैरिड लाइफ के लिए खतरा हो सकता है? मुझे अपने रिलेशनशिप को बचाने के लिए क्या करना चाहिए? क्या मुझे किसी काउंसलर की हेल्प लेनी चाहिए? जवाबः सबसे पहले तो ये जान लीजिए कि आप जो महसूस कर

रही हैं, वो बिल्कुल सही है। शादी के चार साल बाद भी रिश्ते में प्राइवेसी का मुद्दा उठना कोई छोटी बात नहीं है। आपने बताया कि आपके पति हर छोटी-बड़ी बात अपनी बहन से शेयर करते हैं, यहां तक कि पर्सनल बातें भी। इससे आपको लगता है कि रिश्ते की गोपनीयता खत्म हो गई है। और जब आप विरोध करती हैं, तो वो कहते हैं कि बहन है, शेयर करना गलत नहीं। ये सुनकर आपको लग रहा होगा कि शायद आप ज्यादा सोच रही हैं, लेकिन नहीं, ये एक असली समस्या है। मैंने ऐसे कई कपल्स को देखा है जहां फैमिली में ज्यादा शेयरिंग से रिश्ता कमजोर पड़ जाता है। इसे धीरे-धीरे समझते हैं और देखते हैं कि क्या करना चाहिए। सबसे पहले, खुद को दोष मत दीजिए। शादी एक ऐसा रिश्ता है जहां दो लोग एक-दूसरे के सबसे करीब होते हैं। यहां प्राइवेसी का मतलब है कि कुछ बातें सिर्फ आप दोनों के बीच रहें। जब कोई तीसरा इंसान, चाहे वो बहन ही क्यों न हो, उन बातों में शामिल हो जाता है, तो रिश्ते की नींव हिल सकती है। आप ओवरथिंक नहीं कर रही हैं; ये आपका हक है कि आप अपने रिश्ते की प्रोटेक्शन चाहें। बहुत सी महिलाएं ऐसी स्थिति में खुद को अकेला महसूस करती हैं, क्योंकि समाज हमें सिखाता है कि फैमिली को खुश रखना हमारी जिम्मेदारी है। लेकिन याद रखिए, आपकी मैरिड लाइफ आपकी है, और उसमें बाउंड्रीज जरूरी हैं। चलिए, इसे एक सिंपल उदाहरण से समझते हैं। सोचिए, आपका घर एक गार्डन है। उसमें फूल खिलाने के लिए आप दोनों मिलकर पानी देते हैं, देखभाल करते हैं। लेकिन अगर हर कोई बाहर से आकर उसमें हाथ डाले, तो वो गार्डन कैसा रहेगा? ठीक वैसे ही, रिश्ते में प्राइवेसी वो बाड़ा है जो बाहर की हवा से बचाता है। जब पति अपनी बहन से सब शेयर करते हैं, तो वो बाड़ा टूट जाता है। इससे ट्रस्ट कम होता है, क्योंकि आपको लगता है कि आपकी बातें सुरक्षित नहीं हैं। रिसर्च बताती है कि कपल्स जो प्राइवेसी बनाए रखते हैं, उनके रिश्ते ज्यादा मजबूत होते हैं। लेकिन अगर शेयरिंग ज्यादा हो जाए, तो मिसअंडरस्टेंडिंग बढ़ सकती है, और कभी-कभी फैमिली में दखलअंदाजी शुरू हो जाती है। आपके पति कहते हैं कि बहन है, शेयर करना गलत नहीं। ये सही है कि फैमिली से कुछ बातें शेयर की जा सकती हैं, जैसे खुशी के मोमेंट्स या जनरल एडवाइज। लेकिन पर्सनल बातें, जैसे इंटिमेट डिटेल्स, फाइनेंशियल इश्यूज या झगड़े, वो बाहर नहीं जानी चाहिए। ये ओवर शेयरिंग है, जो रिश्ते को कमजोर करती है। उदाहरण के लिए, अगर आपका पति आपकी कोई कमजोरी बहन से शेयर कर दे, तो वो अनजाने में आप पर असर डाल सकती है। या अगर कोई फैमिली प्रॉब्लम है, तो बाहर शेयर करने से वो और बड़ा बन जाता है। ये न सिर्फ आपके लिए, बल्कि उनके लिए भी खतरा है, क्योंकि इससे रिश्ते में असुरक्षा आ जाती है। क्या ये रिश्ते के लिए खतरा है? हां, बिल्कुल। अगर ये आदत जारी रही, तो आपकी मैरिड लाइफ में कई प्रॉब्लम्स आ सकती हैं। सबसे पहले, आप दोनों के बीच कम्युनिकेशन कम हो सकता है, क्योंकि आपको डर लगेगा कि बात बाहर जाएगी। दूसरा, बहन की एडवाइज से आपके फैसले प्रभावित हो सकते हैं, जो रिश्ते की बैलेंस बिगाड़ देगा। तीसरा, लंबे समय में ये रिसेंटमेंट पैदा कर सकता है- आप पति से नाराज रहेंगी, और वो समझ नहीं पाएंगे। मैंने क्लिनिक में ऐसे केस देखे हैं जहां ओवर शेयरिंग से डिवोर्स तक बात पहुंच गई। लेकिन अच्छी बात ये है कि इसे ठीक किया जा सकता है, अगर दोनों मिलकर कोशिश करें। कपल को रिलेशनशिप से बाहर ये बातें शेयर नहीं करनी चाहिए-कपल्स को कभी भी अपने रिलेशनशिप से बाहर प्राइवेट बातें नहीं शेयर करनी चाहिए। ग्राफिक में दी ये लिस्ट रिश्ते की प्राइवेसी बनाए रखने के लिए जरूरी है। अब इन बातों को थोड़ा विस्तार से समझते हैं-पहली बात, सेक्स लाइफ की इंटीमेट डिटेल्सः ये सबसे पर्सनल मोमेंट्स हैं, इन्हें शेयर करने से रिश्ते की पवित्रता टूटती है और ट्रस्ट कम होता है। दूसरी, पार्टनर की कमजोरियांः इन्हें बाहर बताने से दूसरे लोग आपके पार्टनर का सम्मान कम कर सकते हैं और कभी ये उनके खिलाफ इस्तेमाल हो सकती हैं। तीसरी, फाइनेंशियल डिटेल्सः पैसे की दिक्कतें या कमाई शेयर करने से अनचाहा एडवाइज, दया या गलतफहमी हो सकती है।चौथी, फैमिली सीक्रेट्सः संवेदनशील पास्ट या ट्रॉमा बाहर जाने से असुरक्षा बढ़ती है। पांचवीं, रिलेशनशिप प्रॉब्लम्सः झगड़ों को बाहर वेंट करने से दूसरे लोग बायस्ड हो जाते हैं और प्रॉब्लम बड़ी हो जाती है। छठी, पास्ट ट्रॉमाजः ये गहरी बातें शेयर करने से पार्टनर असुरक्षित फील कर सकता है। सातवीं, पर्सनल गोल्सः इन्हें जल्दी शेयर करने से मोटिवेशन कम हो सकता है। आठवीं, फैमिली मैटर्सः घर की बातें बाहर न जाएं, वरना सीक्रेट्स लीक हो सकते हैं। नौवीं, रोमांटिक जेस्चर्सः गिफ्ट्स या स्पेशल मोमेंट्स की डिटेल्स शेयर करने से उनका महत्व कम हो जाता है। दसवीं, पास्ट रिलेशनशिप्सः पुरानी बातें लाने से खटास आ सकती है। अब क्या करें? सबसे पहले, अपने पति से खुलकर बात करें। लेकिन ये सारी बातें गुस्से में नहीं, बल्कि शांति से करें। उन्हें बताएं कि आप उनकी बहन से प्यार करती हैं, लेकिन कुछ बातें सिर्फ आप दोनों की हैं। उन्हें कहें कि मुझे लगता है कि हमारी प्राइवेसी जरूरी है, ताकि हमारा रिश्ता मजबूत रहे। अगर वो समझें, तो अच्छा है। लेकिन अगर न मानें, तो बाउंड्री सेट करें। उन्हें बताएं कि पर्सनल बातें शेयर न करें, वो सिर्फ हमारी बातें हैं। बहन से दूरी नहीं, बैलेंस बनाना जरूरी-उन्हें ये समझाएं कि बहन से रिश्ता नहीं तोड़ना है। बस बैलेंस बनाना जरूरी है। पति को समझाएं कि फैमिली इंपॉर्टेंट है, लेकिन मैरिज अलग है। अगर वो न बदलें, तो फैमिली काउंसलिंग लें। ये मदद करेगी। याद रखिए, रिश्ता दो लोगों का है, और प्राइवेसी उसकी सेफ्टी है। खुद को सशक्त बनाएं-आखिर में, खुद पर फोकस करें। अपनी फीलिंग्स को वैलिडेट करें और अगर जरूरी हो तो दोस्तों से बात करें, लेकिन पर्सनल डिटेल्स न शेयर करें। आप एक हेल्दी रिश्ते की हकदार हैं, जहां ट्रस्ट और प्राइवेसी हो। अगर कोशिश से बात बने, तो अच्छा। वर्ना, अपनी खुशी को प्राथमिकता दें। आप अकेली नहीं हैं, कई महिलाएं इससे गुजरती हैं और बाहर निकलती हैं। हिम्मत रखिए, सब ठीक होगा।

चहल की एक्स वाइफ से फ्लर्ट करते दिखे पवन सिंहःशो में धनश्री की सुंदरता पर हुए फिदा, बोले- लिपस्टिक के साथ बिंदी लगा लीजिए

मुंबई। अमेजन एमएक्स प्लेयर का रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल' भोजपुरी सिंगर पवन

सिंह की वजह से सुर्खियों में है। पावर स्टार पवन सिंह की वजह से शो पसंद किया जा रहा है। शो के अगले एपिसोड का एक प्रोमो जारी किया गया है, जिसमें पवन सिंह और कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा की केमिस्ट्री देखने मिल रही है। दोनों एक-दूसरे के साथ फ्लर्ट करते नजर आ रहे हैं।ओटीटी की तरफ से 11वें एपिसोड के जारी प्रोमो में दिखता है कि धनश्री, पवन सिंह बाकी कंटेस्टेंट के साथ बैठकर गेम डिस्कस कर रहे हैं। धनश्री ब्लैक ट्राउजर और जैकेट के साथ रेड लिपस्टिक में नजर आ रही हैं। डिस्कशन के बीच में पवन सिंह धनश्री से कहते हैं- 'आपने जो आज होंठ लाली लगाया है न, तो ड्रेस कुछ भी हो, एक बिंदी लगा लीजिए।' जवाब में धनश्री कहती हैं- 'इंडियन पहनूंगी तो बिंदी लगाऊंगी ना। अगर तीसरे हफ्ते रुक गए हम चार तो प्रॉमिस करती हूं कि मैं इंडियन पहनूंगी बिंदी लगाकर।' जवाब सुनकर एक्टर पवन सिंह कहते हैं- 'तो मैं भी बोल रहा हूं, जिस दिन आप इंडियन पहनेंगी, उस दिन मैं कोई भी काम छोड़कर इस घर में आऊंगा।' बताते चलें कि राइज एंड फॉल शो 6 सितंबर से एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम होने रहा है। शो में कंटेस्टेंट्स के लिए दो फ्लोर हैं। पेंट हाउस में रहने वाले कंटेस्टेंट्स को सभी तरह की सुख-सुविधा और लग्जरी दी जा रही है, जबकि बेसमेंट में रहने वाले कंटेस्टेंट्स को बेसिक चीजों के लिए भी जद्दोजहद कर रहे हैं। ऐसे में सभी कंटेस्टेंट्स के बीच पेंट हाउस में जाने के लिए टशन देखने को मिल रहा है।

एक्ट्रेस नफीसा अली को दोबारा कैंसर हुआ

मुंबई।एक्ट्रेस नफीसा अली को एक बार फिर कैंसर ने अपनी चपेट में ले लिया है। एक्ट्रेस को 2018 में पेरिटोनियल कैंसर हुआ था और 2019 में पूरी तरह से ठीक हो चुकी थीं। अब 6 साल के बाद इस जानलेवा बीमारी से वह फिर ग्रसित हो गई है। इस बात की जानकारी एक्ट्रेस ने खुद सोशल मीडिया पर शेयर की है। पोस्ट में एक्ट्रेस ने लिखा है कि कैंसर 4 स्टेज में पहुंच गया है। अब सर्जरी संभव नहीं है। एक्ट्रेस ने बहुत ही इमोशनल पोस्ट शेयर करते हुए बताया कि जब कैंसर के बारे में उनके बच्चों को पता चला था, तब

उन्होंने उनसे क्या सवाल पूछा था? 'एक दिन मेरे बच्चों ने पूछा, 'तुम्हारे जाने के बाद हम किसकी ओर देखेंगे? मैंने उनसे कहा कि एक-दूसरे की ओर देखना। यही मेरा सबसे बड़ा गिफ्ट है। भाई-बहन एक-दूसरे के साथ प्यार और यादें शेयर करते हैं, एक-दूसरे की रक्षा करते हैं, याद रखना, तुम्हारा बंधन जिंदगी की किसी भी चीज से ज्यादा मजबूत है' एक्ट्रेस ने आगे पोस्ट में लिखा है-'मेरी जर्नी का आज से नया चैप्टर शुरू। मेरा कल पीईटी स्कैन हुआ, फिर से कीमोथैरेपी शुरू होगी, क्योंकि सर्जरी नहीं की जा सकती है। यकीन करो मुझे अपनी जिंदगी से बेहद प्यार है' 18 जनवरी 1957 को मुंबई में जन्मी नफीसा अली ने रविंदर सिंह सोढ़ी से शादी की थी। उनके तीन बच्चे पिया सोढ़ी, अरमान सोढ़ी और अजित सोढ़ी हुए। अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत एक्ट्रेस ने श्याम बेनेगल के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'जुनून' (1979) से की थी। नफीसा अब तक 'ये जिंदगी का सफर', 'आतंक', 'बिग बी', 'यमला पगला दीवाना', 'लाहौर', 'ऊंचाई', 'बेवफा', 'मेजर साहब' और 'लाइफ इन ए मेट्रो' जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर फिल्मी सितारों ने दीं बधाइयां

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर आज

देश और दुनिया भर से लोग उन्हें बधाई दे रहे हैं। इस मौके पर फिल्म इंडस्ट्री से भी कई सितारों ने सोशल मीडिया पर उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। एक्टर अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर उन्हें बधाई दी। साथ ही अनुपम खेर ने लिखा-'आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी! आपको आपके जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बहुत बहुत बधाई! प्रभु आपको लंबी एवं स्वस्थ आयु प्रदान करे! आप आने वाले बहुत सालों तक ऐसी ही उदारता, दृढ़ता, कुशलता, एकाग्रता, और निस्वार्थ भावना से देश का नेतृत्व करें। मेरी मां भी आपको ढेर सारा प्यार भेज रही है! वो तो कह रही थी कि उनकी आपसे बात भी करा दूं! आपकी माता जी की अनुपस्थिति में आपको वो आशीर्वाद देंगी!' एक्ट्रेस और बीजेपी सांसद कंगना रनोट ने पीएम मोदी के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर कर बधाई दी। कंगना रनोट ने इंस्टाग्राम पर लिखा-' विश्व पटल पर भारत का मस्तक ऊंचा करने वाले यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।' एक्ट्रेस और बीजेपी सांसद हेमा मालिनी ने भी पीएम मोदी को जन्मदिन पर बधाई देते हुए इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। एक्ट्रेस ने पूरे परिवार की ओर से पीएम मोदी को शुभकामनाएं दीं और अच्छे स्वास्थ्य की प्रार्थना की। 'हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन के मौके पर उन्हें बहुत-बहुत शुभकामनाएं। मोदी जी, मैं पिछले 11 सालों से आपके साथ जुड़ी हूं और हमेशा आपका समर्थन और प्रोत्साहन मिलता रहा है। आपके 75वें जन्मदिन पर मैं, अपने परिवार और अपनी निर्वाचन क्षेत्र मथुरा के लोगों के साथ आपकी अच्छी सेहत और खुशहाली की प्रार्थना करती हूं। जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।' साउथ इंडस्ट्री के एक्टर नागार्जुन अक्किनेनी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा-'जैसे ही श्री नरेंद्र मोदी जी 75वें जन्मदिन के करीब हैं, मैं 2014 में उनसे हुई अपनी पहली मुलाकात को याद कर रहा हूं, यह एक प्रेरणा, दयालुता और जीवन के सबक का पल था। मैं उन्हें उनके अच्छे स्वास्थ्य और निरंतर नेतृत्व के लिए प्रार्थना के साथ जन्मदिन की अग्रिम शुभकामनाएं देता हूं।'

पति चाहते हैं कि डिलीवरी के तुरंत बाद ही मैं कैटरीना कैफ जैसी स्लिम हो जाऊं, क्योंकि उन्हें मुझे छूने का मन नहीं करता

नयी दिल्ली। कभी-कभी मुझे लगता है कि ये सब सिर्फ किताबों की बातें हैं कि प्यार शरीर से

नहीं, बल्कि मन से होता है। असलियत तो यही है कि कोई भी सिर्फ मन देखकर प्यार नहीं करता, पहली नजर तो सबकी बस शरीर पर ही जाती है। तभी तो मेरे पति (आशीष), जो कभी मुझसे बेइंतहा प्यार करते थे, आज मेरा प्यार नहीं देख पाते। उनकी नजर अब सिर्फ मेरे बढ़े हुए वजन पर जाती है। जब से बेटी का जन्म हुआ है, हर रोज मुझे यही सुनने को मिलता है की 'कितनी मोटी हो गई हो, कुछ करती क्यों नहीं हो? कमर तो देखो कमरा ही हो गई है। तुम्हें देखकर तो छूने का मन भी नहीं करता।' लेकिन उन्हें कोई कैसे समझाए कि अचानक से वजन कम नहीं हो जाता। इसके लिए समय लगता है। फिर अगर आप तो यह उम्मीद करें कि डिलीवरी के सिर्फ दो महीने बाद ही मैं कैटरीना कैफ जैसी स्लिम दिखने लगूं, तो ये कैसे मुमकिन है? अब कौन सी महिला नहीं चाहती कि वो खूबसूरत और फिट दिखे? लेकिन सच्चाई ये है कि हर चीज हमारे कंट्रोल में नहीं होती, खासकर प्रेग्नेंसी के दौरान। इस फेज में ज्यादातर महिलाओं का वजन बढ़ जाता है। मेरा भी बढ़ गया था। क्योंकि गर्भावस्था में शरीर को बच्चे की ग्रोथ और सेहत के लिए अतिरिक्त पोषण की जरूरत होती है। इसके अलावा, अन्य फैक्टर, जैसे हार्मोनल चेंजेस, नींद की कमी और तनाव सहित अन्य फैक्टर भी मेरी समझ में शामिल होते हैं। मैं यह तो बल्कि कुल नहीं कहती कि बच्चे की देखभाल में पिता का कोई रोल नहीं होता, लेकिन सच्चाई यही है कि ज्यादातर काम मां के हिस्से में ही आते हैं। मेरा भी यही हाल है। दिन - रात ब्रेस्टफीडिंग, रात-रात जागकर बच्चे को सुलाना। खाने-पीने का ध्यान नहीं। इन सभी वजहों से मैं खुद पर ध्यान ही नहीं दे पाती। वहीं, अब तो हर तीसरे-चौथे दिन आशीष मुझसे यही कहते हैं की 'कितनी मोटी हो गई हो, जल्दी से वजन कम करो। एक रात की बात है मुझसे कहने लगे की अगर जल्दी से तुम पुरानी वाली अनामिका नहीं बनी तो फिर मेरा अफेयर अगर कहीं और हो जाए, तो मुझसे मत कहना।' फिर तुरंत हंसते हुए जोड़ देते की 'अरे, मैं तो मजाक कर रहा था।' ये सुनते ही मेरे आंसू निकल गए की आखिर आशीष ऐसा कैसे बोल सकते हैं। बाद में उन्होंने मुझसे सॉरी भी कहा। लेक?न कहते हैं न क? मजाक में ही वह बात कही जाती है, जो इंसान असलयित में कह नहीं पाता, आशीष के साथ भी कुछ ऐसा ही था। खैर जैसे- तैसे वो रात बीती और डेली रूटीन में बीजी हो गई।अब आशीष का हर दिन बस यही कमेंट सुनने को मिलता है कि मैं अच्छी नहीं दिखती, मेरे इतने भारी शरीर में तो उनके अंदर कोई फीलिंग ही नहीं जगती है। दूसरी औरतों को देखो वो मां बनने के बाद भी फिट हैं।आशीष की इस तरह की बातें अब अंदर ही अंदर मुझे तोड़ने लगी हैं। कई बार रातों को नींद तक नहीं आती। बेटी के पास चुपचाप लेटी रहती हूं और उनकी कही हुई बातें सोचकर चुपचाप रो पड़ती हूं। मन में बस यही ख्याल आता है कि जिस आदमी से मैंने सच्चे दिल से प्यार किया था, वही आज मेरे प्रेग्नेंसी के बाद बढ़े हुए वजन को बर्दाश्त नहीं कर पा रहा, तो ये जिन्दगी भर मेरा क्या साथ निभाएगा ।मैं किस दर्द से गुजर रही हूं यह किसी से साझा नहीं की, लेकिन न जाने कैसे मेरी एक खास सहेली कुछ दिन पहले मुझसे मिलने घर आई और बातों-बातों में ही उसने भांप लिया कि मैं भीतर से परेशान हूं। उसने बार-बार पूछने की कोशिश की, मगर मैंने कुछ नहीं बताया। फिर भी उसने समझाते हुए कहा- 'देखो अनामिका, परेशानी कितनी भी बड़ी क्यों न हो, उसे अपनी सेहत पर हावी मत होने दो।दोस्त ने आगे कहा- अगर अनाम?का तुम्हारी हेल्थ बिगड़ गई तो उससे बुरा कुछ नहीं होगा। और अपनी बेटी को देखो, उसके लिए तुम्हें मजबूत रहना है।' उसकी यह बात मेरे दिल को छू गई। तभी से मैंने ठान लिया कि अब आशीष की बातों पर सोचकर अपना मन नहीं दुखाऊंगी। उल्टा मैं अपनी बेटी और अपनी सेहत पर ध्यान दूंगी।

ऑस्कर अवॉर्ड विनर डायरेक्टर रॉबर्ट रेडफोर्ड का निधनःट्रंप से लेकर लियोनार्डो डिकैप्रियो तक ने जताया दुख, अनिल कपूर और प्रियंका चोपड़ा भी हुए भावुक

नयी दिल्ली। हॉलीवुड एक्टर और डायरेक्टर रॉबर्ट रेडफोर्ड का मंगलवार को निधन हो गया। ऑस्कर अवॉर्ड विनर डायरेक्टर

89 साल के थे। रॉबर्ट की पब्लिसिटी फर्म रॉजर्स एंड कोवन पीएमके की चीफ एग्जीक्युटिव सिंडी बर्गर ने उनके निधन की पुष्टि की। हालांकि, मौत का कारण अभी सामने नहीं आया है। रेडफोर्ड के निधन के बाद हॉलीवुड और उनके चाहने वालों ने उन्हें याद किया। अमेरिकी एक्ट्रेस और एक्टिविस्ट जेन फोंडा ने एसोसिएटेड प्रेस से कहा, 'आज सुबह जब मैंने पढ़ा कि बॉब (रॉबर्ट रेडफोर्ड) अब नहीं रहे तो मुझे गहरा झटका लगा। मैं रोना बंद नहीं कर पा रही हूं। वह मेरे लिए बहुत मायने रखते थे। वह हर तरह से एक बेहतरीन इंसान थे। वह उस अमेरिका के लिए खड़े रहते थे जिसके लिए हमें लगातार लड़ना होगा।' वहीं, एसोसिएटेड प्रेस के साथ बातचीत में एक्टर लियोनार्डो डिकैप्रियो ने कहा, 'यह हमारी कम्युनिटी के लिए बहुत बड़ा नुकसान है। वह न केवल एक शानदार एक्टर थे, बल्कि वो एक बेहतरीन डायरेक्टर भी थे। उनकी फिल्में जैसे 'क्विज शो' इसका उदाहरण हैं। वह उन शुरुआती लोगों में थे जिन्होंने पॉलिटिकल थ्रिलर बनाई। उनकी फिल्में 'थ्री डेज ऑफ द कोंडोर', 'ऑल द प्रेसिडेंट्स मेन' इसका सबूत है। उन्होंने इस तरह की फिल्मों का रास्ता खोला। सबसे बढ़कर वह पर्यावरण संरक्षण और इंडीजिनस अधिकारों के लिए लगातार काम करते रहे। आज हमने एक लीजेंड को खो दिया।'अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उनके निधन पर रिएक्ट करते हुए कहा, 'रॉबर्ट रेडफोर्ड बेहतरीन एक्टर थे। उनके कुछ साल ऐसे थे जब उनसे बेहतर कोई नहीं था।' रॉबर्ट रेडफोर्ड के निधन पर बॉलीवुड सितारे भी भावुक हो गए। अनिल कपूर, करीना कपूर, प्रियंका चोपड़ा और अनुराग कश्यप ने सोशल मीडिया पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। बता दें कि रेडफोर्ड की गिनती हॉलीवुड के सबसे सफल एक्टर्स में होती थी। उनकी फेमस फिल्मों में 'बुच कैसिडी एंड द सनडांस किड' (1969), 'ऑल द प्रेसिडेंट्स मेन' (1976) और 'थ्री डेज ऑफ द कोंडोर' (1975) शामिल हैं। 'बुच कैसिडी एंड द सनडांस किड' में उन्होंने पुराने वेस्टर्न दौर के किरदार को निभाया। वहीं, 'ऑल द प्रेसिडेंट्स मेन' में उन्होंने पत्रकार बॉब वुडवर्ड का रोल प्ले किया था। यह फिल्म वाटरगेट स्कैंडल पर आधारित किताब पर थी। 'द स्टिंग' (1973) में उनकी परफॉर्मेंस के लिए वो ऑस्कर के लिए नॉमिनेट किए गए थे। 40 की उम्र के बाद रॉबर्ट रेडफोर्ड ने डायरेक्शन में कदम रखा। उनकी पहली फिल्म 'ऑर्डिनरी पीपल' (1980) थी। यह फिल्म एक परिवार की कहानी थी, जो बेटे की मौत के बाद टूटने लगता है। यह कहानी उनकी अपनी जिंदगी से भी जुड़ी थी, क्योंकि किशोरावस्था में उन्होंने अपनी मां को खो दिया था। 'ऑर्डिनरी पीपल' ने चार ऑस्कर अवॉर्ड जीते। इसमें बेस्ट पिक्चर और बेस्ट डायरेक्टर का अवॉर्ड भी शामिल था। साथ ही उन्होंने 'अ रिवर रन्स थ्रू इट' (1992) और 'क्विज शो' (1994) जैसी फिल्में बनाईं। 'क्विज शो' को चार ऑस्कर नॉमिनेशन मिले। इसमें बेस्ट पिक्चर और बेस्ट डायरेक्टर भी शामिल थे। रेडफोर्ड केवल एक्टर या डायरेक्टर ही नहीं थे, बल्कि वह 'सनडांस फिल्म फेस्टिवल' के फाउंडर भी थे। इस फेस्टिवल ने दुनिया भर के इंडिपेंडेंट फिल्म प्रोड्यूसर्स को स्टेज दिया। बता दें कि 1958 में रॉबर्ट रेडफोर्ड ने लोला वैन वैगेनन से शादी की। उनके चार बच्चे हुए, जिनमें से एक की शिशु अवस्था में मौत हो गई। बाद में 2009 में उन्होंने सिबिल स्जागर्स से शादी की।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।